@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार 26 अक्टूबर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 342 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महागठबंधन की दो खासियतें हैं भ्रष्टाचार और परिवारवाद : शाह

● हमारी सरकार ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया है।

एजेंसी

खगड़िया। बिहार में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राजनीतिक माहौल काफी गरमाया हआ है। चुनावी रैलियों और जनसभाओं का दौर जारी है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खगड़िया में शनिवार को एक चुनावी सभा को संबोधित किया और महागठबंधन के घटक दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव को आड़े हाथों लिया। खगड़िया जिले के अलौली विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि महागठबंधन की दो खासियतें हैं भ्रष्टाचार और परिवारवाद। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया है।

जनसभा में बैठे लोगों से अमित शाह ने पूछा कि फिर से जंगलराज बिहार में लाना है या विकास लाना है? लोगों की प्रतिक्रिया के बाद अमित शाह ने कहा कि केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार ही बिहार का विकास कर सकते हैं। महागठबंधन या लाठबंधन, जिनका भ्रष्टाचार का इतिहास रहा है, क्या वे बिहार का विकास कर सकते हैं? केवल नरेन्द्र मोदी और नीतीश बाबू, जिन पर एक पैसे का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, बिहार का विकास कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार बिहार का समग्र विकास चाहते हैं, लेकिन लालू यादव अपने परिवार की समृद्धि के लिए काम करते हैं। लालू यादव के शासन में हत्या, डकैती, फिरौती, अपहरण और नरसंहार जैसी घटनाएं रोज की बातें थीं।

अब 100 बख्तियार खिलजी भी आ जाएं, नालंदा विवि को कोई हाथ नहीं लगा सकताः अमित शाह

नालंदा। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में खगड़िया और मुंगेर के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के नालंदा पहुंचे, जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया।अमित शाह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नालंदा की पावापुरी में ही 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने निर्वाण प्राप्ति की थी। यहीं पर नालंदा का विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालय कुमारगुप्त ने बनाया था, जिसको 12वीं शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने जला दिया था।

उन्होंने कहा कि जब बख्तियार खिलजी ने नालंदा विद्यापीठ जलाई, तब इसके पुस्तकालय से 6 माह तक पुस्तकों के जलने का धुआं उठता रहता था। ये विनाश का काम बख्तियार खिलजी ने किया था, मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर से नालंदा विश्वविद्यालय बनाकर हमारे नालंदा की विरासत को गौरव देने का काम किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ये एनडीए का शासन है, अब 100 बख्तियार खिलजी भी आ जाएं, नालंदा विश्वविद्यालय को कोई हाथ नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने तय किया है- विकास भी, विरासत भी। यहीं पर एआई और डेटा का नया युग हम शुरू करने वाले हैं।

बीस वर्षों के सुशासन का नतीजा है कि बिहार आज प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है : नीतीश कुमार

हमने समाज के सभी वर्गों के लोगों के हित में कार्य किया हैः नीतिश कुमार

एजेंसी

पटना।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बक्सर जिला के डुमरांव और पटना के फुलवारीशरीफ में दो अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित किया और लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राज्य सरकार की ओर से मुस्लिम समुदाय के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

नीतीश कुमार ने कहा कि हमने समाज के सभी वर्गों के लोगों के हित में कार्य किया है। राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का वातावरण है। लगातार 20 वर्षों से विकास कार्यों में लगे रहने का परिणाम है कि आज बिहार प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है। आने वाले समय में बिहार देश के सबसे विकसित राज्यों में शुमार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले राज्य में मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए कोई काम नहीं होता था। उससे पहले बिहार में जिन लोगों की सरकार थी, उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 2006 से संवेदनशील कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू की गयी। अबतक आठ (08) हजार से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गयी है। मुस्लिम समाज के परामर्श से 1273 और कब्रिस्तानों को घेराबंदी

अक्सर साम्प्रदायिक झगड़े होते थे। 24 नवंबर 2005 को जब हमलोगों की सरकार बनी तब से मुस्लिम समुदाय के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। 2025-26 में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के बजट में 306 गुणा की वृद्धि करते हुए 1080.47 करोड़ रूपये बजट का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में साम्प्रदायिक घटनायें नहीं हों, उसके लिये वर्ष के लिये चिन्हित किया गया, जिसमें 746 कब्रिस्तानों की घेराबंदी पूर्ण हो गयी है और शेष का काम शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा।नीतीश कुमार ने कहा कि इन्हीं विपक्षी दलों की जब सरकार थी, तब वर्ष 1989 में भागलपुर में साम्प्रदायिक दंगे हुये। दंगा रोकने में तब की सरकार विफल रही और साम्प्रदायिक दंगा पीड़ितों के लिये पूर्व की सरकारों ने कुछ नहीं किया।

पिछले 11 साल में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गईः नड्डा

'मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में भी भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. जे. पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 819 हो गई है। इसी अवधि में स्नातक सीटें 51,000 से बढ़कर 1,29,000 और स्नातकोत्तर सीटें 31,000 से बढ़कर 78,000 तक पहुंच गई हैं। अगले पांच वर्षों में 75,000 अतिरिक्त सीटें जोड़े जाने का लक्ष्य रखा गया है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 50वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में भी भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मातृ मृत्यु दर 130 से घटकर 88 पर आ गई है, जबकि शिशु मृत्यु दर 39 से घटकर 27 हो गई है। पांच वर्ष से

कम आयु और नवजात मृत्यु दर में भी क्रमशः 42 प्रतिशत और 39 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है- जो वैश्विक औसत से बेहतर है। डॉ. नड्डा ने बताया कि टीबी के मामलों में 17.7 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक दर (8.3 प्रतिशत) की तुलना में दो गुना से अधिक तेज़ है। डॉ. नड्डा ने एम्स के स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि चिकित्सा विज्ञान, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स ने न केवल भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। पिछले एक दशक में भारत के चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। जहां पिछले सदी के अंत तक देश में केवल एक एम्स था, वहीं आज भारत में 23 एम्स संस्थान कार्यरत हैं। उन्होंने स्नातकों से आह्वान किया कि वे शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्र में सक्रिय योगदान दें, एम्स की प्रतिष्ठित विरासत को आगे बढ़ाएँ और अपने पेशेवर जीवन में उत्कृष्टता और नैतिकता को सर्वोपरि रखें। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. वी. के. पॉल ने कहा कि 'समाज ने हमें जो दिया है, उसे लौटाना हमारी जिम्मेदारी है। उत्कृष्टता को दैनिक अभ्यास और नवाचार को मार्गदर्शक सिद्धांत बनाइए।' उन्होंने छात्रों से शिक्षा क्षेत्र से जुड़कर अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रेरित करने का आग्रह किया।

नहीं रहे अपनी कॉमिक टाइमिंग से सबको गुदगुदाने वाले सतीश शाह

किडनी फेल होने से हुआ निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉमेडी फिल्म में अपने रोल से सबको गुदगुदाने वाले एक्टर सतीश शाह का निधन हो गया है। निधन की खबर से फैंस के बीच शोक की लहर दौड़ पड़ी है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने एक्टर के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्टर के निधन की जानकारी देते हुए भावुक पोस्ट डाला है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने सतीश रविलाल शाह की फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है और लिखा है, 'आपको यह बताते हुए दुख और आश्चर्य हो रहा है कि हमारे प्रिय मित्र और एक बेहतरीन अभिनेता सतीश शाह का कुछ घंटे पहले किडनी फेल होने के कारण निधन हो गया। उन्हें हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। हमारे उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है।' अशोक पंडित ने एक्टर के घर का पता भी सोशल मीडिया पर डाला है। सतीश शाह का जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। वह टीवी और

सिनेमा का हंसाने और गुदगुदाने वाला चेहरा थे। उन्होंने अपनी बेमिसाल एक्टिंग के दम पर अलग पहचान बनाई। उन्होंने टीवी पर छोटा रोल हो या पर्दे पर बड़ा रोल, दोनों को पूरे मन से निभाया है।

राहुल गांधी ने त्योहारों पर ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को बताया सरकार की नाकामी

एजेंसी

नई दिल्ली।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दीपावली और छठ पूजा के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ और यात्रियों की परेशानी को सरकार की नाकामी बताया है। उन्होंने कहा कि हर साल त्योहारों के समय बिहार लौटने वाले लोगों को असुविधा और अपमानजनक हालात का सामना करना पड़ता है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि बिहार जाने वाली कई ट्रेनों में क्षमता से दोगुने यात्री सफर कर रहे हैं और लोगों को दरवाजों और छतों तक लटककर यात्रा करनी पड़ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार के 12,000 स्पेशल ट्रेनों के दावे कहां हैं और क्यों हर साल स्थिति और खराब होती जा रही है। बिहार और पूर्वी भारत के लोग अगर अपने राज्य में रोजगार और सम्मानजनक जीवन पा रहे होते, तो उन्हें हजारों किलोमीटर दूर

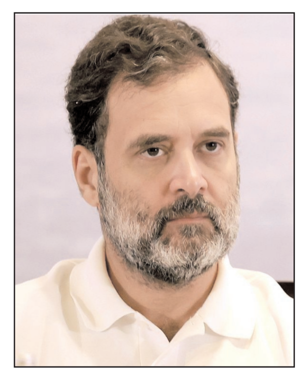

भटकना नहीं पड़ता। राहुल गांधी ने इसे सरकार की विफलता बताते हुए कहा कि सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा नागरिकों का अधिकार है, कोई एहसान नहीं।

बिहार के एकमात्र जननायक भारत रत्न स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर हैं, कोई और नहींः धर्मेंद्र प्रधान

● नायक कहने से नहीं होता है काम करने से होता है : धर्मेन्द्र प्रधान

एजेंसी

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के नायक वाले पोस्टर पर कटाक्ष किया है। धर्मेन्द्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि बिहार के एक ही जननायक हैं और वो भारत रत्न स्व. कर्पूरी ठाकुर जी हैं, उनके अलावा दूसरा कोई जननायक नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई उनकी नकल करने की कोशिश न करें, क्योंकि राज्य की जनता उसे स्वीकार नहीं करेगी। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नायक कहने से नहीं होता है। काम करने से होता है। अभी तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व में नायकत्व चल रहा है। हमारे आदर्श देश के जननायक कर्पूरी ठाकुर हैं।दरअसल, बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच पटना में राष्ट्रीय जनता दल

(राजद) कार्यालय के बाहर तेजस्वी यादव के पोस्टर लगाए गए हैं, जिन पर तेजस्वी को 'बिहार का नायक' बताया गया है। इसे लेकर ही धर्मेन्द्र प्रधान ने तेजस्वी पर निशाना साधा।

बिहार में लालटेन का दौर गया, अब एलईडी का जमानाः सांसद रवि किशन

'बिहार के लोगों को अपने बच्चों को जंगलराज के बारे में बताना चाहिए'

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा के स्टार प्रचारक और सांसद रवि किशन ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जोरदार पलटवार करते हुए कहा कि बिहार से लालटेन का दौर जा चुका है अब बिहार में एलईडी का जमाना है।पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने राजद के शासनकाल को 'भ्रष्टाचार का दौर' करार देते हुए कहा कि अब बिहार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि 14 नवंबर को मतगणना के बाद बिहार नया मुकाम हासिल करेगा। लालटेन का दौर गया, अब एलईडी का जमाना है।

उन्होंने कहा कि 20 साल पहले बिहार में भ्रष्टाचार का बोलबाला था। लाखों-करोड़ों के घोटाले होते थे। क्या आपने कभी सुना कि मोदी सरकार में कोई घोटाला हुआ। बिहार ने उस घोटालों के दौर को देखा है। आज बिहार जगमग हो रहा है। यह

नया भारत है, जो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

रवि किशन ने राजद के 'लालटेन' पर तंज कसते हुए कहा कि अब लालटेन का दौर गया। यह एलईडी लाइट का जमाना है।

बिहार में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि पटना का एयरपोर्ट लंदन की तरह दिखने लगा है। भव्य माता जानकी मंदिर बन रहा है। मखाने का प्लांट लगेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की तारीफ करते हुए कहा कि इस योजना के तहत महिलाओं को 10,000 रुपए मिल रहे हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और अपना रोजगार शुरू करेंगी। दूसरी ओर पलायन रुकेगा और हर युवा के हाथ में नौकरी होगी। बीते दिनों बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को अपने बच्चों को जंगलराज के बारे में बताना चाहिए कि कैसे लोगों पर अत्याचार होते थे, कैसे शाम होते ही लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाते थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन का प्रकाश फैलाया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने मन बना लिया है कि एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनानी है।

चक्रवाती तूफान मोंथा के मंगलवार को आंध्रप्रदेश के तटों से टकराने की संभावना

● भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की है।

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में आगामी मंगलवार को चक्रवाती तूफान मोंथा का खतरा मंडरा रहा है। चक्रवाती तूफान के कारण यहां 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान तेजी से आंध्र तट की ओर बढ़ रहा है। यह मंगलवार रात को तटों से टकरा सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर बना दबाव क्षेत्र पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। मौजूदा समय में पोर्ट ब्लेयर से लगभग 440 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, विशाखापत्तनम से 970 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, चेन्नै से 970 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण पूर्व, काकीनाडा से 990 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और गोपालपुर (ओडिशा) से 1040 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में केंद्रित है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना दवाब रविवार तक गहरे दबाव में तब्दील हो जाएगा और सोमवार तक चक्रवाती तूफान के रूप में रूपांतरित हो जाएगा। इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए मंगलवार तक गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि यह तूफान उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए 28 अक्टूबर की सुबह तक एक प्रचंड चक्रवाती तूफान में परिवर्तित हो सकता है।

पाकिस्तान सरहद पर 39 से बड़ा युद्धाभ्यास

एजेंसी

जैसलमेर। राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 13 दिन अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास होगा। आर्मी, एयरफोर्स और नौसेना के 30 हजार जवान थार में जॉइंट एक्सरसाइज करेंगें। इस युद्धाभ्यास को महागुजराज नाम दिया गया है।करीब 13 दिन चलने वाली एक्सरसाइज की शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी। इस युद्धाभ्यास के दौरान बॉर्डर कुछ एरिया में नो फ्लाई जोन भी रह सकता है। एक्सरसाइज जैसलमेर के एरिया से लेकर गुजरात के सर क्रीक इलाके तक होगी। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात दौरे के दौरान सर क्रीक सीमा विवाद की चर्चा की थी।

केंद्र सरकार का लक्ष्य 2047 तक लगभग 350 एयरपोर्ट्स बनाने का है : राममोहन नायडू

● टर्मिनल 2 (टी 2) 1.5 करोड़ यात्रियों को संभालने की वार्षिक क्षमता रखता है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने शनिवार को दिल्ली को इंटरनेशनल एविएशन हब में बदलने के प्लान पर मुहर लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य 2047 तक लगभग 350 एयरपोर्ट्स बनाने का है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट के रेनोवेटेड टर्मिनल 2 (टी 2) का उद्घाटन किया। यह रेनोवेटेड टर्मिनल 2 (टी 2) रविवार से यात्रियों के लिए शुरू हो होने जा रहा है। टी 2 को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने करीब 40 वर्ष

पहले बनाया था, वहीं रेनोवेशन काम के चलते यह टर्मिनल इस वर्ष अप्रैल से ही बंद था। टर्मिनल 1.5 करोड़ यात्रियों को संभालने की वार्षिक क्षमता रखता है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि अभी भारत में 164 एयरपोर्ट्स संचालन में हैं और सरकार 200 नए एयरपोर्ट जोड़ने का लक्ष्य रखती है। हालांकि, उन्होंने देश में अधिक से अधिक एयरक्राफ्ट को लाना एक बड़ी चुनौती बताया। केंद्रीय मंत्री नायडू ने एनडीटीवी प्रोफिट से एक खास बातचीत में कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट 120 मिलियन कैपेसिटी का टारगेट रखता है। अकेले टी2 के एक्सपेंशन से 15 मिलियन सीट एक्स्ट्रा कैपेसिटी पूरी होने की उम्मीद है।

छठ महापर्व सिर्फ पूजा नहीं, हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि सभी लोग स्वस्थ, सुख और समृद्धि का जीवन पाएं और यह महान परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी जारी रहे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा,'आप सभी पर छठी माता की कृपा बनी रहे। परिवार के लिए कठिन व्रत रखने

वाली माताओं और बहनों को मेरी तरफ से विशेष मंगलकामनाएं। जय छठी माता।' उन्होंने कहा, 'छठ महापर्व प्रकृति, श्रद्धा और अनुशासन का एक अनुपम संगम है। सूर्य उपासना के माध्यम से यह हमें जीवन में प्रकाश, ऊर्जा और संतुलन का संदेश देता है। यह पर्व सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। छठी मइया की कृपा से व्रती अपने संकल्प में सफल हों।' इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा, 'समस्त श्रद्धालुओं को सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की हार्दिक शुभकामनाएं। छठी मैया के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है।' उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने संदेश में लिखा, 'समस्त श्रद्धालुओं को सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय की हार्दिक शुभकामनाएं।' गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने भी छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं।

अहमदाबाद में रेव पार्टी का भंडाफोड़, 20 विदेशी और 2 भारतीय नागरिक हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात पुलिस ने बीती रात एक बड़े रेव पार्टी का भंडाफोड़ किया। इस मौके 20 विदेशी नागरिकों और 2 भारतीय नागरिक को हिरासत में लिया गया। बताया जा रहा है कि पार्टी स्थल से कई शराब की बोतले और अन्य सामान बरामद हुए है। बोपाल पुलिस ने बीती रात अहमदाबाद में चल रही एक रेव पार्टी पर छापेमारी की। पुलिस ने शिलाज इलाके के पास के एक फॉर्म में चल रही एक हाई-प्रोफाइल रेव पार्टी पर छापा मारा। इस दौरान 20 विदेशी नागरिकों और 2 भारतीय नागरिकों को हिरासत में लिया। पकड़े गए विदेशी नागरिकों में नाइजीरिया, केन्या और मोजाम्बिक के लोग शामिल थे।

विदेशी नागरिकों की रेव पार्टी

पुलिस के अनुसार ये लोग शराब और अन्य नशीले पदार्थों के नशे में पार्टी कर रहे थे। सभी आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस आगे की जाँच कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि रेव पार्टी के आयोजक कौन था और शराब कहाँ से आई थी।

मोतिहारी पुलिस ने घर में छापेमारी कर बड़ी संख्या में हथियारों का जखीरा बरामद किया

मोतिहारी (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर मोतिहारी पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस ने एक घर में कार्रवाई कर बड़ी संख्या में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ हैं। पुलिस ने इस मामले में एक दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रढिया गांव में एक घर में बड़ी संख्या में हथियार छिपाए गए हैं। इसी सूचना के आधार पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इसके बाद करीब 200 से अधिक पुलिसबल के साथ रढिया गांव स्थित उपेंद्र सिंह के घर पर छापेमारी की गई। चार घंटे तक चले तलाशी अभियान में वहां से पुलिस को एक कार्बाइन, एक राइफल, तीन पिस्टल, एक देसी कट्टा, सौ से अधिक गोलियां, दो लाख रुपए से अधिक नकदी और कई शराब की बोतलें मिलीं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उपेंद्र सिंह और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। उपेंद्र पिछले 20 वर्षों से कश्मीर में पेंटर का काम करता था और एक सप्ताह पहले ही घर लौटा था। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि हथियार रखने का मकसद क्या था? संभावना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जल्द पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। इधर, मोतिहारी के छौड़ादानो थाना अंतर्गत गुप्त सूचना के आधार पर एक हुंडी कारोबारी संजय कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है, जिनके घर से बड़ी मात्रा में भारतीय और नेपाली मुद्रा बरामद की गई है।

हिट-एंड-रन मामले में बुरी फंसी कन्नड़ अभिनेत्री दिव्या सुरेश, पुलिस जल्द बुलाएगी जांच के लिए

बेंगलुरु (एजेंसी)। कन्नड़ अभिनेत्री दिव्या सुरेश से जुड़े हिट-एंड-रन मामले में कुछ बात सामने आई है। बेंगलुरु के बयातारायणपुरा इलाके में 4 अक्टूबर को रात लगभग 1:30 बजे एक हिट-एंड-रन की घटना हुई। बताया जाता हैं कि कन्नड़ अभिनेत्री और बिग बॉस कन्नड़ की कंटेस्टेंट दिव्या सुरेश पर कार चलाने का आरोप है। बाइक पर यात्रा कर रहे तीन लोग घायल हुए। 34 वर्षीय अनीता को गंभीर चोटें आईं, उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ। किरण और अनुषा को मामूली चोटें आईं। वे अस्पताल जा रहे थे। कार ने बाइक को टक्कर मारी और चालक (कथित तौर पर दिव्या सुरेश) बिना रुके मौके से फरार हो गया, जबकि घायल मदद के लिए चिल्ला रहे थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। गवाहों और पुलिस जांच ने पुष्टि की है कि कार दिव्या सुरेश ही चला रही थीं। पुलिस ने भारतीय कानून की धारा 281 और 125(ए) और मोटर वाहन कानून की धारा 134(ए), 134(बी), और 187 के तहत एफआईआर दर्ज की है। दिव्या सुरेश इस समय शूटिंग में व्यस्त हैं, लेकिन पुलिस जल्द ही उन्हें पूछताछ के लिए बुलाएगी। जांच जारी है और आरोपी को जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा। अनीता को डॉक्टरों ने लंबे समय तक आराम की सलाह दी है। पीड़ित के परिवार का कहना है कि दिव्या सुरेश ने अभी तक उनसे कोई संपर्क नहीं किया है।

42 साल बाद 3000 लोगों के नरसंहार की रिपोर्ट विधानसभा में?

गुवाहाटी (एजेंसी)। 42 साल पहले असम में नेली नरसंहार की घटना हुई थी। इसमें लगभग 3000 लोगों की मौत हुई थी। यह रिपोर्ट 42 साल बाद अब विधानसभा के पटल में रखी जा रही है। इस घटना की जांच के लिए 1983 में जांच आयोग गठित किया गया था। आयोग ने में 1984 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सरकार ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया था। असम के मुख्यमंत्री विश्व शर्मा ने कहा है कि फोरेंसिक जांच के बाद रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि हो गई है। उस समय असम आंदोलन पूरे उफान पर था। अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में असम आ रहे थे। 1983 में हुए इस नरसंहार में 1800 लोगों की आधिकारिक रूप से मौत की पुष्टि की गई थी। लेकिन गैर आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 3000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। अगले साल असम में विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब यह जांच रिपोर्ट 42 साल बाद पेश की जा रही है। इसे अब क्यों पेश किया जा रहा है। इसको लेकर राजनीतिक हलचलें शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों को हवा देने के लिए यह रिपोर्ट जाहिर की जा रही है।

पुरी में रिश्ते हुए शर्मसार...16 वर्षीय नाबालिग से रिश्तेदारों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले के चंदनपुर इलाके में 22 अक्टूबर को एक सामूहिक दुष्कर्म का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की ने अपने कुछ दूर के रिश्तेदारों (चाचा और भाई) पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है। यह घटना 22 अक्टूबर को तब हुई जब पीड़िता अपनी छोटी बहन के साथ घर में सो रही थी और उसका परिवार देवी काली की मूर्तियों का विसर्जन जुलूस देखने गया था। पीड़िता ने परिवार के सदस्यों के लौटने पर अपनी मां को पूरी बात बात दी।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह होगा यादगार, आसमान में एयर शो तो जमीन पर सेना दिखाएगी करतब

गार्ड ऑफ ऑनर का नेतृत्व करेगी नारी शक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह बेहद खास और ऐतिहासिक होने जा रहा है। यह आयोजन एक तरह से कर्तव्य पथ पर होने वाली 26 जनवरी की परेड का छोटा रूप होगा, जिसमें देश की शौर्य परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन एक साथ दिखाई देगा।

इस भव्य आयोजन में बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ सहित तमाम केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों के मार्चिंग दस्ते भाग लेंगे। परेड में महिला कर्मियों की विशेष भागीदारी होगी। बीएसएफ के डीजी दलजीत सिंह चौधरी के अनुसार, इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी करेंगी, जो 'नारी शक्ति' का प्रतीक होगा।

परेड का मुख्य आकर्षण भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एयरक्राफ्ट टीम का शानदार एयर शो होगा, जो आसमान में तिरंगे रंगों की छटा बिखेरते हुए रोमांच का माहौल बनाएगा। वहीं, जमीन पर बीएसएफ और सीआरपीएफ के शौर्य चक्र एवं वीरता पदक विजेता जवान अपनी बहादुरी की झलक पेश करेंगे। परेड में शामिल होने वाले वीर जवानों में वे भी होंगे जिन्होंने देश की सीमाओं और नक्सल प्रभावित इलाकों में अपने साहस से मिशन को सफल बनाया।

इस साल पहली बार परेड में बीएसएफ का भारतीय नस्ल का डॉग दस्ता, गुजरात पुलिस का घुड़सवार दस्ता, असम पुलिस के मोटरसाइकिल डेयरडेविल्स, और ऊंट सवार बैंड हिस्सा लेंगे। बीएसएफ के डॉग दस्ते में देशी नस्ल के रामपुर और मुधोल हाउंड शामिल होंगे, जिनका नेतृत्व अखिल भारतीय पुलिस डॉग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त मुधोल हाउंड 'रिया' करेगी। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 10 आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की जाएंगी, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक होंगी। संस्कृति मंत्रालय के विशेष कार्यक्रम में 900 कलाकार भारतीय शास्त्रीय नृत्य का सामूहिक प्रदर्शन करेंगे, जो समारोह की भव्यता को और बढ़ाएगा। वहीं, एनसीसी कैडेट्स और स्कूल बैंड अपने आकर्षक प्रदर्शन से एकता और देशभक्ति की भावना को सजीव करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर वायु सेना की 'सूर्य किरण' टीम का एयर शो आसमान में देशभक्ति का रंग बिखेरते हुए समारोह को यादगार बनाएगा।

कुर्नूल बस हादसे में यात्री की शिकायत पर ड्राइवरों पर मामला दर्ज, तेज रफ्तार और लापरवाही का आरोप

कुर्नूल (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले में हुए भीषण बस हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस हादसे में 20 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने दो बस ड्राइवरों के खिलाफ लापरवाही और तेज रफ्तार में बस चलाने के आरोप में केस दर्ज किया है। घटना उलिंदकोंडा थाना क्षेत्र में हुई थी। बेंगलुरु जा रही एक प्राइवेट बस सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के नीचे फंस गई और कुछ ही पलों में उसमें भीषण आग लग गई। आग बस तक फैल गई, जिससे यात्रियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। बस में करीब 40 यात्री सवार थे, जिनमें से 19 यात्रियों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि बाकी लोग आग की लपटों में फंस गए। हादसे में मौके पर ही 20 लोगों की मौत हो गई और कई घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे से बचने वाले यात्री एन. रमेश की शिकायत पर उलिंदकोंडा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रमेश ने बताया कि बस चालक काफी तेज गति से वाहन चला रहे थे और कई बार यात्रियों ने उन्हें गति धीमी करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने बात नहीं मानी। पुलिस ने बताया कि बस और बाइक दोनों को जब्त कर लिया गया है, जबकि मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर राहत कार्य शुरू किया। बस में लगी आग पर काबू पाने में करीब दो घंटे लगे। घायलों को कुर्नूल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गहलोत ने कहा, कांग्रेस हाईकमान चाहता हैं, जिलाध्यक्षों पर निष्पक्ष फीडबैक उनके पास आए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने संगठन सृजन अभियान के तहत नए जिलाध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया में पसंदीदा नेताओं या अपने गुट के नेताओं की सिफारिश करने को लेकर तंज कस दिया है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान चाहता है जिलाध्यक्षों पर निष्पक्ष होकर असली फीडबैक हमारे पास आए। वह तभी आएगा जब कोई नेता पंचायती नहीं करें, पर्यवेक्षकों से सिफारिश नहीं करे, अपनी भावना उन्हें नहीं बताएं। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि किसी भी गुट का जिलाध्यक्ष बने, लेकिन वहां सभी को साथ लेकर चले। दरअसल, राजस्थान के 48 जिलों के जिलाध्यक्ष के लिए पार्टी ने पैनल तैयार किया है। नए जिलाध्यक्षों का ऐलान नवंबर में हो सकता है।

गहलोत ने कहा कि कोई बात हैं, तब सीधे राहुल गांधी को बताएं, केसी वेणुगोपाल को बता दें। मैं फील करता हूं मेरे पास फीडबैक आया, तब उस पर कोई बात नहीं, लेकिन पर्यवेक्षकों से कोई बात नहीं करनी चाहिए। इसलिए मैंने पोस्ट किया कि प्रस्ताव पास नहीं होना चाहिए कि अमुक नेता को हम अधिकार देते हैं, वहां भी नहीं होना चाहिए। गहलोत ने कहा कि भरा पड़ा था राजस्थान हाउस, तब मैंने उन्हें समझाया। आप सब आए हो अच्छी बात है पर दिमाग में रखो, हम ईमानदारी से काम करना चाहते हैं, वफादार हैं पार्टी के। आप में से कोई बन जाओ, इस बात का कोई मतलब नहीं है। एक बार हाईकमान ने फैसला कर दिया, तो उसको कामयाब करने से ही कांग्रेस मजबूत होगी।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग का दफ्तर सातों दिन 24 घंटे खुला रहेगा, एसआईआर की तैयारी तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की तैयारी तेज हो गई है। चुनाव आयोग ने संकेत दिए हैं कि 1 नवंबर से राज्य में एसआईआर शुरू किया जाएगा। इसके लिए सभी जिला चुनाव अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) ने सभी जिलाधिकारियों और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पत्र भेजकर कहा है कि एसआईआर से जुड़े सभी लंबित कार्य शीघ्र निपटाए जाएं। बताया जा रहा है कि आयोग की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पश्चिम बंगाल का मुख्य निर्वाचन कार्यालय अब सप्ताह के सातों दिन, 24 घंटे खुला रहेगा। इसके साथ ही एसआईआर में तैनात कर्मचारियों को हर समय कार्यालय में उपलब्ध रहने का आदेश दिया गया है ताकि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में किसी भी तरह की देरी न हो।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन निर्देशों के तहत हर जिला चुनाव अधिकारी को अपने कार्यालय में एसआईआर से जुड़ी शिकायतों और प्रश्नों के समाधान के लिए एक विशेष हेल्प डेस्क स्थापित करनी होगी। इसके अलावा, एसआईआर की औपचारिक घोषणा के अगले दिन एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी। यह बैठक राज्य स्तर पर मुख्य चुनाव अधिकारी और जिला स्तर पर जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजित होगी। इन बैठकों में राजनीतिक दलों के सुझाव लिए जाएंगे और बैठक की रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजी जाएगी।

गौरतलब है कि गुरुवार को निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने उन पांच राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से बातचीत की है, जहां अगले वर्ष विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इनमें असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। आयोग ने राज्यों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित दो दिवसीय समीक्षा बैठक के दौरान आयोग ने सभी राज्यों के सीईओ को एसआईआर से जुड़ी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने को कहा है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची अद्यतन कार्य के साथ ही बूथवार सत्यापन, नए मतदाताओं

का पंजीकरण और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। चुनाव आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची पूरी तरह से अद्यतन और त्रुटिरहित हो, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके।

ऑनलाइन यौन शोषण पर सरकार हुई सख्त, तुरंत हटाना होगा आपत्तिजनक कंटेंट

-पीड़ितों को कानूनी और मानसिक मदद मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन यौन शोषण के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब किसी व्यक्ति की सहमति के बिना साझा की गई अंतरंग या निजी तस्वीरों पर तुरंत कार्रवाई करनी होगी। नई व्यवस्था के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और पुलिस को शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर ऐसा आपत्तिजनक कंटेंट हटाना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि मद्रास हाईकोर्ट ने 22 अक्टूबर को सरकार द्वारा तैयार किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स को मंजूरी दी है। ये दिशानिर्देश पीड़ितों को न केवल कंटेंट हटाने का अधिकार देते हैं, बल्कि उन्हें यह भी सुनिश्चित करते हैं कि यदि वही सामग्री दोबारा अपलोड की जाती है तो उन्हें तुरंत अलर्ट किया जाए। नई गाइडलाइंस के तहत, पीड़ितों को कानूनी सहायता और मनोवैज्ञानिक परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा ताकि वे मानसिक रूप से संभल सकें। यह पहल अदालत के अगस्त 2025 के उस निर्देश के बाद की गई है जिसमें हाईकोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से पूछा था कि अगर किसी की निजी तस्वीरें या वीडियो ऑनलाइन लीक हो जाते हैं, तो पीड़ित को राहत पाने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए?

शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। अब पीड़ित सीधे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के 'एब्यूज' या 'रिपोर्ट' बटन के जरिए शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा वे प्लेटफॉर्म्स के ग्रिवांस ऑफिसर, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) या स्थानीय पुलिस थाने में भी रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। यदि किसी को किसी भी स्तर पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं मिलती, तो वे ऑनलाइन ग्रीवेंस अपीलेट कमेटी (जीएसी) में अपील कर सकते हैं। कंटेंट को दोबारा अपलोड होने से रोकने के लिए तकनीकी उपाय भी किए गए हैं। सोशल मीडिया कंपनियों और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स को अब 'क्रेव्लर्स' और 'हेश-मेचिंग' तकनीकों का इस्तेमाल करना होगा। ये तकनीकें इंटरनेट पर आपत्तिजनक तस्वीरों और वीडियोज़ की पहचान उनके डिजिटल फिंगरप्रिंट (हेश) से करती हैं। साथ ही, प्लेटफॉर्म्स को हटाई गई सामग्री के डिजिटल हैश को मीटवाय के 'सहयोग पोर्टल' और गृह मंत्रालय के साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4सी) के साथ साझा करना होगा ताकि ऐसी सामग्री भविष्य में कहीं और दोबारा न डाली जा सके।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का शक: उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर साधा निशाना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा की चार सीटों के लिए हुए चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने तीन सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भारतीय जनता पार्टी पर जमकर बरसे। भाजपा के पास विधानसभा में केवल 28 विधायक हैं, फिर भी उसके एकमात्र सफल उम्मीदवार और राज्य इकाई प्रमुख सत शर्मा को 32 वोट मिले। उमर ने सवाल उठाया कि अतिरिक्त चार वोट कहां से आए? उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके किसी विधायक ने क्रॉस वोटिंग नहीं की और उनके चुनावी एजेंटों ने सभी मतपत्रों की पर्चियां ध्यान से जांच लीं। तीन वोट रद्द घोषित किए गए थे, जिनमें मतदाताओं ने गलत वरीयता संख्या दर्ज की थी। उमर ने तीखे लहजे में कहा कि जिन विधायकों ने यह खेल खेला, उन्होंने बीजेपी के लिए अपनी आत्मा बेच दी, लेकिन खुलकर यह स्वीकार करने की हिम्मत भी नहीं दिखा पा रहे।

बीजेपी ने राज्यसभा की सभी चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इनमें सत शर्मा, अली मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और एक अन्य शामिल थे। परिणाम में सिर्फ सत शर्मा ही जीते। नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी मोहम्मद को 58 वोट, सज्जाद किचलू को 57 वोट मिले, जबकि तीसरे उम्मीदवार जीएस ओबेरॉय उर्फ शमी ओबेरॉय और नबी डार ने भी भारी मतों से जीत हासिल की। बीजेपी के अन्य उम्मीदवारों को सिर्फ 28-28 वोट ही मिल पाए। अटकलें लगाई जा रही हैं कि निर्दलीय विधायकों ने बीजेपी को समर्थन दिया, जबकि उन्होंने चुनाव से पहले एनसी का खुला समर्थन करने का वादा किया था। उमर ने कहा कि यह विश्वासघात है और लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है।

एनसी नेता इमरान नबी डार ने बीजेपी पर सीधे वोट खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी कभी ईमानदारी से चुनाव नहीं लड़ती और यह एक बार फिर साबित हो गया। जब उसके पास सिर्फ 28 विधायक हैं, तो 32 वोट कैसे मिल गए? दूसरी ओर, सत शर्मा ने सफाई दी कि चार विधायकों ने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी और बीजेपी का साथ दिया। उन्होंने इसे जनादेश बताया। यह विवाद जम्मू-कश्मीर की नाजुक राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना रहा है। क्षेत्र में एनसी की मजबूत पकड़ है, लेकिन क्रॉस वोटिंग के आरोपों ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि निर्दलीय विधायकों की भूमिका पर जांच होनी चाहिए। उमर का गुस्सा एनसी कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है, लेकिन यह मामला चुनावी पारदर्शिता, नैतिकता और विश्वास पर गहरी बहस छेड़ रहा है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और खुलासे हो सकते हैं।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का खतरा बढ़ा, छठ पर बिहार में भी हो सकती है झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का खतरा मंडरा रहा है। शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बने निम्न दबाव क्षेत्र के 27 अक्टूबर तक तूफान में बदलने की आशंका है। 'मोंथा', जिसका थाईलैंड में अर्थ 'सुगंधित फूल' है, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और तमिलनाडु में भारी बारिश ला सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 27-31 अक्टूबर तक अलर्ट जारी किया। छठ पर्व के दौरान बिहार में रुक-रुककर बारिश से घाटों पर फिसलन और जलजमाव की समस्या हो सकती है। सरकार ने सतर्कता और तैयारियों के निर्देश दिए हैं।

भुवनेश्वर आईएमडी निदेशक मनोरमा मोहंती ने बताया कि प्रणाली पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ रही है। ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में 27-29 अक्टूबर को बहुत भारी बारिश (115.6 मिमी से अधिक) होगी। बिहार में पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा जैसे जिलों में हल्की-मध्यम बारिश संभव है। छठ व्रतियों को छाता और जलरोधक जूते रखने की सलाह दी गई। अंडमान-निकोबार में 25-26 अक्टूबर को भारी वर्षा, सिक्किम और पूर्वोत्तर में 29-30 अक्टूबर तक असर रहेगा। अरब सागर में भी दबाव सक्रिय है।

उत्तर-पूर्वी मॉनसून ने तमिलनाडु में कहर बरपाया है। कावेरी डेल्टा में फसलें बर्बाद हुईं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राहत कार्य तेज करने के आदेश दिए। विपक्ष ने धान भंडारों के भीगने पर लापरवाही का आरोप लगाया। केंद्र ने एफसीआई टीम भेजी, जो नमी सीमा 17 से 21 प्रतिशत करने का आकलन करेगी। केरल में भारी बारिश से पेड़ और बिजली तार गिरे, जिससे घर और वाहन क्षतिग्रस्त हुए। आठ जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। जलभराव और नदियों का बढ़ता जलस्तर चिंता का विषय है। बिहार में 27-31 अक्टूबर को तापमान 2-3 डिग्री गिरेगा। न्यूनतम 20-22 डिग्री, अधिकतम 32-36 डिग्री। ओडिशा में 28-29 अक्टूबर को तूफान तट से टकरा सकता है, जिससे बाढ़ का खतरा है। एनडीआरएफ टीमें तैनात हैं। किसानों को फसल बचाने की सलाह दी गई। दीवाली-छठ के बीच यह तूफान चुनौती है, लेकिन पूर्व चेतावनी से नुकसान कम होगा।

चुनाव के दौरान उम्मीदवारों की इन गलतियों के कारण आयोग रदद कर देता हैं उनका नामांकन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में कई उम्मीदवारों के नामांकन रद्द हुए हैं। चुनाव आयोग की जांच में इनके दस्तावेज में कई बड़ी गलतियां सामने आई है। बिहार में मोहनिया विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन की उम्मीदवार श्वेता सुमन, सुगौली विधानसभा सीट से राजद विधायक शशि भूषण सिंह, लोजपा आर की छपरा मढौरा सीट से प्रत्याशी सीमा सिंह सहित कई अन्य उम्मीदवारों का नामांकन रद्द हो चुका है। इसलिए इस रिपोर्ट में जानते हैं आखिर किन वजहों से उम्मीदवारों का नामांकन रद्द हो जाता है

दरअसल नामांकन पत्र या जरूरी दस्तावेज समय पर जमा नहीं किए गए, नामांकन पत्र उम्मीदवार या प्रस्तावक की जगह किसी और ने जमा किया, नामांकन पत्र पर उम्मीदवार या प्रस्तावक के हस्ताक्षर का मिलान नहीं हो पाना, नामांकन के लिए प्रस्तावकों की संख्या पूरी नहीं है, उम्मीदवार उस वर्ग से नहीं है जिसके लिए सीट आरक्षित की गई है, प्रस्तावक उस विधानसभा क्षेत्र का मतदाता नहीं है, उम्मीदवार ने नामांकन के साथ निर्धारित प्रारूप में हलफनामा नहीं दिया, हलफनामे में कॉलम खाली छोड़े गए और नोटिस के बाद भी नया हलफनामा नहीं दिया, उम्मीदवार उस क्षेत्र का मतदाता नहीं, उम्मीदवार ने अपने नाम वाली मतदाता सूची की प्रमाणित प्रति या अंश नहीं लगाया प्रमुख कारण है।

चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, एक बार नामांकन रद्द होने पर, उम्मीदवार की उम्मीदवारी को तुरंत बहाल नहीं हो सकती है। लेकिन, इसतरह के उम्मीदवार के पास दो कानूनी विकल्प मौजूद होते हैं। पहला विकल्प है, पुनर्विचार याचिका दायर करना। इस याचिका के माध्यम से उम्मीदवार चुनाव आयोग के सामने यह साबित करने की कोशिश कर सकता है कि उसका नामांकन रद्द करने की प्रक्रिया में कोई गलती हुई थी या यह अनुचित था। यदि चुनाव आयोग को लगता है कि यह गलती मामूली थी, तब वह अपने फैसले की समीक्षा कर सकता है। दूसरा विकल्प न्यायिक अपील का होता है। इसके तहत, उम्मीदवार हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल कर सकता है। यह प्रक्रिया थोड़ी लंबी हो सकती है और चुनाव की समय-सारणी को प्रभावित नहीं करती है।

सीमा सिंह को मिला था त्रुटि सुधारने का मौका

निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक चिराग पासवान की पार्टी की उम्मीदवार सीमा सिंह को त्रुटि सुधारने का मौका दिया गया था, लेकिन वह समय पर संशोधित फॉर्म जमा नहीं कर सकीं। इस कारण रिटर्निंग ऑफिसर ने नियमानुसार उनका नामांकन खारिज किया। अगर नाम या पते में मामूली वर्तनी की गलती है, तब चुनाव आयोग इस गलती को सुधारने का मौका दिया जा सकता है।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

अवैध गोदाम में लगी भीषण आग, छज्जा गिरने से पांच दमकलकर्मी घायल

कौमी पत्रिका

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की शाम तीन मंजिला मकान में बने अवैध फोटो फ्रेम गोदाम में आग लग गई। आग बुझाते समय मकान का छज्जा गिर गया। इसमें पांच दमकलकर्मी घायल हो गए। करीब चार घंटे में दमकलकर्मी आग पर काबू पा सके। गोदाम में फंसे पांच कर्मचारियों में से एक मामूली रूप से झुलस गया, जबकि अन्य चारों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना अलीगंज सेक्टर क्यू के उस्मानपुर गांव की है। यहां स्थित तीन मंजिला मकान में अमरजोत सिंह का फोटो फ्रेम का गोदाम है। यहां फोटो फ्रेम बनते भी हैं। शाम करीब 6:30 बजे गोदाम में काम चल रहा था। तभी अचानक आग लगने से वहां काम कर रहे पांच कर्मचारी फंस गए। वे मदद के लिए चीख पुकार मचाने लगे। घटना से मोहल्ले में अफरा तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने तलों को अपनी चपेट में ले लिया। किसी तरह से लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। घटना की जानकारी दमकल कर्मियों और अलीगंज पुलिस को दी गई। लोग भी बाल्टियों में पानी भर-भर कर आग बुझाने की कोशिश करने लगे। इस बीच जेसीपी एलओ बबलू कुमार, सीएफओ अंकुश कुमार मित्तल, एफएसओ प्रशांत कुमार टीम और दो गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंच गए। आग की विकरालता को देखते हुए एफएसओ ने दमकल की और गाड़ियां मंगवाईं। कुछ ही देर में अलग-अलग फायर स्टेशनों से दमकल की आठ गाड़ियां और आ गईं। सीएफओ ने बताया कि आग फैलने की आशंका को देखते हुए दमकलकर्मी मकान के पास बने गर्ल्स हॉस्टल पहुंचे। वहां रह रहीं 15 लड़कियों को आनन-फानन बाहर निकाला। इस बीच हॉस्टल में रह रहीं मैम रेहाना के

कमरे को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया। लपटें घरों को चपेट में न ले लें, इसलिए उन्हें खाली कराया गया। वहीं, धुएं के गुबार के कारण सांस लेने में समस्या होने पर दमकल कर्मियों ने बीआर सेट पहना और तीन टीमों में बंटकर आग पर काबू पाने लगे। राहत कार्य चल ही रहा था कि तभी मकान का छज्जा भरभराकर फायरमैन महेंद्र कुमार बिंद, गंगामणि सिंह, फायर मैन अशोक कुमार, रजनीश व सुनील कुमार के ऊपर गिर गया। इससे स्थिति और बिगड़ गई। आनन-फानन दमकल कर्मियों और पुलिस ने मलबा हटाकर घायलों को महानगर स्थित भाऊराव देवरस अस्पताल पहुंचाया। दमकलकर्मी एक बार फिर आग पर काबू पाने में जुट गए। इस बीच दो बार फिर छज्जा गिर गया। मगर सभी बच गए। इस बीच ताबड़तोड़ धमाके होने लगे। धमक इतनी तेज थी कि लोग सिहर उठे। उनके घरों की खिड़कियों में लगे शीशे चटक गए। पुलिस ने लोगों को शांत कराया। करीब चार घंटे में दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। रेहाना के परिचित वैभव मिश्रा ने बताया कि आग लगने की सूचना उन्होंने दमकल टीम को दी थी। दमकल कर्मी समय रहते मौके पर आ भी गए थे। मगर, वह मकान तक नहीं पहुंच सके। क्योंकि मकान तक पहुंचने का रास्ता काफी संकरा था। सीएफओ ने बताया कि रास्ता संकरा होने के कारण दमकल कर्मियों को काफी समस्या हुई। जेसीपी एलओ के मुताबिक आशंका है कि गोदाम में आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। मामले की जांच की जाएगी। सीएफओ अंकुश मित्तल के मुताबिक हादसे में जख्मी दमकल कर्मियों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। अभी उनकी हालत सामान्य है। गोदाम में काफी मात्रा में प्लास्टिक फोटो फ्रेम रखे थे। इस कारण आग ने विकराल हो गई थी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर महिला कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य की कार ट्रक से टकराई,

आगरा। उत्तर प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा तथा पुष्टाहार मंत्री बेबीरानी मौर्य की सरकारी गाड़ी से शुक्रवार देर शाम आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर टायर फटने के कारण ट्रक से टकरा गई। यह घटना नसीरपुर थाना क्षेत्र में हुई है। जानकारी के मुताबिक मंत्री सुरक्षित हैं। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घटना रात 8 बजे करीब की है। मंत्री बेबीरानी मौर्य अपनी सरकारी गाड़ी से काफिले के साथ हाथरस से लखनऊ की ओर जा रही थीं। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर नसीरपुर क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 56 के पास बराबर से चल रहे एक तेज रफ्तार ट्रक का टायर फट गया। ट्रक की साइड मंत्री की गाड़ी से जोर से टकरा गई। गनीमत रही कि इस हादसे में मंत्री बेबीरानी मौर्य को कोई चोट नहीं आई। उनके सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल ट्रक को रोक लिया। सूचना मिलते ही नसीरपुर इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र सोलंकी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। एसपी देहात अनुज चौधरी ने बताया कि हादसे में कोई चोटिल नहीं हुआ है और मंत्री को दूसरी गाड़ी से उनके गंतव्य के लिए सकुशल रवाना कर दिया गया।

छठी मैया के गीतों से गूंजे नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशन, चलीं क्कबिहार-झारखंड के लिए 17 स्पेशल ट्रेन

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशन नई दिल्ली और आनंद विहार इन दिनों छठ महापर्व की रौनक में डूबे हुए हैं। ट्रेनों की आवाजाही के बीच अब स्टेशन पर छठी मैया के गीतों की गूंज सुनाई दे रही है। रेलवे की इस पहल ने न सिर्फ यात्रियों का मन मोह लिया है, बल्कि घर लौटने वाले लोगों के लिए यह पल भावनाओं से भरा अनुभव बन गया है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जहां यात्रियों का तांता लगा हुआ है, वहीं छठ के लोकगीतों %अंगना में जीजी संग मौसी और पहले-पहले छठ मैया कइलीय व्रत तोहार,% ने माहौल को भक्तिमय बना दिया है। यात्री ट्रेन की प्रतीक्षा के दौरान इन गीतों पर झूमते और गुनगुनाते नजर आ रहे हैं। स्टेशन परिसर को पारंपरिक सजावट से सजाया गया है, ताकि यात्रियों को अपने घर जैसा माहौल मिल सके। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। रेलवे के अनुसार, पर्व के मद्देनजर अतिरिक्त ट्रेनों और कोचों की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों

को घर पहुंचने में दिक्कत न हो। वहीं, आनंद विहार टर्मिनल पर भी छठ पर्व की छटा कुछ कम नहीं है। स्टेशन पर भीड़ संभालने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा बढ़ाई गई है और यात्रियों के लिए अतिरिक्त हेल्प डेस्क लगाए गए हैं। यहां भी स्पीकरों से पारंपरिक छठ भजनों की गूंज सुनाई दे रही है, जिससे घर जाने की खुशी और बढ़ जाती है। महिलाओं और पुरुषों के चेहरों पर अपने गांव लौटकर घाट पर पूजा करने की उत्सुकता साफ झलकती है। कई यात्रियों का कहना है कि साल भर के बाद इस पर्व पर घर लौटना उनके लिए सबसे बड़ा सुख है। वहीं, कुछ लोगों ने कहा कि स्टेशन पर बजते भक्ति गीतों ने घर की यादें ताजा कर दी हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि दोनों स्टेशनों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, ताकि यात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित माहौल मिल सके। इस तरह नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशन पर छठ पर्व का उल्लास राजधानी में आस्था और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम बन गया है। हर साल छठ पर घर जाना सबसे बड़ी खुशी होती है। इस बार स्टेशन पर छठी मैया के गीत सुनकर लगा जैसे गांव का माहौल यहीं आ गया हो। -काव्या, यात्री, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन रेलवे ने छठ पर्व पर बेहतरीन इंतजाम किए हैं। भीड़ ज्यादा है, लेकिन माहौल बहुत भक्ति से भरा है। छठ के गीत सुनकर थकान भी दूर हो जाती है। -कृष्णा तिवारी, यात्री, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तरी रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ा दी है। छठ पर्व पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए शुक्रवार को 17 विशेष ट्रेन सेवा विभिन्न मार्गों पर शुरू की गई। इनके संचालन से दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पंजाब और हरियाणा के यात्रियों को राहत मिलेगी। रेलवे के अनुसार, आनंद विहार टर्मिनल, नई दिल्ली, अमृतसर, जालंधर, लुधियाना और फिरोजपुर से पटना, दरभंगा, सहरसा, कटिहार, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गोरखपुर और सीतामढ़ी सहित कई गंतव्यों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई गई। इनमें प्रमुख रूप से आनंद विहार-दरभंगा, नई दिल्ली-दरभंगा, नई दिल्ली-गोरखपुर, आनंद विहार-भागलपुर, सीतामढ़ी-आनंद विहार शामिल है। ये ट्रेनें अलग-अलग समय पर रवाना होंगी और रास्ते में प्रमुख स्टेशनों पर रुकेंगी।

आस्था का संगम: मोहाली में छठ पूजा मनाने की तैयारियाँ जोरों पर

मोहाली, 25 अक्तूबर। श्री रामलीला एवं दशहरा कमेटी, फेज़-1, मोहाली की आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी छठ महापर्व को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी 27 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक छठ पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा। कमेटी के प्रधान आशु सूद ने बताया कि छठ महापर्व आस्था, शुद्धता और लोक संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्री रामलीला एवं दशहरा कमेटी न केवल रामलीला मंचन तक सीमित रहती है, बल्कि वर्षभर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता और सद्भाव ध्यान रखा जाएगा। कमेटी ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने परिवार सहित यहाँ आयोजित छठ पूजा में शामिल हों और सामूहिक रूप से सूर्य देव की आराधना का पुण्य लाभ प्राप्त करें। आज की बैठक में सिकंदर राणा,

का संदेश देती है। उन्होंने यह भी बताया कि समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष छठ घाट की व्यवस्था की जा रही है, जहाँ स्वच्छता, सुरक्षा और सभी आवश्यक सुविधाओं का पूरा दिनेश, प्रदीप, पुनीत, प्रिंस मिश्रा, जसबीर सिंह और अमित वर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए और सहयोग का आश्वासन दिया।

आनंद विहार नमो भारत स्टेशन को आईजीबीसी प्लेटिनम रेटिंग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) को आनंद विहार नमो भारत भूमिगत स्टेशन के लिए इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) की प्लेटिनम रेटिंग से सम्मानित किया गया है। यह रेटिंग आईजीबीसी द्वारा दी जाने वाली सर्वोच्च मान्यता है, जो परियोजना की पर्यावरणीय सततता और हरित निर्माण प्रथाओं को दर्शाती है। आईजीबीसी की ग्रीन मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम रेटिंग के तहत आनंद विहार नमो भारत भूमिगत स्टेशन का मूल्यांकन छह श्रेणियों साइट चयन, जल और ऊर्जा दक्षता, सामग्री संरक्षण, आंतरिक पर्यावरण गुणवत्ता, तथा डिजाइन नवाचार में किया गया। इन सभी श्रेणियों में एनसीआरटीसी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एनसीआरटीसी ने इस परियोजना में कई हरित उपाय अपनाए हैं, जिनमें कम कार्बन निर्माण तकनीक, ऊर्जा-कुशल प्रणालियां, प्राकृतिक वेंटिलेशन, और वर्षा जल संचयन प्रणाली शामिल हैं। वायडक्ट के नीचे की लैंडस्केपिंग निर्माण और संचालन के दौरान कार्बन फुटप्रिंट घटाने में मदद करती है। संस्थान ने सभी स्टेशनों, डिपो और आरएसएस को आईजीबीसी के साथ पंजीकृत किया है। एनसीआरटीसी का लक्ष्य है कि इसकी 70त्न ऊर्जा आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी हों। अपनी सौर नीति के तहत, संगठन 15 मेगावाट पीक क्षमता की इन-हाउस सौर ऊर्जा उत्पादन योजना पर काम कर रहा है, जिसमें से 4.7 मेगावाट सौर ऊर्जा पहले से उत्पन्न की जा रही है।

बुजुर्ग कारोबारी को कार ने कुचला, मौत

नई दिल्ली। शाहबाद डेयरी इलाके में पार्क से टहल कर सड़क पार कर रहे 66 साल के बुजुर्ग कारोबारी को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर गए। करीब आधे घंटे के बाद वहां से गुजर रहे एक परिचित ने घायल अवस्था में देखकर पुलिस को सूचना दी। बुजुर्ग को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज की जांच में हादसे को अंजाम देने वाली होंडा अमेज कार का पता चला है। पुलिस कार मालिक से पूछताछ कर कार्रवाई कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 23 अक्तूबर को सरोज अस्पताल से सड़क हादसे में एक बुजुर्ग के घायल होने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां देखा कि रोहिणी सेक्टर 11 के रहने वाले 64 साल के राकेश अरोड़ा का इलाज चल रहा है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जहां कोई चश्मदीद नहीं मिला। छानबीन में पता चला कि सड़क पार कर रहे थे, तभी अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी। कार को एक नाबालिग लड़की चला रही थी, जो घटना के बाद कार समेत वहां से भाग गई। राकेश अरोड़ा पत्नी के साथ रोहिणी सेक्टर 11 में पहली मंजिल पर रहते थे। उनकी एक बेटी है, जिसकी शादी हो चुकी है। वह परिवार के साथ पटेल नगर में रहती है। राकेश अरोड़ा का संजय गांधी ट्रांसपोर्ट इलाके में ट्रांसपोर्ट का कारोबार था। राकेश अरोड़ा के दोस्त विनोद गर्ग ने बताया कि घटना के बाद वह करीब आधे घंटे तक सड़क पर पड़े रहे। किसी ने उनकी मदद नहीं की।

बदमाश को मारने आए हमलावरों ने दो महिलाओं पर किया चाकू से हमला, एक की मौत

नई दिल्ली। आदर्श नगर में बृहस्पतिवार रात हमलावरों ने दो महिलाओं पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को पास के अस्पताल में लेकर गई। जहां डॉक्टरों ने 30 साल की निर्मला उर्फ बंगालन को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी महिला फिरोजी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वह बयान देने की हालत में नहीं है। पुलिस ने हत्या व हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की और सीसीटीवी की मदद से एक नाबालिग समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात 9:30 बजे आदर्श नगर थाने की पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान बीट स्टाफ को सब्जी मंडी ट्रांसपोर्ट पार्किंग क्षेत्र के पास एक महिला घायल अवस्था में पड़ी मिली, उसके शरीर पर चाकू के घाव थे। वहीं, पास ही एक अन्य महिला फिरोजी भी घायल अवस्था में पड़ी मिली। पुलिस ने दोनों महिलाओं को बाबू जगजीवन राम लेकर गई। जहां एक महिला निर्मला को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी का इलाज चल रहा है। वह बयान देने की हालत में नहीं थी। इनके पास से मिले पहचान पत्र के जरिये पता चला कि दोनों खजूरी खास इलाके की रहने वाली है। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले जालसाजों के तीन मददगार गिरफ्तार

नई दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट कर लोगों से ठगी करने वाले जालसाजों के तीन मददगार को पश्चिम जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों को जिला साइबर सेल ने गुजरात और झारखंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी कमिशन पर जालसाजों को अपना बैंक खाता मुहैया करवाते थे, जिसमें ठगी की रकम डाली जाती थी। बाद में आरोपी अपना कमीशन लेकर जालसाजों को पैसा ट्रांसफर कर देते थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर ठगी के गैंग का पर्दाफाश करने में जुटी है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि 19 जुलाई को पेशे से नर्सिंग अधिकारी देबजानी दास चौधरी ने पश्चिम जिला साइबर सेल में ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि जालसाजों ने व्हाट्सएप कॉल किया। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर उनका नाम नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग में आने की बात कही। जांच के बहाने आरोपियों ने उन्हें व्हाट्सएप पर वीडियो निगरानी में रखा और उनके बैंक खाते की जानकारी लेकर धोखे से उनके खाते से सात लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक विकास बुलडक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उन बैंक खातों की जांच की, जिसमें रकम डाली गई थी। जांच में पता चला कि ठगी की राशि का 30 फीसदी झारखंड स्थित मुथूट गोल्ड लोन खाते में और 70 फीसदी गुजरात के सुरेंद्रनगर स्थित भारतीय स्टेट बैंक के खाते में ट्रांसफर किया गया है। पुलिस ने इन बैंक शाखा के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें पता चला कि आरोपी ने चेक के जरिए खाते से पैसे निकाले हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने झारखंड और गुजरात में छापे मारे। पुलिस ने झारखंड से जितेंद्र कुमार और गुजरात से शोएब भाई मुल्तानी और असलम भाई मुल्तानी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी जालसाजों के लिए कमीशन पर म्यूल खाते खोलने, धन निकालने और धन हस्तांतरित करने में शामिल हैं। आरोपियों ने बताया कि ठगी के एक मामले में उन्हें रकम की दो से चार फीसदी कमीशन के तौर पर दिया जाता था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शोएब मुल्तानी गुजरात में एक ट्रैक्टर कंपनी में सेल्समैन का काम करता था, वहीं असलम भाई मुल्तानी गुजरात में एक डेयरी फार्म चलाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल और पांच सिम कार्ड बरामद किए हैं।

NAME CHANGE

I Sanjeev Kumar Garg s/o chhabil das garg r/o h.no 3Aindira park ext.street no 1chander Nagar delhi 110051 inform that I have changed my name from Sanjeev Kumar to Sanjeev Kumar garg for all purposes .Sanjeev Kumar and Sanjeev Kumar garg is same and one person

NAME CHANGE

I, RAJESH KEERTHY, S/O LATE SHRI NINTHASTALATH VENKETESWARAN KEERTHY R/O A-2/208, LIG Flats, Paschim Vihar, New Delhi-110063, I HAVE CHANGED MY FATHER NAME FROM NAMBIATH VALUADHAN KEERTHY TO NINTHASTALATH VENKETESWARAN KEERTHY PERMANENTLY.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Upendra Kumar Singh** is the purchasing of Built-up property no. RZ-C-134, Back Side, area measuring 50 sq. yds., out of khasra no. 15/3, Situated in the revenue estate of village Mirza Pur, abadi known as Mahavir Enclave, New Delhi & colony known as Vijay Enclave, Delhi from Mrs. Budha Devi who is the owner of abovementioned property vide Notarized GPA, Notarized ATS, Deed of WILL dated 04.10.2004 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC INFORM THAT MY CLIENT SHRI SHABBIR AHMED S/O BASHEER AHMED, R/O P-173, BASTI KHAWAZA, MEER DARD, NEAR ZAKIR HUSSAIN COLLEGE, MINTO ROAD, DARYA GANJ, NEW DELHI-110002, HAS SERVERED ALL RELATIONS WITH HIS SON NAMELY SAMAR KHAN AYSHA PARVEEN WIFE OF SAMAR KHAN AND THEIR CHILDREN (1) MADHIHA SAMAR (2) UROOJ SAMAR, AND HAS DEBARRED AND DISOWNED THEM FROM ALL HIS MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES ABSOLUTELY AND FOREVER. ANY BODY DEALING WITH THEM SHALL DO SO AT HIS OWN COST AND RISK.

ABHINAY GUPTA ADVOCATE
4/7, SR-III, Office Campus
Asaf Ali Road, New Delhi

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Ms. Deepali Sharma & Mr. Vikas Sharma** are purchasing of Plot of land area measuring 50 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 261 Min, situated in the Eastern Jawahar Nagar, in the area of village Behta Hazipur, Pargana & Tehsil Loni, District Ghaziabad (U.P) from Mrs. Varsha who is the owner of abovementioned property vide Sale Deed dated 11-01-2021and Intend to mortgage the said property with **Utkarsh Small Finance Bank. That the Death Certificate & SMC Of Late Mr. Bhagwan Sharma Shastri is not available.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 14 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that my client Mrs. Rekha Gupta who is the owner of Property as Residential DDA Built up Janta Flat bearing No. B-IV/55-B, on First Floor, Situated in the layout plan of Lawrence Road, Residential Scheme Presently known as Keshav Puram, Delhi-110035 has lost Special Power of Attorney dated 14.06.2021 in favour of Mr. Ramnshu Sharma, In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 10 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there .is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.

DR. RAJESH K GUPTA Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
8882766856,
rlegalloan@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भारत, पुत्र स्व. श्री संजय कुमार एवं श्रीमती माधुरी, तथा सुश्री चेतना चंदवाणी एवं सुश्री कोमल के भाई हैं। श्री भारत को परिवार की चल एवं अचल संपत्तियों से उसका पूरा और अंतिम हिस्सा दे दिया गया है। अतः अब उसका श्रीमती माधुरी या परिवार के किसी अन्य सदस्य की किसी भी संपत्ति पर कोई अधिकार, स्वामित्व या दावा नहीं है। यह भी सूचित किया जाता है कि श्री भारत के निरंतर आपराधिक एवं अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त होने और परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाने वाले आचरण के कारण परिवार ने उससे सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं। साथ ही, यह स्पष्ट किया जाता है कि परिवार का श्री भारत की पत्नी श्रीमती अनजली से भी किसी प्रकार का कोई संबंध या सरोकार नहीं है, तथा परिवार उसके किसी भी कार्य, कथन, व्यवहार या दावे के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। अब से श्रीमती माधुरी, सुश्री चेतना चंदवाणी एवं सुश्री कोमल श्री भारत या उसकी पत्नी श्रीमती अनजली के किसी भी कृत्य, आचरण, वित्तीय लेनदेन या देनदारी के लिए किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं होंगी। यदि कोई व्यक्ति या संस्था श्री भारत या उसकी पत्नी श्रीमती अनजली से किसी प्रकार का व्यवहार या लेनदेन करती है, तो वह अपने स्वयं के जोखिम और जिम्मेदारी पर करेगी। यह सूचना जनहित में जारी की जा रही है ताकि सभी को ज्ञात हो कि परिवार का अब श्री भारत या उसकी पत्नी श्रीमती अनजली से किसी भी प्रकार का कोई संबंध या जिम्मेदारी नहीं है।

हस्ताक्षरित
श्रीमती माधुरी
(श्री भारत की माता)
पता- मकान संख्या 1045/69, प्लॉट संख्या (पुराना नं. 96),
खसरा नं. 248, 249, तीसरी मंज़िल,
गली नं. 69, डी ब्लॉक, दिल्ली-110035

PUBLIC NOTICE

I Sunir Kaul S/o Bhushan Lal Kaul R/o 22198/ Tower 26, Mahagun Mywoods, Greater Noida Extension, Near Manthan School Greater Noida, PO: Greater Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201308 have changed the name of my minor Daughter Ridhi Kaul aged 13 years and she shall hereafter be known as RIDHIMA KAUL.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री रामू शर्मा पुत्र महेन्द्र शर्मा निवास क्क-13 विकास विहार उत्तम नगर दिल्ली 110059 ने अपने बड़े पुत्र मनीष शर्मा को उसके द्वारा किये जाने वाले परिवार के प्रति उसकी उपेक्षा के कारण उसको अपने चल-अचल सम्पति से बेदखल कर अपने समस्त पारिवारिक संबंध विच्छेद कर लिये है। उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिये मेरा मुवक्किल जिम्मेदार नहीं है

पंकज कुमार गुप्ता (अधिवक्ता)
चैम्बर -705, द्वारिका कोर्ट,
नई-दिल्ली-110075

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Ghanshyam is the purchasing of Built-up property no. RZ-L-232, area measuring 43 sq. yds., out of total area measuring 200 sq. yds., out of khasra no. 10/15, Situated in the area of village Mirzapur, Delhi & colony known as Vijay Enclave, Delhi from Mrs. Suman Lata W/o Mr. Ravi Kumar who is the owner of abovementioned property vide Notarized GPA, Notarized ATS, Deed of WILL dated 04.01.2012 and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

प्रारूप

कार्यालय लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पण्डरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.) Email: Lspsskm@gmail.com

// ई-निविदा सूचना // Contact No. 07987900070, 09907575796

ई-निविदा सूचना कमांक- 178135, 178136, 178137, 178138, 178139, 178140 **दिनांक-** 25.10.2025

2500 टी.सी.डी. शक्कर कारखाना पण्डरिया में ई-निविदा सूचना कमांक - 178135 (जे.सी.बी. किराया) कमांक - 178136 (हमाली), कमांक - 178137 (चूना, सल्फर फिडिंग कार्य) कमांक - 178138 (सायलो सिस्टम संचालन), कमांक - 178139 (केमिकल्स सामाग्री मेन्युफेक्चरर/एथोराईज्ड), कमांक - 178140 (इंजी. एथोराईज्ड एवं इंजी. नॉन एथोराईज्ड सामाग्री) कार्य/कय हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर अलग-अलग ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311/- रू. (1000/-रू. + 311/-रू. चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म Upload किया जाना हैं।

निविदा की शर्तें व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.Lspssk.in में भी अवलोकन कर सकते हैं।

महाप्रबंधक (प्रशा.)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुहैल पुत्र तहशीर निवासी हनुमान मंदिर के पास, केला गोदाम, लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र. ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 362/2021 भा.द.सं. की धारा 380/411/457 के तहत, थाना जाफराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **सुहैल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **सुहैल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 362/2021 भा.द.सं. की धारा 380/411/457 के तहत, थाना जाफराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुहैल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.12.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आयुषी सक्सेना
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05, कमरा नं. 07
कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/14138/NE/2025

NAME CHANGE

I KAMAL AHMAD S/O MOHD SHAFI R/O O-30 3RD FLOOR BATLA HOUSE JAMIA NAGAR OKHLA DELHI-110025, have changed my name to KAMAL AHMAD KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I SHAHNAWAZ S/O SAEED AHMED R/O H.N0-929 GALI N0-16 E-11, NEHRU VIHAR DAYALPUR DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME TO SHAHNAWAZ ALAM FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I SHAMNAWAZ S/O SAEED AHMED R/O H.N0-929 GALI N0-16 E-11, NEHRU VIHAR DAYALPUR DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME TO SHAHNAWAZ ALAM FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, Deen Mohammad s/o Nooruddin Qureshi R/o H No-12, Village Falandi, Mewat Nuh, Punhana, Haryana-122508 have changed my name to Deen Mohammad Nooruddin Qureshi for all future purposes

NAME CHANGE

I hitherto known as Manish Dadwal alias Manish Dudwal S/O Surinder Dadwal, R/O R/O H.No -2/396, 2nd Floor, Near Pishori Gurdwara, Subhash Nagar, Rajouri Garden S.O, West Delhi, Delhi - 110027, have changed my name and shall hereafter be known as Manish Dadwal.

NAME CHANGE

I, AJAYA KUMAR SINGH, S/O RAVINDRA PAL SINGH, R/O FLAT NO-506,TOWER-6, PYRAMID URBAN HOME-2, SECTOR-86, GURUGRAM, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO AJAY KUMAR SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

लोक अदालत में सहयोग व सौहार्द से निपटाएं जाते हैं मामलेः सीजेएम

एजेंसी

नारनौल। न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करवा सकता है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर भी फोन कर आमजन लोक अदालत व अन्य कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा नालसा के हेल्पलाइन नंबर 15100 पर भी कॉल कर कानूनी जानकारी ले सकते हैं।

सात नवंबर से होंगी नौवीं से 12वीं की अर्धवार्षिक परीक्षाएं

चंडीगढ़। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने राजकीय विद्यालयों में कक्षा नौवीं से 12वीं तक की अर्धवार्षिक परीक्षाओं की तिथि में बदलाव किया है। पहले अर्धवार्षिक परीक्षाएं 3 नवंबर से शुरू होनी थी, जोकि अब 7 नवंबर से शुरू होंगी। इसके साथ ही कक्षा 4 से 8वीं तक अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद छुट्टी नहीं होगी, बल्कि सामान्य दिनों की तरह ही स्कूल में पढ़ाई होगी। शिक्षा निदेशालय की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि पूर्व में जारी की गई तिथियों को निरस्त करते हुए नई तिथि के अनुसार परीक्षाएं आयोजित करने की हिदायत दी गई है। इसके साथ ही, 9वीं से 12वीं तक की अर्धवार्षिक परीक्षाओं की तिथि बदलाव के संशोधित शेड्यूल बारे अवगत कराया गया है। निदेशालय की ओर से स्पष्ट हिदायत दी गई है कि सभी विद्यालय प्रमुखों को संशोधित परीक्षा शेड्यूल बारे अवगत कराया जाए। इसके साथ ही निदेशालय की ओर से कक्षा 4 से 8 तक के छात्रों के लिए सत्र 2025-26 की अर्धवार्षिक परीक्षाओं को लेकर सभी मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षाओं के दौरान निर्धारित डेट शीट के अनुसार जिस दिन परीक्षा होगी, उस दिन विद्यार्थियों के लिए विद्यालयों में अवकाश नहीं रहेगा। परीक्षा समाप्त होने के बाद भी विद्यार्थियों की छुट्टी नहीं दी जाएगी। परीक्षा के बाद सामान्य शिक्षण कार्य जारी रहेगा।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों व पेंशनरों का तीन प्रतिशत डीए बढ़ाया

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए राहत भरी खबर दी है। वित्त विभाग ने एक आदेश जारी कर महंगाई भत्ता (डीए) और (डीआर) में तीन प्रतिशत की वृद्धि की है। अब यह दर 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई है। बढ़ी हुई दरें एक जुलाई 2025 से प्रभावी होंगी। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बढ़ा हुआ डीए और डीआर अक्टूबर-2025 के वेतन और पेंशन के साथ दिया जाएगा। वहीं, जुलाई से सितंबर 2025 तक का एरियर नवंबर 2025 में भुगतान किया जाएगा। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले रुपए तक राउंड किया जाएगा, जबकि 50 पैसे से कम को नजरअंदाज किया जाएगा। यह निर्णय राज्य सरकार के 7वें वेतन आयोग ढांचे के तहत वेतन और पेंशन प्राप्त करने वाले सभी कर्मचारियों, पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स पर लागू होगा। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संदर्भ में आदेश जारी किए हैं। इस संदर्भ में सरकार ने संबंधित अधिकारियों, एकाउंटेंट जनरल, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार वित्त सचिव और ट्रेजरी आदि विभाग को सूचित किया है। इससे पहले अप्रैल 2025 में हरियाणा सरकार ने डीए 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत किया था।

मुख्यमंत्री उड़न दस्ते का औचक निरीक्षण, 14 कर्मचारी मिले गैरहाजिर

रेवाड़ी। मुख्यमंत्री उड़न दस्ते की टीम ने बावल तहसील तथा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता टीम की इस छापामार कार्रवाई की सूचना लगने पर अन्य विभागों के कर्मचारियों में भी हड़कंप मच गया। टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान 14 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इस मौके पर रोडवेज जीएम निरंजन सिंह बतौर ड्यूटी मैजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री उड़न दस्ते की टीम इंस्पेक्टर सतेंद्र सिंह की अगुवाई में शुक्रवार सुबह बावल तहसील पहुंची, जहां पर छह स्थाई व दो एचकेआरएन कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जबकि खंड विकास कार्यालय में टीम ने कर्मचारियों के हाजरी रजिस्टर की जांच की तो उसमें छह कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इंस्पेक्टर सतेंद्र सिंह ने बताया कि अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को रिपोर्ट तैयार कर भेजी जाएगी।

राजस्थान के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण करेगी केंद्रीय विवि की टीम

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा राजस्थान के सवाई माधोपुर, उदयपुर और सिरोही जिलों में हाल ही में हुई भारी वर्षा और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का भौगोलिक सर्वेक्षण किया जाएगा। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य इन प्राकृतिक आपदाओं से जनजीवन, कृषि, आजीविका और पर्यावरण पर पड़े सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों का गहन अध्ययन करना है। विश्वविद्यालय परिसर से सर्वेक्षण दल को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ÷भौगोलिक सर्वेक्षण और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को जनहित में पूरा किया जा सकता है। यह अध्ययन विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान के साथ समाज से जोड़ने में सहायक सिद्ध

होगा।÷ इस मौके पर विश्वविद्यालय में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.सुनीता श्रीवास्तव भी मौजूद रही।भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एम. एल. मीणा ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल कक्षा शिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़कर यह सिखाना है कि समाज में शिक्षा का उपयोग कैसे किया जा सकता है। डॉ. सी.एम. मीणा और डॉ. खेराज के मार्गदर्शन में रवाना हुए इस अध्ययन दल में दो शोधार्थी प्रदीप कुमार और सुशीला तथा 44 विद्यार्थी शामिल हैं। टीम प्रभावित क्षेत्रों में जाकर स्थानीय निवासियों से साक्षात्कार, फोटोग्राफिक दस्तावेज़ीकरण और स्थल अवलोकन के माध्यम से डेटा एकत्र करेगी।

इसके अतिरिक्त, दल सैटेलाइट आधारित जीपीएस उपकरणों का उपयोग कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के स्थानिक आँकड़े एकत्र करेगा, जिससे भू-स्थानिक विश्लेषण अधिक सटीक रूप से किया जा सकेगा। यह अध्ययन न केवल आपदा प्रबंधन और पुनर्वास योजनाओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा, बल्कि भविष्य में सतत विकास नीतियों और भौगोलिक अनुसंधान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एसीबी ने पटवारी पर करोड़ों रुपये के सरकारी नुकसान का मामला दर्ज किया

एजेंसी

गुरुग्राम। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ष्टक्क), गुरुग्राम ने आज भ्रष्टाचार के मामले में तत्कालीन पटवारी हल्का सोहना, राय सिंह के विरुद्ध चालान दाखिल किया। मामला धारा 120-बी, 167, 218, 420 भा.द.स. एवं 13(1)डी/13(2) पी.सी. एक्ट 1988 के तहत माननीय न्यायालय गुरुग्राम में प्रस्तुत किया गया।पुलिस के अनुसार, जिला गुरुग्राम के गाँव रायसीना, सोहना, गवाल पहाड़ी में भू-माफिया और प्रभावशाली व्यक्तियों ने अरावली पहाड़ियों के हरे-भरे जंगलों की कटाई कर जमीन को लेवल किया। आरोपी पटवारी और गिरदावर की मिलीभगत से उस जमीन को गैर मुमकीन पहाड़ की बजाय गैर मुमकीन मूड में जमाबंदी में दर्शाकर तहसीलदार के साथ साजिश कर कई करोड़ रुपये में बेच दिया। इस भ्रष्टाचार से सरकार को कड़े वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा। इस संबंध में अभियोग संख्या 24 दिनांक 02.07.2025 के तहत मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

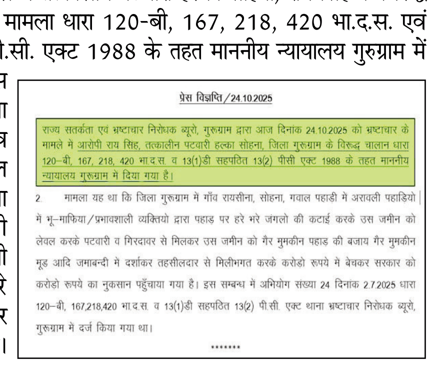

प्रेस विज्ञप्ति/24.10.2025

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम द्वारा आज दिनांक 24.10.2025 को भ्रष्टाचार के मामले मे आरोपी राय सिह, तत्कालीन पटवारी हल्का सोहना, जिला गुरुग्राम के विरूद्ध चालान धारा 120-बी, 167, 218, 420 भा.द.स. व 13(1)डी सहपठित 13(2) पीसी एक्ट 1988 के तहत माननीय न्यायालय गुरुग्राम मे दिया गया है।

2. मामला यह था कि जिला गुरुग्राम मे गाँव रायसीना, सोहना, गवाल पहाडी मे अरावली पहाडियो मे भू-माफिया/प्रभावशाली व्यक्तियो द्वारा पहाड पर हरे भरे जंगलो की कटाई करके उस जमीन को लेवल करके पटवारी व गिरदावर से मिलकर उस जमीन को गैर मुमकीन पहाड की बजाय गैर मुमकीन मूड आदि जमाबन्दी मे दर्शाकर तहसीलदार से मिलीभगत करके करोडो रूपये मे बेचकर सरकार को करोडो रूपये का नुकसान पहुँचाया गया है। इस सम्बन्ध मे अभियोग संख्या 24 दिनांक 2.7.2025 धारा 120-बी, 167,218,420 भा.द.स. व 13(1)डी सहपठित 13(2) पी.सी. एक्ट थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम मे दर्ज किया गया था।

****

नारनौल में 32 हजार महिलाओं ने कराया दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना में पंजीकरण

एजेंसी

नारनौल। जिला महेंद्रगढ़ में अब तक 32 हजार 296 महिलाओं ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पंजीकृत कराया है। यह जानकारी उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर से इसी विषय को लेकर हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद दी। उन्होंने कहा कि दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना अंत्योदय और नारी शक्ति को समर्पित है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद लगातार इस योजना की समीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में जिला महेंद्रगढ़ में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र महिला इस योजना से वंचित ना रहे। उपायुक्त ने महिलाओं से आह्वान किया कि पात्र महिलाएं डीडीएलएलवाई मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने आप को पंजीकृत कराएं। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग को नागरिक संसाधन सूचना विभाग (क्रिड) से सूची मिलते ही पात्र

महिलाओं से संपर्क भी किया जा रहा है। वहीं जिला प्रशासन द्वारा 51 क्लस्टर में ग्राम सचिवों तथा सीपीएलओ फील्ड में जाकर पात्र महिलाओं का पंजीकरण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी बदलाव को सुनिश्चित करने वाली महत्त्वकांक्षी योजनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख रुपये तक है, उसमें महिलाओं को 2,100 रुपये मासिक आर्थिक सहायता बैंक खातों में मिलनी शुरू हो जाएगी। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला परिषद के सीईओ उदय सिंह तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सोनीपतः निरंकारी संत समागम के लिए बसाई दिव्य नगरी

एजेंसी

सोनीपत। निरंकारी मिशन की प्रमुख सतगुरु माता सुदीक्षा के मार्गदर्शन में 31 अक्टूबर से होने वाले 78वें निरंकारी समागम की तैयारियां जोरो पर हैं। यह आयोजन हल्दाना बॉर्डर के विशाल मैदान में होगा। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है।

संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि यह समागम आत्ममंथन और ब्रह्मज्ञान के माध्यम से आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का सशक्त मंच है। समागम स्थल को एक भव्य आध्यात्मिक नगरी का रूप दिया गया है, जहां विशाल पंडालों में श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था की गई है। मंच पर होने वाले प्रेरणादायक प्रवचन और भावपूर्ण भजनों को दूरस्थ स्थानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अत्याधुनिक एल.ई.डी. स्क्रीन स्थापित की गई हैं। परिसर को चार खंडों में विभाजित कर आवागमन और सुविधाओं का

समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया गया है। समागम में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क बस सेवा, लंगर और रिहायशी टेंट की व्यवस्था की गई है। सुखीजा ने बताया कि हजारों श्रद्धालु सेवा और समर्पण के साथ तैयारियों में जुटे हैं। लंगर में शुद्ध और सात्विक भोजन की व्यवस्था होगी, जो सभी के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। रिहायशी टेंट श्रद्धालुओं को आरामदायक आवास प्रदान करेंगे। समागम में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जिसमें निरंकारी मिशन के गौरवशाली इतिहास, इसके मूल्यों और मानवता के प्रति योगदान को दर्शाया जाएगा। यह प्रदर्शनी श्रद्धालुओं को मिशन की शिक्षाओं और सतगुरु के मार्गदर्शन से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करेगी।

किसानों को कम से कम 500-600 रुपये रेट दे सरकार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गन्ना किसानों की हालत पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि गन्ना किसान लगातार अपनी वैध मांगों के लिए आंदोलनरत थे, लेकिन बीजेपी सरकार की उदासीनता लगातार उनके जख्मों पर नमक छिड़क रही है। किसानों और कांग्रेस ने बार-बार मांग करी है कि गन्ने का रेट कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए। साथ ही मिलों द्वारा किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।हुड्डा ने विस्तार से बताया कि गन्ना उत्पादन में श्रमिक, बीज, खाद, बुआई, कटाई जैसी लागतें तेजी से बढ़ी हैं। इसके अलावा, बीजेपी सरकार के दौरान पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि ने परिवहन खर्च को दोगुना- ढाई गुना कर दिया है। आंकड़ों के अनुसार, उत्पादन लागत में पिछले दशक में 200-250 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि बीजेपी सरकार ने गन्ने की दरों में केवल नाममात्र 15 रुपये की बढ़ोतरी की। यदि इन सभी कारकों को जोड़ा जाए, तो गन्ना का स्नत्रक्क कम से कम 600 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए। बढ़ती उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए यह न्यूनतम न्याय है, अन्यथा किसान आर्थिक संकट में डूब जाएंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बीजेपी सरकार सभी 24 फसलों पर एसपी देने का दावा करती है। जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में 24 फसलें होती ही नहीं है। जो फसले होती हैं, उनके किसान भी एमएसपी के लिए तरस रहे हैं। उदाहरण के तौर पर खरीफ सीजन में मुख्यत हरियाणा में पैदा होने वाली फसल धान, बाजरा, कपास और मूंग जैसी फैसले न्यूनतम समर्थन मूल्य से कई कई सौ कम रेट में पिट रही है और सरकार आंख बंद किए बैठी हुई है। यही ऐसा ही हाल रबी की फसलों का हुआ था। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बीजेपी सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा घोषित फेयर एंड रेम्युनरेटिव प्राइस (स्नत्रक्क) 355 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि हरियाणा सरकार ने राज्य समर्थन मूल्य (स्रक्क) में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं की। किसान संगठनों की मांग के बावजूद सरकार ने केवल मामूली बढ़ोतरी की, जो किसानों पर %क्रूर मजाक% के समान है। पिछले कुछ वर्षों में गन्ना किसानों को मिल भुगतान में देरी के कारण अरबों रुपये का नुकसान हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि 2005 से 2014 तक के साढ़े नौ वर्षों में कांग्रेस सरकार ने गन्ना दर में लगभग तीन गुना की वृद्धि की थी। दर 117 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 310 रुपये प्रति क्विंटल की गई, जो कुल 165 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इसका मतलब है कि हर वर्ष औसतन 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे किसानों की आय में खासी बढ़ोत्तरी हुई और उत्पादन बढ़ा। इसके विपरीत, बीजेपी के 2014 से अब तक के 11 वर्षों के शासन में गन्ना दर में केवल 310 से 415 रुपये तक की कुल 33 प्रतिशत वृद्धि हुई, जो प्रति वर्ष मात्र 3 प्रतिशत बनती है। यह वृद्धि इतनी मामूली है कि बढ़ती लागत को कवर ही नहीं करती। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हमेशा किसान हित को प्राथमिकता दी, जिसके परिणामस्वरूप हरियाणा गन्ना उत्पादन में अग्रणी राज्य बना। लेकिन बीजेपी शासन में किसान कर्ज के जाल में फंस गए हैं और किसान गन्ने की खेती छोड़ने को मजबूर हैं।

सोनीपत में 44 हजार 533 पात्र महिलाओं को मिलेगा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी लाभ

एजेंसी

सोनीपत। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक शीघ्र पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर व मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों व अतिरिक्त उपायुक्तों के साथ विडियो संवाद के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने व पात्र महिलाओं को समय पर लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक के उपरांत उपायुक्त सुशील सारवान ने जिला के सभी संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर कार्य की समीक्षा की। उन्होंने उपमंडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में प्राप्त सूची के अनुसार नियमित समीक्षा करें और पटवारियों के साथ समन्वय बनाकर फार्म भरने की प्रक्रिया समय पर पूरी कराएं। उन्होंने सभी बीडीपीओ को आदेश दिए कि ग्राम सचिवों से कार्य समय पर करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने कहा कि अगले दो दिनों में सभी ग्राम सचिव अपने गांवों में पात्र महिलाओं के आवेदन ऐप के माध्यम से भरना सुनिश्चित करें। डीडब्ल्यूओ को निर्देश दिए गए कि वे एसडीएम व बीडीपीओ के संपर्क में रहकर कार्य पूरा कराएं। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में पात्र महिलाओं को एकत्र कर फार्म भरवाने में सहयोग लें तथा इस कार्य में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भी जोड़ा जाए। अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने बताया कि जिले में कुल 44 हजार 533 महिलाएं इस योजना के लिए पात्र पाई गई हैं। पात्रता के अनुसार महिला की आयु कम से कम 23 वर्ष, हरियाणा की 15 वर्ष की निवासी और परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपए से कम होनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहेंगे पुलिस अधिकारी व कर्मचारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस की कार्यप्रणाली में अब बदलाव होगा। पुलिस अब फाइटिंग फिट और वर्किंग ऑर्डर की नीति पर काम करेगी। हरियाणा पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने पुलिस मुख्यालय में सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों और थाना प्रभारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि पुलिस को अब प्रोएक्टिव, समाधान देने वाली, समन्वित और जनता के हित में काम करने वाली बनना होगा। साथ ही पुलिसकर्मियों के रहने और काम करने की स्थिति में भी सुधार किया जाएगा। डीजीपी ने हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को आदेश दिए कि वे दो सप्ताह में सभी थानों और चौकियों की स्थिति में सुधार सुनिश्चित करें। रसोई, शौचालय, बिजली की वायरिंग और सुरक्षा व्यवस्था को ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि हर थाना साफ, सुरक्षित और व्यवस्थित दिखना चाहिए। इसके लिए इंजीनियरों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर थाना खुद जाकर देखें और रिपोर्ट दें। ओपी सिंह ने कहा कि पुलिस को फाइटिंग

फिट और वर्किंग ऑर्डर में रखना ही उनका प्रमुख ध्येय है। ड्यूटी के दौरान गलती होना स्वाभाविक है, पर अनुशासनहीनता या बदमाशी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि वह अपने किसी भी पुलिसकर्मी को नुकसान में नहीं देख सकते। डीजीपी ने कहा कि जिले के सभी अधिकारी नियमित फील्ड विजिट करें, पुलिसकर्मियों से बात करें और उनका मनोबल बढ़ाएं। डीजीपी ने कहा कि अब पुलिस को सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहना होगा। अफवाह फैलाने वालों और पुलिस विरोधी गलत जानकारी फैलाने वालों पर शुरुआत से ही नजर रखी जाए। सभी थाना और चौकियां मिलकर काम करें और आस पास के क्षेत्र में अपराध कम करने के लिए साझा रणनीति बनाएं। पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को नियमानुसार तुरंत मदद दी जाए। किसी काम में देरी न हो और हर 15 दिन में उनकी स्थिति की रिपोर्ट दी जाए।

सांसद खेल महोत्सव के आयोजन को हुई बैठक

एजेंसी

नारनौल। जिले के आदर्श ग्राम दौंगड़ा अहीर खेल परिसर में सांसद खेल महोत्सव 'फिट युवा, विकसित भारत' की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने की। बैठक में एक नवम्बर को होने वाले सांसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए विभागवार तैयारियों की समीक्षा की गई। एसडीएम ने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे खेल मैदान की तैयारी, खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं, पेयजल, चिकित्सा व सुरक्षा इंतजाम आदि समय पर पूरे किए जाएं। उन्होंने बताया कि आयोजन से पहले दौंगड़ा अहीर खेल स्टेडियम में एक संयुक्त समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी विभागों द्वारा की गई तैयारियों की अंतिम समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव का आयोजन खेल स्टेडियम, दौंगड़ा अहीर में किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में कुश्ती (पुरुष/महिला), वॉलीबॉल (पुरुष/महिला), रस्सा-कस्सी, लंबी कूद, ऊंची कूद, कबड्डी (हरियाणा शैली एवं राष्ट्रीय शैली), मुक्केबाजी, एथलेटिक्स (100 मीटर और 1500 मीटर दौड़) तथा तैराकी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले विधायक ने की अधिकारियों के साथ बैठक

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 26 अक्टूबर को प्रस्तावित हिसार दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा हैं। इसी क्रम में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, उपायुक्त अनीश यादव एवं पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने नलवा स्थित पनिहार फार्म हाउस का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की।विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नलवा विधानसभा हलके की धन्यवादी रैली को संबोधित करेंगे। यह रैली पनिहार फार्म परिसर में आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री का यह दौरा नलवा क्षेत्र के लिए गौरव और अवसर दोनों लेकर आ रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री का आगमन विकास योजनाओं की प्रगति का प्रत्यक्ष आकलन करने और जनता से संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री के स्वागत एवं कार्यक्रम की तैयारियों में कोई भी कमी न रहने दी जाए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की गति निरंतर तेज हुई है और नलवा क्षेत्र को भी उसका भरपूर लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में लगातार नए कार्य हो रहे हैं, जिन पर मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि इस दौरे से क्षेत्र की जनता में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार होगा। धन्यवाद रैली के लिए निर्धारित स्थल पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के उपरांत उपायुक्त अनीश यादव तथा पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने अधिकारियों के साथ गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले संत शिरोमणि नामदेव जयंती समारोह के दृष्टिगत प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त अनीश यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रमों से संबंधित सभी तैयारियां समयबद्ध और सुचारू रूप से पूरी की जाएं।

सीएंडडी वेस्ट उठान के लिए एजेंसियों को स्वीकृति देगा नगर निगम : निगमायुक्त नीरज

एजेंसी

हिसार। नगर निगम क्षेत्र में निर्माण एवं विध्वंस से उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे (सीएंडडी) के व्यवस्थित निस्तारण के लिए नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण योजना तैयार की हैं। इस योजना के तहत ऐसी योग्य और सक्षम एजेंसियों का चयन किया जाएगा, जो सीएंडडी वेस्ट को निर्धारित स्थान तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने का कार्य करेंगी। इन एजेंसियों को नगर निगम की स्वीकृत सूची में शामिल किया जाएगा, ताकि कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके। यदि कोई भी बिना स्वीकृति के सीएंडडी वेस्ट का उठान करता हुआ पाया गया तो नगर निगम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। निगमायुक्त नीरज ने शुक्रवार को बताया कि कार्य का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्माण एवं विध्वंस से उत्पन्न मलबे का समय पर उठान हो और उसे नगर निगम के निर्धारित स्थान सातरोड तक उचित तरीके से पहुंचाया जाए। इससे न केवल शहर में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी बल मिलेगा। इस व्यवस्था से अवैध रूप से कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि एजेंसियों को यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से सौंपी जाएगी, जब तक कि नगर निगम इस कार्य के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं कर लेता। निगमायुक्त ने बताया कि सूचीबद्ध एजेंसियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक एजेंसियों को अपने तकनीकी कौशल, उपकरणों की उपलब्धता, पर्यावरणीय स्वीकृति एवं पूर्व अनुभव से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। निगमायुक्त ने शहरवासियों से अपील की हैं कि सीएंडडी वेस्ट यानि ठोस कचरा उठान के लिए नगर निगम द्वारा स्वीकृति एजेंसी के द्वारा ही उठान करवाएं, क्योंकि ये सभी नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थान पर ही ठोस कचरे का निस्तारण करेंगी।

आईपीओ के पहले इक्विटी शेयर नहीं खरीद सकेंगे म्युचुअल फंड्स

मुंबई बाजार नियामक संस्था सेबी ने म्युचुअल फंड स्कीम्स के आईपीओ के पहले प्लेसमेंट के आधार पर इक्विटी शेयर खरीदने पर रोक लगा दी है। म्युचुअल फंड्स अब केवल आईपीओ के एंकर इन्वेस्टर सेगमेंट या पब्लिक इश्यू में ही निवेश कर सकेंगे। म्युचुअल फंड्स अब केवल लिस्टेड या लिस्ट होने वाली सिक्योरिटीज में ही निवेश कर पाएंगे। सेबी ने यह निर्णय रेगुलेशन एक्ट 1996 के सातवें शेड्यूल के क्लास 11 के उल्लंघन का हवाला देते हुए यह प्रतिबंध लगाया है। सेबी के अनुसार कोई आईपीओ रद्द या स्थगित होता है। ऐसी स्थिति में फंड के पास अनलिस्टेड शेयर करने का जोखिम होता है। म्युचुअल फंड के निवेशकों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह परिवर्तन किया गया है।

भारत है हमारा स्ट्रेटेजिक लॉन्ग-टर्म पार्टनरः एयरबस चेयरमैन

नई दिल्ली बर्लिन ग्लोबल डायलॉग के सेशन लीडर्स डायलॉग- ग्रोइंग टूगेदर ट्रेड एंड अलायंस इन अ चेंजिंग वर्ल्ड में एयरबस के चेयरमैन रेने ओबरमैन ने भारत की इंजीनियरिंग क्षमताओं और गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में एक सप्ताह बिताने के दौरान उन्होंने देश के एक्सीलेंस, इंजीनियरिंग क्वालिटी और इनोवेशन लेवल को देखकर गहरा प्रभाव महसूस किया। उन्होंने कहा एयरबस के लिए भारत एक स्ट्रेटेजिक लॉन्ग-टर्म पार्टनर है। हमारी बातचीत का हिस्सा यह भी था कि भारतीय टेक्नोलॉजी और टैलेंट की क्षमताओं का उपयोग करके चीजों को कैसे और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने आगे जोड़ा कि भारत में जो उद्यमशीलता और महत्वाकांक्षा (एंबिशन) उन्होंने देखी, वह विश्व के अन्य हिस्सों की तुलना में कहीं अधिक है।जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत चीन को पीछे छोड़ सकता है, तो उन्होंने कहा, इसका जवाब भारत को देना है, लेकिन मैं भारत को लेकर बेहद पॉजिटिव हूं ओबरमैन का मानना है कि भारत अब ऐसी स्थिति में है, जहां विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक का मुनाफा घटकर 3,253 करोड़ हुआ

नई दिल्ली कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकल लाभ तीन प्रतिशत घटकर 3,253 करोड़ रुपये रह गया।निजी क्षेत्र के इस बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 3,344 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। कोटक महिंद्रा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 16,239 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 15,900 करोड़ रुपये थी।

शानदार तकनीक का मेल है नई लैंड क्रूजर एफजे

नई दिल्ली एसयूवी निर्माण क्षेत्र की कंपनी टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन ने नई लैंड क्रूजर एफजे पेश की है। इस मॉडल का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन जापान मोबिलिटी शो 2025 में होगा, जबकि बिक्री 2026 के मध्य से जापान में शुरू की जाएगी। यह कॉम्पैक्ट एसयूवी क्लासिक ऑफ-रोड क्षमता और आधुनिक तकनीक का शानदार मेल है। लैंड क्रूजर की विरासत 1951 में टोयोटा बीजे से शुरू हुई थी, जिसने माउंट फूजी के छठे स्टेशन तक पहुंचने का इतिहास रचा था। आज यह ब्रांड विश्व के 190 से अधिक देशों में 1.2 करोड़ से ज्यादा यूनिट्स बेच चुका है और मजबूती व भरोसे का पर्याय बन गया है। नई एफजे को फ्रीडम एंड जॉय की भावना पर आधारित लाइफस्टाइल ओरिएंटेड- एसयूवी के रूप में विकसित किया गया है। इसका डिजाइन बॉक्सी और कॉम्पैक्ट है, जो क्लासिक लुक में आधुनिक ताकत झलकाता है। चौकोर बॉडी, हटाने योग्य बंपर और गोलाकार हेडलाइट्स पुराने लैंड क्रूजर मॉडलों की याद दिलाते हैं। इंटीरियर पूरी तरह ड्राइवर-केंद्रित है। हॉरिजॉन्टल इंस्ट्रूमेंट पैनल और लो-सेट काउल डिजाइन दृश्यता बढ़ाते हैं। इसमें टोयोटा सेफ्टी सेंस जैसी आधुनिक सुरक्षा तकनीकें दी गई हैं, जो हर तरह के रास्तों पर ड्राइविंग को सुरक्षित बनाती हैं। यह एसयूवी आईएमवी प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसमें 2.7-लीटर 2टीआर-एफई पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 163 हॉर्सपावर और 246 एनएम टॉर्क प्रदान करता है। 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और पार्ट-टाइम 4 डब्ल्यूडी सिस्टम इसे हर तरह के रास्तों पर सक्षम बनाते हैं।

विदेशी निवेशक बुलिशः भारत के फाइनेंशियल सेक्टर में 65,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली

2025 में विदेशी निवेशक भारत के फाइनेंशियल सेक्टर में मजबूत रुचि दिखा रहे हैं। अब तक करीब 65,000 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया है। निवेशक प्रमुख भारतीय निजी बैंक और एनबीएफसी में हिस्सेदारी ले रहे हैं। यह दर्शाता है कि विदेशी संस्थाएं भारत के वित्तीय क्षेत्र को सुरक्षित और लाभदायक मान रही हैं। ब्लैकस्टोन ने फेडरल बैंक में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 6,196 करोड़ रुपए का निवेश किया। इसके तहत 27.29 करोड़ वारंट्स 227 रुपए प्रति वारंट की दर से जारी किए गए। अमीरात एनबीडी ने आरबीएल बैंक में 26,853 करोड़ रुपए का निवेश करते हुए 60 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (अबू धाबी) ने एनबीएफसी सम्मान कैपिटल में 8,850 करोड़ रुपए का निवेश कर 41 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की। सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (जापान) ने यस बैंक

में 24.2 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 15,000 करोड़ रुपए का निवेश किया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वारबर्ग पिंकस और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी से 7,500 करोड़ रुपए जुटाए। इन निवेशों से भारतीय निजी बैंक और एनबीएफसी के पास पूंजी वृद्धि के अवसर खुलेंगे। विदेशी निवेशकों की भागीदारी सेक्टर में प्रतिस्पर्धा और विकास को बढ़ावा देगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द

नई दिल्ली भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब आखिरी दौर में पहुंच चुकी है। वॉशिंगटन में हुई हालिया बैठक में दोनों पक्षों ने अधिकांश मुद्दों पर सहमति बना ली है। अब अधिकारी समझौते के कानूनी दस्तावेज तैयार करने में जुटे हैं। हालांकि, गैर-टैरिफ बाधाओं को लेकर कुछ मतभेद अभी बाकी हैं। अमेरिका का कहना है कि भारत के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर उनके निर्यातकों के लिए मुश्किलें पैदा करते हैं, जबकि भारत इसे उपभोक्ता सुरक्षा के लिए आवश्यक मानता है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय टीम ने बातचीत का नेतृत्व किया। वर्तमान में वर्चुअल बैठकें जारी हैं और अगली व्यक्तिगत मुलाकात की तारीख तय नहीं हुई है। उम्मीद थी कि आसियान शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस डील पर ऐलान कर सकते हैं, लेकिन मोदी के वर्चुअल रूप से शामिल होने के कारण यह संभावना टल गई है। दोनों देश 2025 की शरद ऋतु तक समझौते को अंतिम रूप देने के लक्ष्य पर कायम हैं।

ऑफिस किराए में जोरदार तेजी, मुंबई और दिल्ली सबसे आगे

नई दिल्ली आईआईएम बेंगलुरु और सीआरई मैट्रिक्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत के 10 बड़े शहरों में ऑफिस किराए में पिछले एक साल में लगभग 4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ोतरी के मुख्य कारण हैं आईटी और फाइनेंशियल सर्विसेज की मांग, वर्क फ्रॉम होम का कम होना और नए ऑफिस प्रोजेक्ट की कमी। मुंबई ने 3.6 फीसदी तिमाही बढ़त के साथ देश में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। नरीमन पॉइंट, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, अंधेरी और ठाणे जैसे इलाकों में बड़े और अच्छे ऑफिस की कमी के कारण कंपनियां लंबे समय के लिए किराए पर दफ्तर ले रही हैं। निवेश फंड के बढ़ते इस्तेमाल ने भी किराए में तेजी दी। दिल्ली में किराए में 16 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई, जो पिछले पांच साल में सबसे ऊंची है। कनॉट प्लेस और बाराखंबा रोड में ऑफिस की मांग बढ़ी। गुरुग्राम में एनएच 48 के पास उद्योग विहार, साइबर सिटी और सेक्टर 32 में भी सालभर में करीब 16 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बेहतर सड़कें, मेट्रो कनेक्शन और नए बिजनेस हब ने इसे एनसीआर का प्रमुख ऑफिस हब बनाया। बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि दक्षिण बेंगलुरु में भी मांग मजबूत रही। नवी मुंबई और पुणे में आईटी कंपनियों और डेटा सेंटर की बढ़ती मांग ने किराए को बढ़ाया। नवी मुंबई ने पिछले तीन सालों में औसत 9 फीसदी की सालाना बढ़त देखी, पुणे में हिंजवाड़ी इलाके में 17 फीसी की वृद्धि हुई। चेन्नई और नोएडा में नए प्रोजेक्ट अधिक हैं, लेकिन मांग कम रहने से किराए में गिरावट या स्थिरता रही।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार चौथे सप्ताह तेजी रही

सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने सप्ताह के दौरान 52-सप्ताह के उच्च स्तर को छू लिया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार ने नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने सप्ताह के दौरान 52-सप्ताह के उच्च स्तर को छू लिया, और यह 2025 में लगातार चौथे सप्ताह की साप्ताहिक बढ़त रहा। बाजार में तेजी के पीछे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीद, विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी और वित्त वर्ष 2026 की अच्छी कमाई रिपोर्टों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। सप्ताह की शुरुआत दीपावली के कारण बाजार बंद रहने से सीमित रही। मंगलवार को विशेष एक घंटे के मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में सेंसेक्स 62.97 अंक बढ़कर 84,426.34 और निफ्टी 25.45 अंक बढ़कर 25,868.60 पर बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी के 25 शेयर गिरावट में, 24 शेयर बढ़त में और 1 शेयर स्थिर रहा। बुधवार को बालीप्रतिपदा के अवसर पर बाजार फिर से बंद रहा। गुरुवार को दिवाली के बाद बाजार हरे निशान में खुला। सेंसेक्स के शुरुआती कारोबार में 734.36 अंकों की तेजी के साथ 85,160.70 पर शुरुआत की और दिन का बंद 84,556.40 पर हुआ। निफ्टी ने शुरुआती 198.30 अंकों की बढ़त के साथ 26,066.90 पर खुला और दिन का बंद 25,891.40 पर हुआ।

हालांकि, सप्ताह के अंत में शुक्रवार को बाजार में गिरावट

देखी गई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 153.18 अंक गिरकर 84,403.22 पर खुला और दिन का बंद 344.52 अंक या 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,211.88 पर हुआ। निफ्टी ने शुरुआती 51.10 अंक की गिरावट के साथ 25,840.30 पर खुला और दिन का बंद 599.25 अंक या 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,957.15 पर हुआ। सप्ताह का समग्र विश्लेषण बताता है कि बाजार ने नए संवत वर्ष की शुरुआत उत्साहजनक रूप से की।

सप्ताह के दौरान तेजी के बावजूद शुक्रवार को प्रॉफिट बुकिंग के कारण थोड़ी गिरावट आई। निवेशकों में समग्र रूप से सकारात्मक माहौल बना रहा।

1 नवंबर से शुरू होगी सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण प्रणाली

तीन कार्य दिवसों के भीतर पंजीकरण की मंजूरी मिल जाएगी

नई दिल्ली

सरकार आगामी 1 नवंबर 2025 से सरलीकृत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीकरण प्रणाली लागू करने जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत नए जीएसटी आवेदकों को केवल तीन कार्य दिवसों के भीतर पंजीकरण की मंजूरी मिल जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गाजियाबाद में नए सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के दौरान इसकी घोषणा की। यह कदम जीएसटी परिषद द्वारा अनुमोदित जीएसटी 2.0 के तहत व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाया गया है। नई प्रणाली में स्वचालित पंजीकरण दो परिस्थितियों में उपलब्ध होगा। पहली श्रेणी में वे आवेदक होंगे जिन्हें जोखिम और डेटा विश्लेषण के आधार पर सिस्टम द्वारा कम जोखिम वाला चिह्नित किया गया है। दूसरी श्रेणी में वे करदाता शामिल होंगे जिनकी आउटपुट कर देयता 2.5 लाख प्रति माह से कम होगी। इस व्यवस्था से लगभग 96 प्रतिशत नए आवेदक लाभान्वित होंगे। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सरकार का ध्यान अब नीति निर्माण से हटकर क्रियान्वयन पर केंद्रित हो गया है।उन्होंने केंद्रीय और राज्य जीएसटी इकाइयों को निर्देश दिया कि वे सुधारों को बिना किसी जटिलता के लागू करें और यह सुनिश्चित करें कि सिस्टम विवेक के बजाय

प्रणालीगत रूप से कार्य करे। उन्होंने अधिकारियों को करदाताओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने और कर चोरी के मामलों में प्रोटोकॉल के तहत सख्त कार्रवाई करने की सलाह दी।

आइ किया पुणे में फैलाएगी पंख, 38 लाख मासिक किराये पर लिया स्टोर

नई दिल्ली फर्नीचर की वैश्विक खुदरा विक्रेता आइकिया की भारतीय शाखा ने अपनी खुदरा बिक्री के लिए पुणे में 37,259 वर्ग फुट की जगह पट्टे पर ली है। इस तरह वह भारतीय बाजार में अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रही है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि आइकिया इंडिया के लिए पुणे खास बाजार रहा है। यह ऐसा बाजार है, जहां हमने शुरू से ही अपने ग्राहकों की जोरदार मांग देखी है। नवी मुंबई से इसकी नजदीकी के मद्देनजर पुणे के कई ग्राहकों ने भी आइकिया नवी मुंबई स्टोर के अनुभव को पसंद किया है। वे एक ही छत के नीचे रचनात्मकता, आइडिया और घर के लिए हर चीज के लिए आते हैं। एक रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म के जरिये मिले लीज दस्तावेज के मुताबिक आइकिया ने लोहेगांव में विमान नगर रोड पर फीनिक्स मार्केटसिटी के भू-तल पर यह जगह चार साल और ग्यारह महीने के लिए पट्टे पर ली है। आइकिया इंडिया 38.12 लाख रुपये का शुरुआती मासिक किराया देगी। पूरे अनुबंध की कीमत 3.06 करोड़ रुपये है। कंपनी ने तय 2.3 करोड़ रुपये में से 1.15 करोड़ रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट राशि दी है। बाकी रकम अनुबंध पूरा होने से पहले देनी होगी।

फेसबुक ने रिलायंस के एआई उद्यम में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली

अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के एआई उद्यम में मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक की फेसबुक ओवरसीज 30 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने शेयर बाजार को बताया कि उसकी रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। आरआईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस और फेसबुक संयुक्त रूप से इस उद्यम में शुरुआती 855 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड ने 24 अक्टूबर, 2025 को रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड का गठन किया। इसके मुताबिक रिलायंस इंटेलिजेंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में भारत में निगमित आरईआईएल, मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी फेसबुक ओवरसीज इंक (फेसबुक) के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी होगी। आरईआईएल

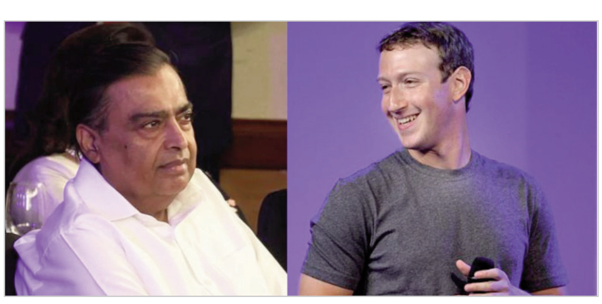

एंटरप्राइज एआई सेवाओं का विकास, विपणन और वितरण करेगा।कंपनी ने कहा कि संयुक्त उद्यम समझौते के अनुसार, आरईआईएल में रिलायंस इंटेलिजेंस की 70 प्रतिशत और फेसबुक की शेष 30 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। रिलायंस इंटेलिजेंस और फेसबुक ने संयुक्त रूप से 855 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

टाटा मोटर्स ने 30 दिनों में बेची एक लाख से अधिक कारें

नई दिल्ली

नवरात्रि से दिवाली तक टाटा मोटर्स ने 30 दिनों में एक लाख से अधिक कारें और एसयूवी बेचकर ऑटो सेक्टर में इतिहास रचा।

टाटा मोटर्स ने इस फेस्टिव सीजन में बिक्री के नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं।

पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने वाली यह उपलब्धि टाटा मोटर्स की बाजार में मजबूत पकड़ और ग्राहक विश्वास को दर्शाती है। इस सफलता में टाटा नेक्सन और टाटा पंच की अहम भूमिका रही। सितंबर 2025 में नेक्सन भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी और अकेले इस मॉडल ने 38,000 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो साल-दर-साल 73 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

वहीं, टाटा पंच ने 32,000 यूनिट्स की बिक्री के साथ 29प्रतिशत ग्रोथ हासिल की। इन दोनों मॉडलों की लोकप्रियता ने टाटा मोटर्स की फेस्टिव सेल्स को नई ऊंचाई दी।

सिर्फ पेट्रोल और डीजल मॉडल्स ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) में भी कंपनी का दबदबा रहा।

इस त्योहारी सीजन में टाटा ने 10,000 से अधिक ईवी डिलीवरी की, जो सालाना 37 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह साबित करता है कि टाटा मोटर्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में अग्रणी बने हुए हैं।

कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शैलेश चंद्र के अनुसार, इस सफलता के पीछे तीन रणनीतियां हैं प्रोडक्ट लीडरशिप, जिसमें नेक्सन, पंच, हैरियर और सफारी जैसे मॉडल शामिल हैं; ग्राहकों के लिए स्मार्ट विकल्प उपलब्ध कराना; और डिलीवरी एक्सीलेंस, यानी समय पर वाहन उपलब्ध कराना और त्योहारी ऑफर्स के जरिए उत्सव का अनुभव देना। शैलेश चंद्र ने बताया कि यह प्रदर्शन भविष्य की दिशा तय करेगा।

सोना 2026 तक 1.6 लाख प्रति 10 ग्राम होने का अनुमान

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, डॉलर की कमजोरी और बढ़ती महंगाई से सोने में जोरदार तेजी की संभावना

नई दिल्ली

दिवाली के बाद भले ही सोने की कीमतों में हल्की नरमी देखी जा रही हो, लेकिन आने वाले वर्षों में इसकी चमक और बढ़ने वाली है। वैश्विक वित्तीय संस्था जेपी मॉर्गन ने अपनी ताज़ा रिपोर्ट में दावा किया है कि 2026 के अंत तक सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमत 5,055 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकती है। भारतीय बाजार में इसका अर्थ होगा कि 24 कैरेट सोना करीब 1,56,521 प्रति 10 ग्राम, जबकि 22 कैरेट सोना लगभग 1,43,477 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है यानी करीब 1.6 लाख प्रति 10 ग्राम का स्तर। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दो वर्षों में बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, डॉलर में कमजोरी और महंगाई जैसी परिस्थितियां सोने को फिर से एक सेफ हेवन एसेट बना देंगी। जेपी मॉर्गन का मानना है कि निवेशक जोखिम भरे स्टॉक्स और बॉन्ड्स से निकलकर गोल्ड में निवेश बढ़ाएंगे, जिससे इसकी कीमतों में तेज उछाल संभव है। कई मार्केट विश्लेषकों ने इसे आक्रामक लेकिन यथार्थपरक अनुमान बताया है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में सोना लगातार स्थिर रिटर्न देता आ रहा है। वर्तमान में भारत के प्रमुख शहरों में सोने की कीमतें लगभग 1,23,000-1,23,500 प्रति 10 ग्राम के बीच बनी हुई हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार रायपुर में सबसे सस्ता सोना (1,23,210) और कानपुर व लखनऊ में सबसे महंगा (1,23,480 रुपए) बिक रहा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जेपी मॉर्गन का यह अनुमान सही साबित होता है, तो आने वाले दो वर्षों में सोने में निवेश लॉन्ग-टर्म के लिए फायदेमंद सौदा साबित हो सकता है। हालांकि अल्पावधि में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे, इसलिए निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे धीरे-धीरे और रणनीतिक ढंग से निवेश करें जैसे गोल्ड ईटीएफ, सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या समय-समय पर फिजिकल गोल्ड की खरीदारी के ज़रिए। अगर बाजार के संकेत सही रहे, तो आने वाले वर्षों में सोना एक बार फिर साबित कर सकता है कि उसे यूं ही गोल्डन एसेट नहीं कहा जाता।

तीसरी तिमाही में हुई रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर की डील

नई दिल्ली

तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत के ऑटो सेक्टर में 2025 की रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर की डील हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह उछाल मुख्य रूप से टाटा मोटर्स द्वारा इवेको एस.पी.ए. के 3.8 अरब डॉलर के अधिग्रहण के कारण आया, जो तिमाही के कुल विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए) मूल्य का लगभग 95 प्रतिशत था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस तिमाही में भारतीय ऑटो सेक्टर ने वैश्विक विस्तार, विद्युतीकरण और आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्गठन की दिशा में एक स्पष्ट रणनीतिक बदलाव दिखाया। इस दौरान रणनीतिक निवेशकों और निजी इक्विटी दोनों ने भविष्य की तकनीक और टिकाऊ मोबिलिटी प्लेटफॉर्म पर ध्यान केंद्रित किया। तिमाही आधार पर सौदों की संख्या में कोई खास बदलाव नहीं हुआ और यह पिछले (जून) तिमाही के समान रही। हालांकि, विलय और अधिग्रहण के मामलों में क्रॉस बॉर्डर डील्स की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही। 2025 की तीसरी तिमाही में कुल सात विलय और अधिग्रहण सौदे हुए, जिनकी संयुक्त वैल्यू 4.1 अरब डॉलर रही। यह दूसरी तिमाही की तुलना में 1,234 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि है। वहीं, प्राइवेट इक्विटी निवेशकों ने 23 सौदों में कुल 531 मिलियन डॉलर लगाए, जिनमें से करीब 70 प्रतिशत डील्स 10 मिलियन डॉलर से कम

की थीं। इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईएफसी) द्वारा इलेक्ट्रिक बस ऑपरेटरों में 137 मिलियन डॉलर का निवेश किया गया, जिससे शहरी विद्युतीकरण और परिवहन ढांचे में निवेशकों का भरोसा और बढ़ा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प प्रशासन के 50प्र. टैरिफ का कोई असर नहीं

प्रहलाद सबनानी

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है।

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है।

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है।भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है।

भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टोबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चत्तम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वपिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है।

भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है।

अमेरिका में बैंकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लगभग 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं।

संपादकीय

पलायन-रोजगार का चुनाव

बिहार का चुनाव समतली जमीन पर आ चुका है। विपक्ष के महागठबंधन में जो भीतरी द्वन्द्व और विरोधाभास थे, वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बाद लगभग समाप्त हो चुके हैं। कुछ सीटों पर कांग्रेस, राजद, सीपीआई (माले) और वीआईपी के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। इसे 'दोस्ताना मुकाबला' करार दिया जा रहा है। महागठबंधन के नेताओं ने इस विरोधाभास के समाधान की भी बात कही है। जिस प्रेस वार्ता में तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने, घोषित किया, उसके पोस्टर पर सिर्फ तेजस्वी का ही चित्र था। न लालू यादव-राबड़ी देवी का और न ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी का चित्र लगाया गया। लालू तो अब भी राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और राहुल-तेजस्वी ने साझा तौर पर 'वोट चोरी' के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। अब वह 'साथ' कहां गायब हो गया? बहरहाल आज 'वोट चोरी' का मुद्दा भी गायब है, क्योंकि पलायन और रोजगार सबसे संवेदनशील चुनावी मुद्दे के तौर पर उभरे हैं। तेजस्वी ने 'हर घर, एक सरकारी नौकरी' का जो मुद्दा जनता के सामने पेश किया है, उसका असर बिहार में स्पष्ट रूप से देखा-महसूसा जा सकता है। हालांकि बिहार के 2.76 करोड़ घर-परिवारों में से 2.5 करोड़ घरों को भी सरकारी नौकरी मुहैया कराने पर करीब 9 लाख करोड़ रुपए सालाना चाहिए। बिहार का बजट ही 3.17 लाख करोड़ रुपए का है और उस पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है।

पूंजी कहां से आएगी, यह बहस सत्तारूढ़ और विपक्ष के राजनीतिक दलों के दरमियान तो जारी है, टीवी चैनलों पर भी यह बहस सुनी जाती रही है, लेकिन यह जनता का विश्लेषण और उसकी चिंता नहीं है। जनता मान रही है कि जिसकी सरकार बनेगी, पूंजी का बंदोबस्त भी वही करेगी। कांग्रेस ने भी 'पलायन रोको, नौकरी दो' का नारा देकर तेजस्वी के कार्यक्रम का समर्थन किया है। रोजगार से ही पलायन का मुद्दा जुड़ा है। चुनाव आयोग के मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के अतिरिक्त विशेषज्ञों के आकलन हैं कि करीब 50 लाख बिहारी देश के विभिन्न हिस्सों में नौकरी या मजदूरी अथवा रिक्शा चालन का काम करते हैं और बिहार में मौजूद परिवार का पेट पालते हैं। अधिकांश ये प्रवासी बिहारी असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं, लिहाजा यह तय नहीं है कि कितने लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ही बिहार लौटेंगे? मतदान और छठ में कई दिनों का फासला है। निजी दुकानदारियों पर काम करने वाले इतने दिन तक बिहार में कैसे रह सकते हैं? उनके मालिक ही अनुमति नहीं देंगे। कइयों को मतदाता सूचियों से ही बाहर कर दिया गया है। कोई भी दल इन प्रवासी मतदाताओं को बिहार तक लिवाने में व्यापक तौर पर उत्सुक, इच्छुक नहीं है। बेशक मताधिकार देश के औसत वयस्क नागरिक का संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसे संस्थानात्मक रूप नहीं दिया गया है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शाह्वाह में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

बाल अपराध : बच्चों में बढ़ती क्रूरता

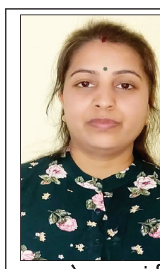

सोनम लववंशी

देश के तमाम शहरों के विद्यालयों में छात्रों के द्वारा की जा रही हिंसात्मक गतिविधियों पर लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है। एक घटना जिसमें दसवीं के छात्र की हत्या और दूसरी घटना नरसिंहपुर में एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर पेट्रोल डाल कर उन्हें आग के हवाले कर देना।

दोनों घटनाएं अलग-थलग वारदात नहीं, बल्कि उस गहरे संकट की परछाई हैं, जो हमारी सामाजिक संरचना और परवरिश के तौर-तरीकों को चुनौती दे रहा है। बच्चे, जिनकी दुनिया खेलकूद, पढ़ाई और मासूमियत से भरी होनी चाहिए, आज हिंसा, हताशा और प्रतिशोध के घेरे में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि अपराधी कौन है, बल्कि यह है कि अपराध की जड़ें इतनी गहरा क्यों गई हैं।

यदि बीते आठ वर्षों के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 2014-22 के बीच बाल अपराधों में 81 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हुई है। बाल अपराधों में सर्वाधिक हिस्सा यौन शोषण का है। बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों का अनुपात लगातार 36 फीसद के आसपास बना हुआ है अर्थात हर तीसरे अपराध में कोई न कोई बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार होता है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज की सामूहिक संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। ऐसे में अपराध ही नहीं, बच्चों का मानसिक संतुलन भी गहरे संकट में है। एनसीआरबी की दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्या संबंधी रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग तेरह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में हुई कुल आत्महत्याओं का लगभग सात फीसद है। सोचिए, केवल परीक्षा में असफल होने के कारण ग्यारह सौ से अधिक बच्चों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। कुल मिला कर अठारह वर्ष से कम आयु के दस हजार से अधिक बच्चों ने 2022 में आत्महत्या का रास्ता चुना और इनमें लड़कियों की संख्या अधिक रही। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बच्चे अपने ही घर और विद्यालय के दबावों से हार मान रहे हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा किए जा रहे अपराध भी भयावह दिशा में बढ़े हैं। 2016 में किशोरों द्वारा अपराधों में हिंसक घटनाओं का अनुपात 32 फीसद था, जबकि 2022 तक यह बढ़ कर लगभग 50 फीसद हो गया अर्थात संख्या स्थिर रही, किंतु स्वरूप अधिक क्रूर और हिंसक हो गया।

दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वर्षो में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्रायः मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है। अध्यापक ज्ञान बांटने में सक्षम हैं परंतु बच्चों के भावनात्मक संघर्ष को समझने और संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं। परिवारों में संवाद का दायरा सीमित होता जा रहा है। अभिभावक बच्चों की चिंताओं और हताशाओं को सुनने की बजाय केवल अंक पत्र और करियर पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। समाज मानसिक स्वास्थ्य को विशेष वर्ग का विषय मानता है, जबकि यह हर बच्चे की मूलभूत आवश्यकता है।

अनेक देशों में विद्यालयों में अनिवार्य मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की जा चुकी है। कला, खेल और संवाद पर आधारित पुनर्वास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किशोर अपराधों से निपटने के लिए ह्यपुनर्स्थापनात्मक न्यायह्न पद्धति अपनाई जा रही है, जिसमें अपराधी किशोर को कठोर दंड की बजाय पीड़ित और समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया में शामिल कर सुधार की दिशा दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष और वि स्वास्थ्य संगठन चेतावनी दे चुके हैं कि किशोर अपराध को केवल अपराध मान कर कठोर दंड देना समाधान नहीं है। समस्या बहुआयामी है, और इसका समाधान संवेदनशील परवरिश, संवाद और सामाजिक सहयोग से ही संभव है। कुल मिला कर देखें तो हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को हिंसा और निराशा से बचा पाएंगे? क्या हम उन्हें किताब, कला और संवाद की दुनिया में लौटा पाएंगे? क्या हम स्वीकार करेंगे कि शिक्षा अंकों और रोजगार का साधन ही नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और विवेक का संस्कार भी है? और क्या हम सच्चाई का सामना करेंगे कि बच्चों की हिंसा दरअसल, हमारी सामूहिक विफलता का आईना है?

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय ह्यदेर आए, दुरुस्त आएह्न की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं।

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं।

तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने 'नौकरी, विकास और सम्मान' जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोजगारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ 'लालू के पुत्र' नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका 'जनादेश' अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है।

एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक 'सुशासन बाबू' की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा, तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे, तो जनता का भरोसा खिसक सकता है।

तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना बिहार की राजनीति में एक जनसांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह निर्णय दिखाता है कि अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र युवा आकांक्षाओं, आर्थिक अवसरों और विकास की बराबरी की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस का झुकना केवल राजनीतिक गणित नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि अब बिहार में नई पीढ़ी के नेतृत्व से ही राजनीतिक भविष्य तय होगा। तेजस्वी यादव का उदय केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बदलते समय की पुकार है। बिहार की जनता लंबे समय से ठहरे हुए शासन और खोखले वादों से थक चुकी है। अब वह ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो न केवल सत्ता चाहता हो, बल्कि संवेदना और संघर्ष का प्रतीक भी बने। कांग्रेस ने भले ही देर से यह निर्णय लिया हो, पर यदि महागठबंधन इस घोषणा को एकजुट रणनीति में बदल सके, तो यह बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है, जहाँ देर आए, पर दुरुस्त आए केवल कहावत नहीं, बल्कि राजनीतिक सच्चाई बन जाए।

तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह स्पष्ट किया है कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआइपी से भी कम है। निःसंदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है। महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। महागठबंधन की राजनीति चुनाव होने एवं चुनाव परिणाम के बाद भी कई रंग बदलेगी, इसलिये उसकी डगर निष्कंटक तो नहीं कही जा सकती। महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है, यह भी प्रश्न तैरता रहेगा। फिलहाल तेजस्वी के मुख्यमंत्री का फैसला महागठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है क्योंकि इससे उनकी एकजुटता का संदेश पूरे बिहार में जाएगा।

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

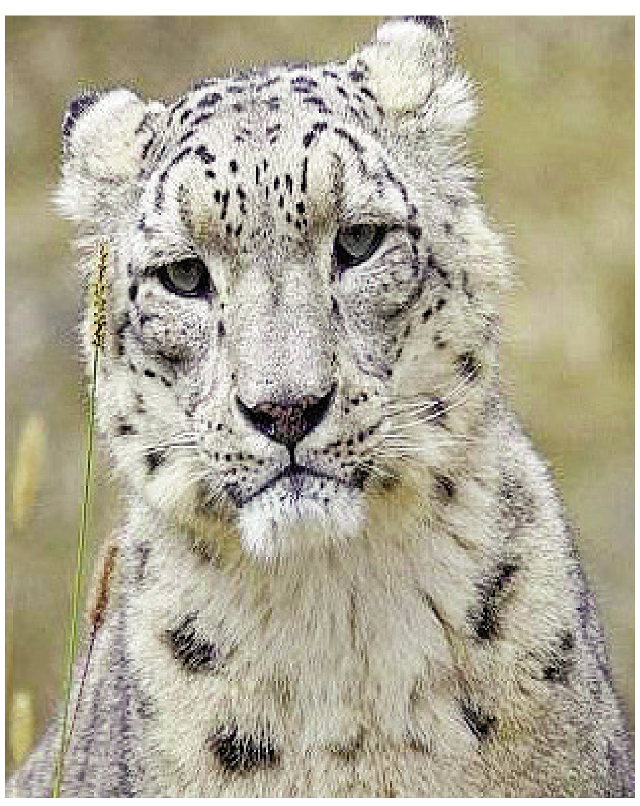

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग

वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा : गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

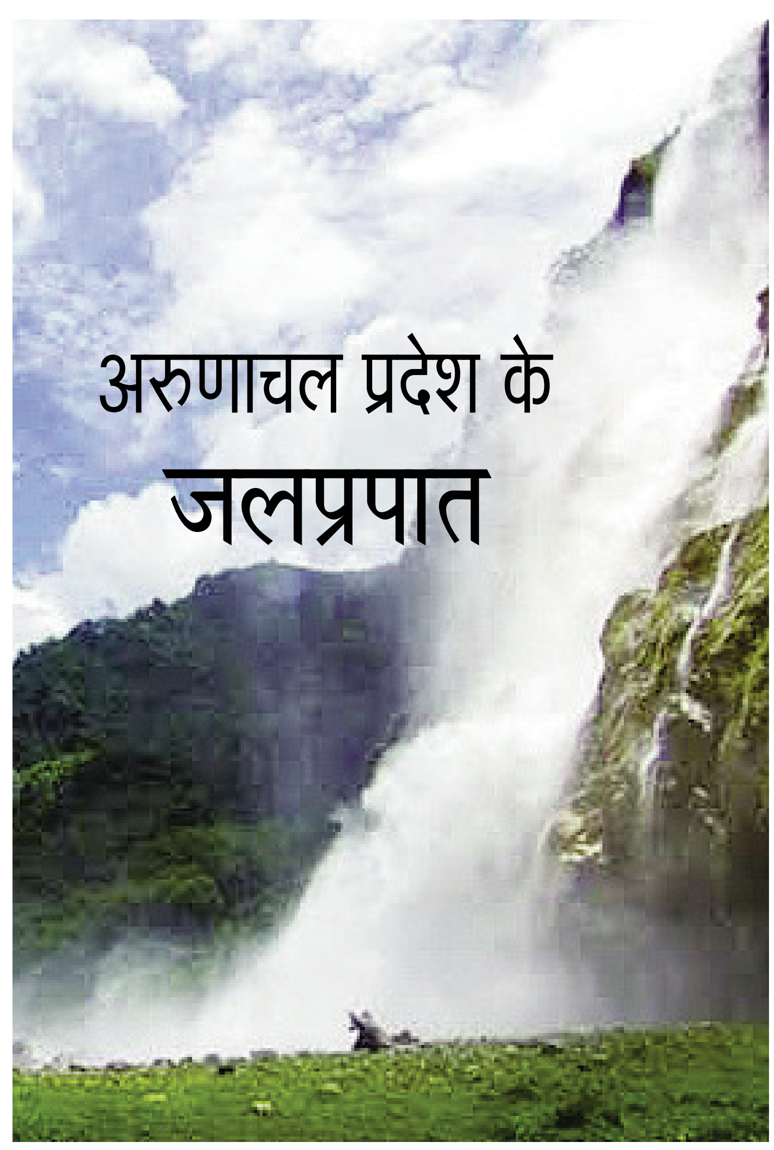

हाथों में छिपे हैं बीमारियों के राज

हाथ सिर्फ तकदीर का हाल नहीं बताते, बल्कि बीमारियों का भी पता देते हैं। नए शोधों इस बात का खुलासा हुआ है कि आपके सेहत से जुड़ी बहुत-सी जानकारियां आपके हाथों, उसकी त्वचा और नाखूनों के आकार-प्रकार तथा रंगत में छिपी होती हैं। महिलाओं की हथेली बता सकती है कि उसे गर्भाशय के कैंसर का खतरा कितना है। 74 साल की एक महिला डॉक्टर के पास पहुंची। उसकी हथेलियों पर एक सख्त गांठ जैसी चीज उभरी हुई थी। शुरूआती जांच में महिला में कोई गड़बड़ी नहीं दिखाई दी, लेकिन जब उसकी गहन जांच की गई तो पता चला कि महिला को गर्भाशय का कैंसर है। डॉक्टरों के मुताबिक हथेली पर उभरने वाले सख्त मांस पिंड के बारे में मेडिकल दस्तावेज खंगाले गए तो पता चला कि यह उभार गर्भाशय कैंसर के शुरूआती संकेत हैं।

हाथों को देखकर व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे जानकारियां जुटाने की मुहिम में जुटे डॉ. ग्राहम एस्टन ने बताया, 'जब भी मैं अपने मरीजों से मिलता हूं, सबसे पहले उनसे हाथ मिलाता हूं। उसके हाथ उनकी सेहत संबंधी जानकारियों से भरे-पूरे होते हैं।' यही वजह है कि अब बहुत सारे डॉक्टर हाथों की बनावट और स्किन के टैक्चर के आधार पर रोग के बारे में अपनी राय कायम करते हैं और फिर उसी दिशा में डाइगनोसिस प्रक्रिया को शुरू करते हैं। ब्रिटेन और अमेरिका के डॉक्टर इस विधि को निदान की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विभिन्न मेडिकल काउंसिलों से बात कर रहे है।

लंदन के कुछ डॉक्टरों ने हाथ के रंग, त्वचा की बनावट को आधार बनाकर एक चार्ट तैयार किया है, जो यह बताता है कि अमुक दशा में यह रोग होने की आशंका रहती है।

लालिमा लिए हथेली :

इस तरह की हथेली डॉक्टर को लिवर के बारे में काफी जानकारियां दे सकती है। लाल हथेलियों का यह कतई मतलब नहीं है कि किसी के शरीर में काफी खून है, बल्कि इस बात की आशंका व्यक्त करता है कि उसको लिवर सिरोसिस हो सकती है। सिरोसिस का मतलब होता है लिवर के ऊत्तकों का क्षरण। बहुत ज्यादा शराब पीने से सिरोसिस का अंदेशा रहता है। यह अन्य कारणों से भी हो सकती है, जैसे हेपेटाइटिस-सी या दूषित जल का लगातार सेवन।

चर्बीयुक्त उंगलियों के जोड़ :

उंगलियों के जोड़ों पर यदि पिंडनुमा मांस जमा हो जाए तो यह शरीर के भीतर उच्च श्रेणी के कोलेस्टेरोल के जमा होने का सूचक है। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन में कार्डियक नर्स एलेन मैसन के मुताबिक वर्षों तक नसों में वसा जमा होता रहता है और बाद में पिंड के रूप में उभर आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों के रक्त में जन्म से ही उच्च कोलेस्टेरोल रहता है और इनमें से कई कम उम्र में ही अकाल मृत्यु के शिकार हो जाते हैं।

स्पून नेल्स :

हममें से बहुतों के उत्तल या उभरे हुए नाखून होते है, किसी गेंद जैसी गोलाई लिए हुए, लेकिन यदि आपके नाखूनों के बीच में गड्ढा है तो यह इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में आयरन की कमी है। ऐसे लोगों में खून की कमी भी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि रक्त की कमी से नाखून टेढ़े-मेढ़े और खुरदुरे हो जाते हैं।

घुमावदार उंगलियां :

यदि किसी की उंगलियों के पोर वक्राकार हैं तो भयंकर बीमारियों, कैंसर या टीबी के संकेत हो सकते हैं। आज से कोई 2000 साल पहले अनुमान पर आधारित चिकित्सा करने वाले नीम हकीम घुमावदार पोर देखकर लोगों को जानलेवा बीमारियों के प्रति सचेत करते थे, लेकिन लीड्स विश्वविघालय के वैज्ञानिकों ने अब जाकर इसे सही पाया है। यह पीजीई 2 नाम के एक पदार्थ के फेफड़ों के आसपास जमा होने से होता है, जो बाद में चलकर कई तरह की बीमारियों की वजह बनता है। शरीर के बाहर यही पदार्थ उंगलियों के पोरों में जमा होता है, जिससे सूजन आती है।

नीली उंगलियां :

किसी व्यक्ति के रक्त में आक्धसीजन की मात्रा कितनी है, इसे जानने के लिए डॉक्टर उस व्यक्ति के नाखूनों, पैर के पंजों और होंठ का निरीक्षण करते हैं। शरीर के इन हिस्सों के गुलाबी होने का मतलब है, अच्छा ब्लड सर्कुलेशन, लेकिन इनके नीले होने का मतलब है कि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है।

डॉक्टरों ने कुछ और मेडिकल संकेतों का जिक्र किया है। यदि नाखूनों पर नन्हे उभार हैं तो इसे गठिया होने का संकेत माना जाए। अगर नाखून पोरों की आर से सफेद या पीले हैं और त्वचा के पास आकर भूरे-से हो जाते हैं तो इसे भविष्य में किडनी फेल होने की चेतावनी माना जाए। हथेलियों से पसीने आने का अर्थ है थाइरॉइड का खतरा।

हेल्थ प्लस

सर्दी-जुकाम छूं-छूं...सूं-सूं....

कैसे फैलते हैं

सर्दी-जुकाम वायरस की वजह से होते हैं, किंतु ये कई माध्यमों से फैलते हैं। सर्दी लगना राइनोवायरस के कारण होता है। यह वायरस तीन घंटों तक किसी ठोस सतह पर सक्रिय रह सकता है जैसे दरवाजे की कुंडी या टेलीफोन के रिसीवर पर। इस तरह से यह हाथ द्वारा फैलता है। जुकाम का वायरस हवा द्वारा तब फैलता है, जब रोगी बातचीत करे, जम्हाई ले या खांसे। यह वायरस 10 मिनट तक हवा में सक्रिय रहता है।

रोकथाम

- सर्दी का वायरस हमारे शरीर को म्यूकस मैम्ब्रेन के जरिए प्रभाव डालता है। इस लिए अपनी नाक व आंखों को मसलें नहीं तथा मुंह के भीतर हाथ न डालें। सर्दी से बचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि वायरस को अपने हाथों से दूर रखें।
- सर्दियों के दस्तक देते ही जब आपको सर्दी के सिग्नल मिलने लगें, जैसे गला जाम लगे या नाक भारी होने लगे तो फिर रोजाना विटामिन-सी की खुराक लेना आरंभ कर दें। यह खुराक 250 एमजी से 500 एमजी तक हो सकती है।

शिशुओं को न दें अधिक आयरन, हो सकता है नुकसान

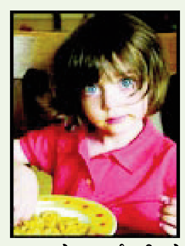

यह आम धारणा है कि आयरन (लौह) हमारे शरीर के लिए आवश्यक है। आमतौर पर बच्चों के कमजोर होने पर अभिभावक उसे आयरन की दवा देने के बारे में सोचने लगते हैं लेकिन नहीं, जरा ठहरिए। न्यूयार्क में किए गए एक नए शोध से यह सामने आया है कि शिशुओं को अधिक मात्रा वाली आयरन की दवा देना नुकसानदेह हो सकता है। मिशीगन विश्वविघालय की प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता बीटसे लोजफ ने कहा, हमारे शोध के परिणाम चौंकाने वाले हैं। अमेरिका में आमतौर पर बच्चों को आयरन की कमी से बचाने वाली जो दवाएं आती हैं, वह सभी 12 एमजी की होती हैं जबकि यूरोप में अपेक्षाकृत कम मात्रा वाली दवा का इस्तेमाल किया जाता है। विश्वविघालय ने दस साल तक के 494 बच्चों पर शोध किया और पाया कि जिन बच्चों को 12 एमजी वाली दवाएं दी गईं उनका शारीरिक विकास उन बच्चों की तुलना में कम हुआ जिन्होंने कम मात्रा वाली दवा ली थी। लोजफ ने कहा, मेरे लिए परिणाम चौंकाने वाले थे। मैंने सोचा था कि 12 एमजी दवा लेने वाले बच्चो ज्यादा विकास करेंगे लेकिन हुआ इसका उल्टा। गौरतलब है कि इन निष्कर्षों का बच्चों के लिए विभिन्न खाघ सामग्री बनाने वाले कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।

बिच्छू के जहर से होगा कैंसर का इलाज

बिच्छू के जहर से ब्रेन कैंसर के इलाज में मदद मिल सकती है। फिलहाल वैज्ञानिक इसका परीक्षण कर रहे हैं। अभी तक के शोध के मुताबिक न्यूरोटाक्सिन का एक मिश्रण कुछ ट्यूमर कोशिकाओं को बांधे रखते हैं, जबकि स्वस्थ कोशिकाओं पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पेप्टाइड वे कण होते हैं जो एमीनो एसिड के साथ मिलकर प्रोटीन का मार्ग अवरूद्ध करते हैं। प्रयोग में यह पाया गया है कि इसमें मौजूद कण स्तन के त्वचा, ब्रेन और फेफड़े के ऊतकों के ट्यूमर पर आक्रमण करते हैं लेकिन स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाते। न्यू साइंटिस्ट मैग्जीन के मुताबिक पिछले साल हुए एक परीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों कई लोगों के शरीर में ट्यूमर पर इसकी दवा टीएम 601 को इजेंक्ट किया। हालांकि अधिकतर मरीजों की इस दौरान मौत हो गई थी लेकिन जिन लोगों को इसकी ज्यादा मात्रा दी गई वह औसतन तीन माह ज्यादा जीवित रहा। यह दवा शरीर के किसी भी हिस्से में मौजूद ट्यूमर के खात्मके लिए कारगर हो सकती है।

नुकसानदेह भी है विटामिन-सी

वैज्ञानिकों ने चेताया है कि विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का ज्यादा इस्तेमाल कैंसर की दवाओं के असर को कम कर देता है। इस बारे में किए गए शोध से पता चला कि विटामिन-सी देने से कैंसर के सेल्स पर दवा का असर 70 फीसद तक कम हो जाता है। चूहों पर किए गए प्रयोग से इस बात का भी खुलासा हुआ कि विटामिन-सी की वजह से ट्यूमर का विकास तेज हो जाता है। कैंसर रिसर्च जनरल में प्रकाशित लेख के मुताबिक कीमोथैरेपी के दौरान यदि विटामिन-सी के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं तो इससे कैंसर के जानलेवा सेल्स की दवा प्रतिरोधी क्षमता बढ़ जाती है। डॉ. मार्क हीने ने एक चूहे में मानव कैंसर के सेल्स इंजेक्ट किए। इसके बाद कीमोथैरेपी देने से दो घंटे पहले चूहे को विटामिन-सी का सप्लीमेंट दिया गया तो शोध दल ने पाया कि कैंसर सेल्स का विकास तेज हो गया था।

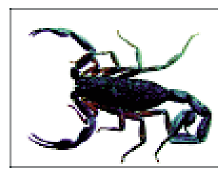

एस्पिरिन घटाती है स्तर कैंसर का खतरा!

आमतौर पर दर्द के लिए ली जाने वाली जाने वाली एस्पिरिन का एक बड़ा फायदा सामने आया है। एस्पिरिन महिलाओं में स्तन कैंसर के खतरे को घटाने की कारगर दवा है। एक महत्वपूर्ण शोध में यह दावा किया गया है। अपने तरह के इस बड़े मेडिकल रिव्यू में कहा गया है कि इस पेनकिलर की नियमित खुराक लेने से महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है। इसी तरह की एक अन्य दवा आइबूप्रोफीन भी स्तन कैंसर से निपटने में कारगर है। यह भी स्तन कैंसर के खतरे को 21 फीसद तक कम कर देती है।

परीक्षण में यह बात सामने आई है कि एस्पिरिन और अन्य जलन निरोधक गोलियां केवल दर्द ही कम नहीं करती, स्तन कैंसर के विषाणु से रक्षा भी करती हैं। यह रिपोर्ट नेशनल कैंसर इस्टीट्यूट के जनरल में प्रकाशित हुई है। इसमें 27 लाख महिलाओं के ऊपर किए गए 38 विभिन्न शोधों का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जो महिलाएं नॉन-स्टेराइडल एंटी इनफ्लामेट्री (एनएसएआईडी) दर्द निवारक लेती हैं, उनमें आम महिलाओं की अपेक्षा जीवन भर में स्तनकैंसर होने का खतरा 12 फीसद तक कम हो जाता है। एक अलग विश्लेषण में यह कहा गया है कि एस्पिरिन से यह खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है जबकि आइबूप्रोफीन इसका खतरा 21 फीसद तक घटा देती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकोवर कोस्टल हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ सेंटडियागो डि कैंपोसटेला ने संयुक्त रूप से यह निष्कर्ष जारी किए हैं। ब्रिटेन में 12 फीसद महिलाओं को स्तन कैंसर होने का खतरा बना रहता है। इस शोध के बाद इस तरह के मामलों का स्तर दस फीसद के पास लाया जा सकता है। हालांकि इस रिपोर्ट के बाद लाखों महिलाओं में स्तन कैंसर से निजात पाने की आशा जगी है फिर भी अभी इसके परीक्षणों का चरण शेष है। दरअसल, जिन महिलाओं पर यह शोध किया गया, उनमें से अधिकतर दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थीं और अन्य दवाइयां भी ले रहीं थीं। उनकी दिनचर्या और खानपान आम महिलाओं से भिन्न था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1909

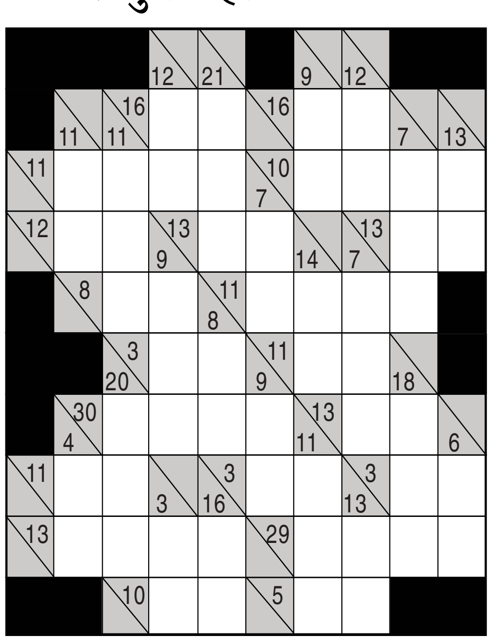

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

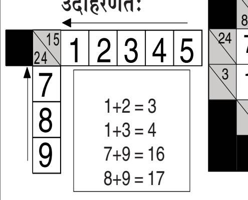

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1908 का हल

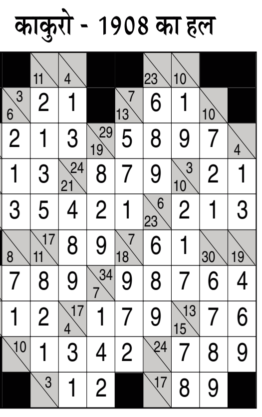

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा- 'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला- 'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा- 'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला- 'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

बेटा- 'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता- कितने अंक मिले हैं.

बेटा- 'शून्य, शून्य, शून्य !'

फिल्म वर्ग पहेली- 1909

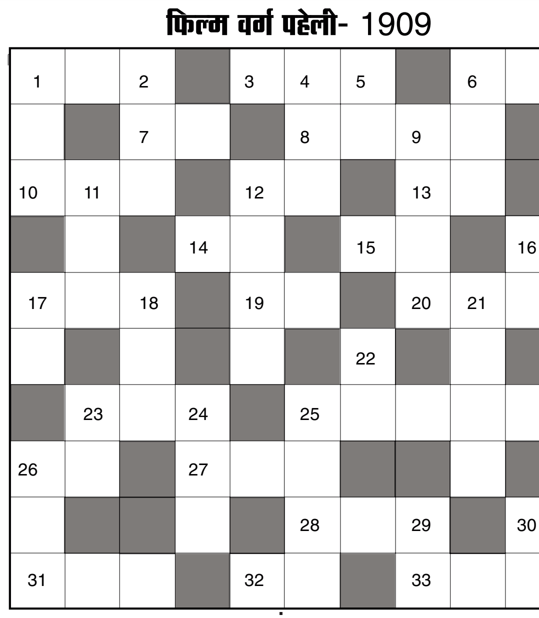

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1908

सूडोकु -1909

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1908 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 1909

बाएँ से दाएँ

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली - 1908 का हल

गलत कार्य करने वाले अधिकारियों को बक्सा नहीं जाएगा : निर्मला सीतारमण

एजेंसी

गाजियाबाद। केंद्रीय वित्त एवं कार्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि गलत काम करने वालों की खैर नहीं है और सही से काम करने वाले अधिकारियों से कोई बैर नहीं है। उन्होंने गाजियाबाद के संजय नगर स्थित केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर के नए भवन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सीजीएसटी के अधिकारियों को कार्यशैली में बदलाव लाने की आवश्यकता है। अब तक जो प्रतिक्रिया मेरे पास अधिकारियों के बारे में आई है, वह कहीं से सकारात्मक नहीं है। उद्यमियों या व्यापारियों का उत्पीड़न करना सरकार का उद्देश्य नहीं है। अधिकारियों को अब नया भवन दिया गया है, इस नए भवन में नई सोंच के साथ कुर्सियों पर बैठकर जनता के लिए कार्य करें। गलत कार्य करने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

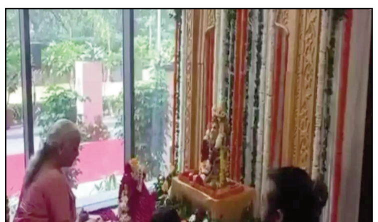

छठ पर्व पर सोमवार को दिल्ली में सरकारी अवकाश

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि छठ पर्व पर सोमवार (27 अक्टूबर) को सरकारी अवकाश रहेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस पर्व पर इसलिए अवकाश घोषित किया जा रहा है, क्योंकि चार दिन के इस पर्व के तीसरे दिन व्रती सूर्यास्त के समय नदी या तालाब के किनारे जाकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यह छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन सुबह से ही तैयारी शुरू हो जाती है और पूरा परिवार किसी ने किसी कार्य को पूरा करने में लगा रहता है। मुख्यमंत्री ने इस पर्व को लेकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छठ पर्व प्रकृति को समर्पित पर्व है, जिसमें सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा होती है। उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था, श्रद्धा और स्वच्छता का प्रतीक भी है, जो हमें प्रकृति, जल और सूर्य की उपासना के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व लोक आस्था और भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा का उत्सव है, जिसमें परिवार, समाज और समुदाय एक साथ जुड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी छठ घाटों पर स्वच्छता, सुरक्षा और सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की है, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर पूजन कर सकें।

सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास ने वित्त मंत्री से एनआरआई के लिए सोने के आभूषण संबंधित नियमों में स्पष्टता की मांग की

नई दिल्ली । सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर एनआरआई द्वारा ले जाए जाने वाले सोने के आभूषणों से संबंधित सीमा शुल्क नियमों में अस्पष्टता दूर करने की मांग की है।उन्होंने मौजूदा नियमों में बदलाव की जरूरत बताई ताकि स्वदेश लौटने वाले प्रवासी भारतीयों को हो रही परेशानियों को कम किया जा सके। वर्तमान नियमों के तहत, महिला यात्री 40 ग्राम और पुरुष यात्री 20 ग्राम तक सोने के आभूषण बिना शुल्क के ला सकते हैं, जिनकी मूल्य सीमा क्रमशः 1,00,000 रुपये और 50,000 रुपये है। ये सीमाएं 2016 में तय की गई थीं, जब सोने की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति ग्राम थी। अब सोने की कीमत 11,000 रुपये प्रति ग्राम से अधिक हो गई है। इस वजह से वजन और मूल्य सीमा के बीच असंतुलन ने यात्रियों के लिए भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। सीमा शुल्क चौकियों पर अक्सर विवाद होते हैं, जिससे एनआरआई को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, डॉ. ब्रिटास ने पत्र में सुझाव दिया कि मूल्य सीमा को पूरी तरह हटा दिया जाए। उन्होंने मांग की कि पुरुषों के लिए 20 ग्राम और महिलाओं के लिए 40 ग्राम की वजन सीमा को ही आधार माना जाए, भले ही सोने की कीमतों में बाजार में उतार-चढ़ाव हो। इससे नियमों में स्पष्टता आएगी और यात्रियों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी एक नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे, राज्य उत्सव में होंगे शामिल

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक नवंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे और नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ की 25वीं स्थापना दिवस (राज्योत्सव) की शुरुआत करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस समारोह की तैयारी जोर शोर से शुरू कर दी है। इसके साथ प्रधानमंत्री मोदी नए विधानसभा भवन, शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय और शांति शिखर ब्रह्माकुमारी प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वे सत्य साईं अस्पताल में ऐसे बच्चों से मिलेंगे, जिन्होंने हृदय ऑपरेशन कराया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी तैयारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री साय ने आज प्रधानमंत्री मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर नवा रायपुर में विभिन्न कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ आगमन राज्य के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस दौरान प्रत्येक व्यवस्था उत्कृष्टता का प्रतीक बने और प्रदेश की संस्कृति, आत्मगौरव एवं प्रगति की झलक हर स्थल पर दृष्टिगोचर हो। इस तरह से सभी तैयारियों को अंतिम रूप दें।

सपने देखने ही नहीं, उन्हें साकार करने का साहस ही नए भारत की पहचान है: सिंधिया

एजेंसी

वडोदरा। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आज सपने देखने ही नहीं, उन्हें साकार करने का साहस ही नए भारत की पहचान है। केंद्रीय संचार मंत्री गुजरात के युवाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वडोदरा में आयोजित 17वें प्रधानमंत्री रोजगार मेले में भी प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत रोजगार सृजन को आत्मनिर्भरता के मार्ग से जोड़ते हुए निरंतर विकसित भारत की दिशा में अग्रसर है। यह मेला केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और परिवार की खुशियों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को अमृत पीढ़ी का दर्जा देकर नई दिशा

दी है। देश में आज शिक्षा, कौशल और रोजगार एक ही लक्ष्य से जुड़ चुके हैं और यह लक्ष्य है 'विकसित भारत @2047' के निर्माण।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से 21वीं सदी के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली तैयार की गई है। देशभर में नए मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, विश्वविद्यालय और कौशल विकास कार्यक्रम इस दिशा में परिवर्तन के प्रतीक हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'यूथ फर्स्ट' दृष्टिकोण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मोदी सरकार की नीतियाँ युवाओं को न केवल रोजगार खोजने वाला, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बना रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज ईट आफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में 63वें स्थान पर, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में विश्व में दूसरे स्थान पर और ऑटोमोबाइल उत्पादन में तीसरे स्थान पर पहुँच चुका है। कोविड वैक्सीन का निर्माण देश की युवा ऊर्जा और नवाचार भावना का प्रमाण हैं। सिंधिया ने बताया कि 2022 में प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए रोजगार अभियान के तहत अब तक 17 चरणों में डाक विभाग में 1.86 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिया गया है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्यों की समीक्षा की

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यहां जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने वहां हो रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जेवर एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि जल्द से जल्द अधूरे काम पूरे किए जाएं।

मुख्यमंत्री के आगमन के बाद चर्चा है कि नवंबर माह के अंतिम सप्ताह या दिसंबर में जेवर एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू हो जाएंगी। बैठक के दौरान यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) से जुड़े अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, पुलिस के अधिकारी, जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह, गौतमबुद्ध नगर जिले के प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, नेता आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के आगमन के चलते भारी पुलिस बल तैनात किया गया। मुख्यमंत्री हिंडन एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर के द्वारा करीब 12 बजे जेवर एयरपोर्ट पहुंचे, उन्होंने यहां पर अधिकारियों के साथ बैठक की, उसके बाद वह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कल गाजियाबाद में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मु द्वारा एक अस्पताल के उद्घाटन के कार्यक्रम के अवसर पर भी मुख्यमंत्री रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मौजूद रहेंगे।

पूरे समाज और देश की दीपावली बनाने के लिए चिंतन करें बुद्धिजीवी : प्रदीप जोशी

एजेंसी

नोएडा। संवाद, स्नेह और समाज सशक्तिकरण का उजास लिए नोएडा में पत्रकार दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ने कहा कि हम सब परिवार के बीच दीपावली मनाते हैं। बुद्धजीवियों को चिंतन करना चाहिए कि किस तरीके से इसे पूरे समाज और देश की दीपवाली बना दें। प्रेरणा शोध संस्थान न्यास, नोएडा तथा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के तत्वावधान में पत्रकार दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन एनआईओएस क्षेत्रीय केंद्र, सेक्टर-62, नोएडा में अत्यंत आत्मीय, उल्लासपूर्ण और विचार-प्रधान वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 200 से अधिक पत्रकार बंधु-भगिनियों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमा, ऊष्मा और नव-ऊर्जा से आलोकित कर दिया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वर्ष भर चलने वाले 'पंच परिवर्तन संकल्प अभियान' पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के पाँच आयामः स्व का बोध एवं स्वदेशी जीवनशैली, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण

संरक्षण, सामाजिक समरसता तथा कुटुम्ब प्रबोधन है। जो आज के भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के मूल स्तम्भ हैं। उन्होंने पत्रकार समाज से आह्वान किया कि वे इन विषयों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में अपनी सृजनात्मक भूमिका निभाएं। मंचस्थ अतिथियों के परिचय के पश्चात सभी पत्रकार बंधुओं ने आत्म-परिचय देते हुए परस्पर संवाद स्थापित किया। विभिन्न प्रतिभागियों ने कविताएँ, गीत और लघु-अनुभव साझा कर वातावरण को भावनात्मक और सृजनशील बना दिया। इसके उपरांत मोनिका चौहान द्वारा मनोरंजक तंबोला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सहभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मंच पर उनके साथ वरिष्ठ पत्रकार एवं कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति बलदेव भाई शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नोएडा विभाग संघचालक सुशील तथा न्यूबर्ग इंजीनियरिंग के चेयरमैन व प्रेरणा विमर्श के अध्यक्ष डॉ. अनिल त्यागी विशिष्ट अतिथि के रुप में विराजमान थे। इसके पूर्व कार्यक्रम का प्रारम्भ बलदेव भाई शर्मा के प्रेरक उद्बोधन से हुआ।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक : राष्ट्रपति

एजेंसी

कोच्चि। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केरल के एर्नाकुलम स्थित सेंट टेरेसा कॉलेज के शताब्दी समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति को प्रेम के प्रतीक के रूप में देश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते पांच उपहार भेंट किए गए। सेंट टेरेसा कॉलेज का शताब्दी समारोह दोपहर 12.10 बजे कॉलेज के प्लेटिनम जुबली ऑडिटोरियम में शुरू हुआ। राष्ट्रपति ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सेंट टेरेसा कॉलेज आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ भारत में महिला शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। यह सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में एक महान योगदान है। हमें उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों की दूरदर्शिता और विरासत को गहराई से स्वीकार करना चाहिए, जिन्होंने इस संस्थान का निर्माण किया और इसे एक शताब्दी तक निरंतर उपलब्धियों के पथ पर अग्रसर किया। राष्ट्रपति ने 2047 तक विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाला समाज अधिक मानवीय और प्रभावी होगा। भारत की संविधान सभा की सदस्य 15 महिलाओं में से तीन - अम्मू स्वामीनाथन, एनी मस्कारेने और दक्षायनी वेलायुधन केरल से थीं।

उन्होंने न्यायमूर्ति अन्ना चांडी और न्यायमूर्ति एम. फातिमा बीवी जैसी राज्य की अग्रणी महिलाओं का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने शिक्षा और आध्यात्मिक मूल्यों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सेंट टेरेसा की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सेंट टेरेसा कॉलेज ने शिक्षा के माध्यम से स्थिरता, नेतृत्व और एजेंसी को बढ़ावा देने के लिए स्लेट नामक परियोजना शुरू की है। इस परियोजना को शुरू करके, कॉलेज ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। युवाओं को सतत विकास लक्ष्यों के तहत भारत के लक्ष्यों से जोड़ना और उन्हें भविष्य की नौकरियों के लिए सक्षम बनाना इस परियोजना के सराहनीय उद्देश्य हैं। समारोह में कुल 1632 आमंत्रित अतिथि शामिल हुए। इनमें 839 छात्र, 220 एनएसएस-एनसीसी स्वयंसेवक, 225 शिक्षक और 200 से ज़्यादा अतिविशिष्ट व्यक्ति थे। राष्ट्रपति मुर्मु केरल की अपनी चार दिवसीय यात्रा पूरी करके दिल्ली लौट गई हैं। वह दोपहर 2.15 बजे कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से दिल्ली लौटीं।

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ को दबाव मुक्त रखने के उपाय तलाशने में जुटा चुनाव आयोग

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में किसी भी दिन विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की अधिसूचना जारी होने की संभावना है। इस बीच, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है कि बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक दलों या राज्य प्रशासन के किसी भी दबाव या प्रभाव से मुक्त रहें। नई दिल्ली में गुरुवार को संपन्न दो दिवसीय बैठक में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ चर्चा के बाद आयोग ने स्पष्ट किया कि एसआईआर सबसे पहले उन राज्यों में शुरू किया जाएगा, जहां अगले वर्ष विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल भी शामिल है। पश्चिम बंगाल के सीईओ कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, आयोग को इस बात की जानकारी है कि बीएलओ पर अनुचित

दबाव डाला जा सकता है। इसलिए, उनकी स्वायत्तता की रक्षा के लिए कई स्तरों पर सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, पहला कदम यह होगा कि बीएलओ पर पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए, ताकि एसआईआर की अवधि के दौरान उनका तबादला न हो सके। साथ ही आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने तक बीएलओ को किसी अन्य प्रशासनिक कार्य में नहीं लगाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सीईओ कार्यालय को निर्देश दिया गया है कि बीएलओ को सुरक्षा का भरोसा दिलाया जाए और किसी भी तरह की धमकी या हस्तक्षेप के मामले में सख्त कार्रवाई की जाए। बीएलओ को यह सलाह भी दी गई है कि वे दबाव की स्थितियों को संयम से संभालें और किसी टकराव से बचें, लेकिन ऐसी किसी भी घटना की तत्काल सूचना सीधे सीईओ कार्यालय को दें, जो आगे आवश्यक कार्रवाई के लिए नई दिल्ली स्थित ईसीआई मुख्यालय से संपर्क करेगा।साथ ही, सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि न तो आयोग और न ही सीईओ कार्यालय बीएलओ और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की नियुक्ति के मामले में ईसीआई द्वारा तय मानकों में कोई ढिलाई बरतेगा। इन कदमों का उद्देश्य आगामी पुनरीक्षण प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और किसी भी राजनीतिक या प्रशासनिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना है।

बिहार के कुढ़नी और छपरा विधानसभा सीटे से भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में केशव मोर्या ने की सभा

एजेंसी

पटना। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार के 94-कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार केदार प्रसाद गुप्ता एवं 118-छपरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी छोटी कुमारी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री मौर्य ने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनता से भारी समर्थन और आशीर्वाद की अपील की। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बिहार में विकास, सुशासन और जनकल्याण के लिए भाजपा प्रत्याशियों की जीत आवश्यक है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों ने बिहार को केवल भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अपराध की राजनीति दी है।उन्होंने जनता से आह्वान किया कि बिहार के उज्जवल भविष्य के लिए भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों को विजयी बनाएं। जनसभा में भारी जनसैलाब और उत्साह के बीच उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास की गति और तेज होगी।

कार्बाइड गन से घायल बच्चों और नागरिकों का उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता में हो: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बाइड गन से हुई दुर्घटनाओं को अत्यंत गंभीर से लेते हुए निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के किसी भी घायल बच्चे और नागरिक के उपचार में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। घायलों के उपचार, ऑपरेशन और नेत्र चिकित्सा सहित सभी चिकित्सीय सेवाएँ सर्वोच्च प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाएं। उपचार के लिये मरीजों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से आवश्यक सहयोग दिया जाये। गंभीर मरीजों को उन्नत उपचार के लिए आवश्यकता पड़ने पर एयर एम्बुलेंस सेवा भी उपलब्ध कराई जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी घायलों की स्थिति की सतत मॉनिटरिंग की जाए और आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीमों को तत्काल तैनात किया जाए। दरअसल, मध्य प्रदेश में दीपावली पर पटाखों के विकल्प में चलाई गई देसी कार्बाइड गन से अब तक 300 लोगों की आंखें जख्मी हुई हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञों के अनुसार, करीब 50 फीसदी मरीजों की आंखों की रोशनी फिलहाल जा चुकी है। इनकी आंखों के सामने सिर्फ वार्म व्हाइट लाइट का गोला ही नजर आ रहा है। भोपाल के अलग-अलग अस्पतालों में ऐसे

162 लोग पहुंचे हैं। ग्वालियर, इंदौर, विदिशा समेत कई जगहों पर ऐसी घटनाओं में 7 से 14 साल तक के बच्चे प्रभावित हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार देर शाम कार्बाइड गन से प्रभावितों से भोपाल हमीदिया हॉस्पिटल के ब्लॉक 2 की 11वीं मंजिल स्थित नेत्र रोग वार्ड में भेंट की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सा विशेषज्ञों से रोगियों के उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त कर समुचित इलाज के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी कार्बाइड गन से प्रभावित बच्चों और नागरिकों के उचित इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से भी सहायता के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे प्रकरणों की निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है। घातक कार्बाइड गन के निर्माण और विक्रय को अवैध होने के नाते थाना स्तर पर छापामारी और जाँच की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

आईएसआईएस मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए आईएसआईएस से जुड़े एक इंटरस्टेट मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। दिल्ली और मध्य प्रदेश के भोपाल में एक साथ हुई छापेमारी में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह मॉड्यूल आगामी त्योहारों के दौरान दिल्ली में भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमला करने की योजना बना रहा था। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सादिक नगर, दिल्ली निवासीमोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और करोंद, भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। यह कार्रवाई स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक की देखरेख में की। उन्होंने बताया कि दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान ने पूछताछ में खुलासा किया।

भोपाल में 78वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा 14 नवंबर से होगा शुरू

कमिश्नर ने दिए इज्तिमा की तैयारियों में सुरक्षा, समन्वय एवं संचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दुनिया के सबसे बड़े मजहबी आयोजनों में एक आलमी तब्लीगी इज्तिमा आगामी 14 नवम्बर से शुरू हो रहा है। भोपाल में इज्तिमा का यह 78वां साल है। इस बार यह और भी भव्य और संगठित रूप में आयोजित किया जाएगा। भोपाल के ईटखेड़ी में 14 से 17 नवंबर तक होने वाले इस विश्वस्तरीय आयोजन में करीब 12 लाख से अधिक जायरीन के आने की उम्मीद है। इज्तिमा कमेटी ने पिछले वर्ष की तुलना में सभी व्यवस्थाओं में 20 फीसदी का इज़ाफ़ा किया है, चाहे वह पंडाल, खानपान, सर्विस एरिया या पार्किंग का विस्तार हो।भोपाल संभागायुक्त संजीव सिंह ने इज्तिमा स्थल पर नागरिक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के लिये संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आईजी अभय सिंह, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सहित इज्तिमा समिति के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त सिंह ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अपने-अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा इज्तिमा स्थल पर आने वाले जमातो की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए।

आईजी अभय सिंह ने निर्देश दिए कि इज्तिमा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा ट्रैफिक पुलिस द्वारा सुचारू यातायात सुनिश्चित किया जाए, ताकि जमातो को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएं, जिससे जमातो को सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं इज्तिमा समिति के बीच सुगम समन्वय और संचार बना रहे। सभी विभागों को स्थल पर जाकर कार्यों की स्थिति का भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन के कार्य की पूर्व एवं पश्चात जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप किए जाएं। साथ ही वालंटियर की सूची तैयार कर उन्हें इज्तिमा स्थल की सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी जाए ताकि जमातो को समय पर सहयोग प्राप्त हो सके। संभागायुक्त सिंह ने यह भी कहा कि इज्तिमा के दौरान स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ रहें तथा किसी भी आपात स्थिति में रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रहे। उन्होंने फूड सेफ्टी अधिकारी को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने एवं जल गुणवत्ता परीक्षण कराने के निर्देश दिए, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना या अस्वास्थ्यकर स्थिति उत्पन्न न हो। संभागायुक्त ने निर्देशित किया कि इज्तिमा स्थल के लिए मिनट-टू-मिनट एक्शन प्लान तैयार किया जाए और सभी विभाग उसी के अनुरूप कार्य करें, जिससे इज्तिमा सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। आयोजन कमेटी के मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉक्टर उमर हफीज ने बताया कि इस बार पंडाल का क्षेत्रफल 100 एकड़ से बढ़ाकर 120 एकड़ कर दिया गया है। वहीं जायरीन की आमद को देखते हुए पार्किंग एरिया को 300 एकड़ से अधिक तक फैला दिया गया है। कुल 70 पार्किंग जोन बनाए जा रहे हैं, ताकि ट्रैफिक मैनेजमेंट में कोई दिक्कत न हो।

आईआईटी जोधपुर और आइडिया फोर्ज मिलकर बढ़ाएंगे स्वदेशी यूएवी और डीप-टेक नवाचार

एजेंसी

जोधपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर और भारत की अग्रणी मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस) कंपनी आइडिया फोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने स्वदेशी ड्रोन (यूएवी) और डीप-टेक नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी रक्षा, पर्यावरण और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास को गति देगी। समझौते के तहत दोनों संस्थान यूएवी इंजनों, सामग्रियों और निर्माण तकनीकों के विकास के साथ-साथ पांच प्रतिशत एकीकरण, भू-मानचित्रण, वस्तु अनुक्रमण और ड्रोन क्षमताओं के उन्नयन पर संयुक्त अनुसंधान करेंगे। इसके साथ ही आईआईटी जोधपुर के छात्रों को यूएवी तकनीक में व्यावहारिक प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा, जिससे वे उद्योग अनुभव के साथ एयरोस्पेस एवं रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त करेंगे। इस दौरान आइडिया फोर्ज के मुख्य वित्तीय अधिकारी विपुल जोशी ने कहा कि हम मानते हैं कि अकादमिक अनुसंधान और औद्योगिक नवाचार का संगम ही तकनीकी प्रगति की नींव है। आईआईटी जोधपुर की अनुसंधान उत्कृष्टता और आइडिया फोर्ज की इंजीनियरिंग नेतृत्व क्षमता को मिलाकर हम राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को मजबूती देने वाले समाधान विकसित करेंगे।

वहीं, आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने कहा कि यह साझेदारी देश के रक्षा और नागरिक उपयोग के लिए स्वदेशी यूएवी के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त तकनीकी राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगी। यह एमओयू तीन वर्षों के लिए मान्य रहेगा और दोनों संस्थानों की यह साझेदारी भारत को स्वदेशी ड्रोन प्रौद्योगिकी और डीप-टेक इकोसिस्टम में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर (आईआईटी जोधपुर) भारत में प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार का अग्रणी केंद्र है, जो रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कार्य कर रहा है। थार मरुस्थल क्षेत्र में स्थित यह संस्थान रक्षा और पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उल्लेखनीय है कि, आइडिया फोर्ज भारत की अग्रणी मानवरहित हवाई प्रणाली (यूएएस) कंपनी है और इस क्षेत्र में एक अग्रणी नवप्रवर्तक के रूप में जानी जाती है। यह कंपनी सुरक्षा, मानचित्रण, निगरानी और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन, स्वायत्तता और विश्वसनीयता से युक्त अत्याधुनिक ड्रोन समाधान प्रदान करती है।

रोहित, विराट और हर्षित के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया

सिडनी (एजेंसी)। रोहित शर्मा (नाबाद 121) और विराट कोहली (नाबाद 74) की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही ये सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीत ली है। पहले दोनो ही मैचों में करारी हार झेलनी वाली भारतीय टीम इस मैच में लय में नजर आयी और उसकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी रही। अपने चयन के लिए आलोचना का शिकार हुए युवा तेज हर्षित राणा ने भी चार विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 236 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 38.3 ओवर में ही केवल एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए ही 69 रन जोड़े। 11वें ओवर में जॉश हेजलवुड ने शुभमन को आउट कर इस जोड़ी को तोड़ा। शुभमन ने 26 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाकर 24 रन बनाये।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए विराट और रोहित ने मेजबान गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। रोहित ने 33वें ओवर में ही 105 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित का नौवां शतक है। उन्होंने अपनी इस पारी में 11 चौके और दो छक्के लगाए। इस दोनो दिग्गज बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की अजेय साझेदारी हुई जिससे भारतीय टीम ने आसानी से मैच अपने नाम कर लिया।

रोहित ने 124 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद121 रन बनाये। वहीं विराट ने 81 गेंदों में 7 चौके लगाते हुए नाबाद74 रन बनाए। विराट ने नेथन एलिस की गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई।

इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरे ट्रैविस हेड और कप्तान मिचेल शर्मा की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। मैट रेनशॉ के अर्धशतक 56 रनों की सहायता से एक अच्छा स्कोर बनाया। रेनशॉ के अलावा कप्तान मिशेल मार्श ने 46 रन बनाये। वहीं मैथ्यू शॉर्ट ने 30 ट्रैविस हेड ने 29 व एलेक्स कैरी ने 24 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरुआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। भारत को पहली सफलता सिराज ने दिलाई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी थोड़ी डगमगाती दिखी। रेनशॉ और एलेक्स कैरी के बीच चौथे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी हुई जिसे हर्षित राणा ने एलेक्स कैरी को आउट कर तोड़ा। इसके बाद रेनशॉ भी अर्धशतक लगाकर पवेलियन लौट गए। कूपर कोनोली ने 23, नाथन एलिस ने 16, मिचेल स्टार्क ने 2 और मिचेल ओवन ने 1 रन बनाए। एडम जांपा दो रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जोश हेजलवुड खाता भी नहीं खोल पाये। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद लगातार विकेट गंवाए और कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। इस मैच में भारतीय

गेंदबाजी अच्छी रही जिससे मेजबान टीम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं मिला।

इस मैच में भारतीय टीम में कुलदीप यादव की वापसी हुई है जिन्हें पहले दो एकदिवसीय में टीम से बाहर रखा गया था। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से केवल रेनशॉ ही 50 रनों तक पहुंच पाए। वहीं भारत की ओर से हर्षित राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया । वहीं मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

एमएलएस कप में मेसी को मिला गोल्डन बूट अवार्ड, दो गोल कर इंटर मियामी को जीत भी दिलायी

मियामी (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दो गोलों की सहायता से इंटर मियामी ने एमएलएस कप के पहले दौर के प्लेऑफ सीरीज के शुरुआती मैच में नैशविले एससी को 3-1 से हरा दिया। मेसी को मैच शुरू होने से पहले 28 मुकाबलों में 29 गोल करने के लिए गोल्डन बूट अवार्ड भी दिया गया। इस मैच के 19वें मिनट में मेसी ने शानदार हेडर के जरिये पहला गोल दागा। इसी के साथ मैच में इंटर मियामी एक गोली से आगे हो गयी। वहीं 62वें मिनट में इंटर मियामी की ओर से तादेओ अलेंदे ने हेडर से गोल कर अपनी टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। वहीं मेसी ने अतिरिक्त समय में एक और गोल कर अपनी टीम को 3-0 कर दिया। अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हनी मुख्तार ने गोल दागकर नैशविले की ओर से एकमात्र गोल किया।

इस मैच में मिली जीत से मियामी ने बेस्ट-ऑफ-थ्री सीरीज के लिए 1-0 की बढ़त बना ली है। अब दूसरा मैच 1 नवंबर को नैशविल में खेला जाएगा।

मैच से पहले मेसी को गोल्डन बूट ट्रॉफी दी गयी। ट्रॉफी देने वाले एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने अमेरिकी फुटबॉल पर मेसी के प्रभाव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि कि हमने कभी सोचा भी होगा नहीं था कि मेसी इस लीग के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। उनके आने से मेजर लीग सॉकर की दिशा बदल दी है। मेसी ने लीग से तीन का का अनुबंध बढ़ाया है। जिससे भी टीम को लाभ होगा। हम पहले से ही काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। मुझे लगता है कि तीन और साल का समय मिलना।

पंजाब किंग्स ने 2026 सत्र के लिए बहुतुले को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 सत्र के लिए पूर्व क्रिकेटर साईराज बहुतुले को स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। बहुतुले सुनील जोशी की जगह कोच बनाये गये है। वहीं 2023 से कोच रहे जोशी अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपनी सेवाएं देंगे। बहुतुले ने कोच की जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं आगामी आईपीएल सीजन के लिए पंजाब किंग्स में स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में शामिल किये जाने से बेहद खुशी का अनुभव कर रहा हूं। पंजाब का खेल का तरीका सबसे अलग है। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों वाली इस टीम के आगे बढ़ने की अच्छी संभावनाएं हैं। मैं उनके साथ मिलकर उनके कौशल को निखारने और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में सहायक बनने को लेकर उत्साहित हूं। बहुतुले, के पास कोच के तौर पर अच्छा अनुभव है। वह केरल, गुजरात, विदर्भ और बंगाल जैसी घरेलू टीमों के कोच रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के साथ भी वह कुछ समय के लिए रहे हैं। इसके अलावा वह सीईओ में स्पिन गेंदबाजी कोच भी रहे हैं।

पंजाब किंग्स की ओर से कहा गया है कि साईराज को खेल की अच्छी समझ है। घरेलू गेंदबाजों को निखारने और रणनीति बनाने का उनका लंबा अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा। उनकी विशेषज्ञता आने वाले सत्र के लिए उपयोगी रहेगी।बहुतुले की जिम्मेदारी फ्रेंचाइजी के रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों पर सुझाव देना रहेगी। उनके अलावा टीम में मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, सहायक कोच ब्रैड हैडिन, तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप और ट्रेवर गोंसाल्वेस आदि शामिल हैं।

जानलेवा बीमारी को लेकर तिलक वर्मा का खुलासा

– कहा– डॉक्टर बोले थे कुछ घंटे देर होती तो जान जा सकती थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा, जिन्होंने एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई, ने हाल ही में अपने जीवन का एक चौंकाने वाला किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में बांग्लादेश दौरे के दौरान वह एक जानलेवा बीमारी से जूझे थे, जिसने उनकी जान तक लेने की स्थिति पैदा कर दी थी।

तिलक ने 'एक कार्यक्रम में खुलासा किया कि उन्हें रैबडोमायोलिसिस नामक गंभीर बीमारी हुई थी, जो मांसपेशियों को कमजोर कर देती है। उन्होंने कहा, ÷मैंने यह बात पहले कभी किसी को नहीं बताई थी। अपने पहले आईपीएल सीजन के बाद मैं फिटनेस पर ध्यान दे रहा था। मैं लगातार

ट्रेनिंग करता रहा और शरीर को आराम देने का मौका नहीं दिया। मैं चाहता था कि मैं सबसे फिट खिलाड़ी बनूं और फील्डिंग में बेहतरीन प्रदर्शन करूं।÷ उन्होंने आगे बताया कि अत्यधिक वर्कआउट के कारण उनकी मांसपेशियां टूटने लगीं और हालत इतनी बिगड़ गई कि उनका शरीर अकड़ गया। तिलक ने कहा, ÷आराम के दिन भी मैं जिम में रहता था। धीरे-धीरे मांसपेशियों पर इतना दबाव पड़ा कि वे काम करना बंद कर गईं। मेरी नसें अकड़ गईं, उंगलियां हिल नहीं रही थीं और ग्लव्स काटकर निकालने पड़े। उस वक्त मैं मैदान पर था, मेरी आंखों से अपने आप आंसू आने लगे क्योंकि दर्द असहनीय था।÷

उन्होंने बताया कि इसी दौरान मुंबई इंडियंस के मालिक आकाश अंबानी और बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उनकी मदद की। दोनों की कोशिशों से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि कुछ घंटों की देरी होती तो स्थिति जानलेवा साबित हो सकती थी। तिलक ने कहा, ÷डॉक्टर आईवी लाइन लगाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन सुई टूट जा रही थी। मेरी मां उस समय मेरे साथ थीं और उनकी आंखों में डर साफ दिख रहा था।÷ आज तिलक पूरी तरह स्वस्थ हैं और मैदान पर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस अनुभव को जिंदगी का सबसे बड़ा सबक बताया कि फिटनेस जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है आराम और रिकवरी का समय देना।

आने वाले समय में महिला क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंचेगा भारत : डिवाइन

इंदौर। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) कैलेंडर शुरु होने से आने वाले समय में भारत में खेल का विकास तेजी से होगा। ऐसे में भारतीय टीम शीर्ष पर पहुंच जाएगी। न्यूजीलैंड की टीम गुरुवार को यहां भारतीय टीम के हाथों मिली हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। डिवाइन रविवार को एकदिवसीय को अलविदा कह देंगी ताकि टीम में नई प्रतिभाओं को अवसर मिल सके। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार को लेकर उन्होंने कहा, ''हमें यथार्थवादी होना होगा। साथ ही कहा कि कि ये चीजें एकदम नहीं हो सकतीं हम भारत से तुलना नहीं कर सकते हैं। हमारे पास एक अरब लोग नहीं हैं जिनसे संपर्क किया जा सके। हम वास्तव में दुनिया के सबसे निचले पायदान पर पांच करोड़ की आबादी वाले छोटे से देश से हैं।'' डिवाइन ने कहा, ''यहां एक अरब लोग हैं और यहां जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से बहुत अलग है।'' उन्होंने कहा, ''मैं महिला क्रिकेट के भविष्य को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यहां जिस तरह से महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है उससे मुझे लगता है कि भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। हमने डब्ल्यूपीएल में महिला क्रिकेट के प्रति लोगों की रुचि को अच्छी तरह से देखा है।''डिवाइन ने कहा कि उनके लिए संन्यास लेने का फैसला करना इसलिए आसान हो गया क्योंकि उन्हें पता है कि न्यूजीलैंड के पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ है। टीम के पास इसाबेल गेज, हैलिडे, अमेलिया केर जैसी उभरती हुई खिलाडी हैं।

हेड सबसे तेजी से 3000 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने यहां भारतीय के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। हेड ने इस मैच में जैसे ही अपना 22 वां रन बनाया। वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से एकदिवसीय में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। हेड ने इसी के साथ ही अपने ही देश के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का भी रिकार्ड तोड़ दिया। हेड भारत के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी करते आये हैं और उन्होंने कई मैचों में बदलाव किया है। हेड ने अपने 3000 रन 76वीं पारी में बनाये हैं। वहीं स्मिथ ने 79 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। इसके अलावा माइकल बेवन और जॉर्ज बेली ने ये रन 80 पारियों में पूरे किये थे। वहीं डेविड वॉर्नर ने 81 पारियों जबकि डीन जोन्स ने 82 पारियों में 3000 रन बनाये। ट्रैविस ने इस मैच में 25 गेंदों में 29 रन बनाये और वह मोहम्मद सिराज का शिकार बने। हेड ने अपनी पारी में 6 चौके लगाये। वहीं सिराज के खिलाफ वह सहज नहीं रहे है। सिराज ने अब तक 8वीं बार हेड का विकेट लिया है। हेड का सिराज के खिलाफ दमदार प्रदर्शन रहा है हालांकि इस सीरीज में अभी तक हेड असफल रहे हैं। पहले मैच में वह 8 रन जबकि दूसरे मैच में 29 रन बनाकर आउट हैं।

कप्तान गिल ने की रोहित-विराट की सराहना, मुकाबले को बताया 'पर्फेक्ट गेम'

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में टीम की 9 विकेट से जीत को 'पर्फेक्ट गेम' बताया। गिल ने कहा कि यह जीत गेंदबाजी के संतुलित प्रदर्शन और रोहित शर्मा (121*) व विराट कोहली (74*) की नाबाद पारियों के कारण संभव हुई।

गिल ने मैच के बाद कहा, 'हमारी टीम ने मध्य ओवरों में खेल को नियंत्रित किया। पीछा करना देखने में शानदार था। स्पिनरों ने मध्य ओवरों में विकेट लिए और तेज गेंदबाजों ने भी अहम सफलता दिलाई। हर्षित ने मध्य ओवरों में तेज गेंदबाजी की, यह गुणवत्ता हमें चाहिए। रोहित और कोहली ने वर्षों से यह किया है, उन्हें देखना बेहद खुशी की बात है। यह मेरी पहली जीत कप्तान के रूप में और खास मैदान पर खास अनुभव है।'

रोहित शर्मा, जिन्हें मैन ऑफ़ द मैच और मैन ऑफ़ द सीरीज चुना गया, ने ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट खेलने की चुनौतियों और अनुभव साझा करने की अहमियत पर जोर दिया। 'ऑस्ट्रेलिया में कठिन परिस्थितियों की उम्मीद रहती है। क्वालिटी गेंदबाज हैं। लंबे समय बाद खेला, तैयारी अच्छी थी और थोड़ा आत्मविश्वास के साथ आए। हम श्रृंखला नहीं जीत सके, लेकिन बहुत कुछ सीखने को मिला। जब मैं टीम में आया था, वरिष्ठ खिलाड़ियों ने हमारी मदद की थी, अब हमारी जिम्मेदारी है कि युवा खिलाड़ियों की मदद करें।'

रोहित ने कहा, 'मैं सामान्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में खेलना पसंद करता हूं। स्क्त्र में मेरे अच्छे अनुभव रहे हैं—बेहतरीन पिच, मैदान और दर्शक। मैं वही करता रहना चाहता हूं और जारी रखना चाहता हूं।'

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने रोहित और कोहली की बल्लेबाजी की सराहना की और अपनी युवा टीम के लिए सकारात्मक पहलुओं को देखा। उन्होंने कहा, 'रोहित और विराट ने पिछले 10 सालों में कई टीमों के लिए यह किया। हमें पीछा करते समय एक और साझेदारी की जरूरत थी। यह हमारे युवा

खिलाड़ियों के लिए शानदार सीख है। भारत नंबर वन टीम है, और पहले दो मैचों में उनका प्रदर्शन देखकर हमें गर्व है।'

सोनिया रमन ने रचा इतिहास, डब्ल्यूएनबीए में पहली भारतीय मुख्य कोच बनी

न्यूयॉर्क । भारतीय मूल की सोनिया रमन ने सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनकर WNBA (महिला नेशनल बास्केटबॉल लीग) में नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। इस घटनाक्रम से अवगत एक व्यक्ति ने गोपनीयता की शर्त पर यह जानकारी दी। इसकी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक NBA के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह WNBA में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था। इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है। रमन का कोचिंग करियर MIT से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं। उन्होंने इस स्कूल को दो बार डिवीजन तीन NCAA टूर्नामेंट में पहुंचाया और प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल कोच बनी।

पुरुष हॉकी इंडिया लीग अगले साल तीन जनवरी से होगा शुरू, तीन चरणों में आयोजित होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली । पुरुष हॉकी इंडिया लीग (HIL) का दूसरा सत्र तीन जनवरी को चेन्नई में तमिलनाडु ड्रैगन्स और हैदराबाद तूफान्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा। आयोजकों ने शनिवार को यह घोषणा की। यह टूर्नामेंट तीन अलग–अलग शहरों में तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका समापन 26 जनवरी को भुवनेश्वर में होगा। महिला HIL इस वर्ष 28 दिसंबर को रांची में शुरू होगी और इसका फाइनल अगले वर्ष 10 जनवरी को होगा। हॉकी इंडिया ने कहा कि पुरुष हॉकी लीग में आठ टीमें भाग लेंगी। इसका पहला चरण चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन से नौ जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण का आयोजन रांची में होगा, जो 11 से 16 जनवरी तक मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेला जाएगा। अंतिम चरण के मैच भुवनेश्वर के कालिंग स्टेडियम में खेले जाएंगे। प्रारूप के अनुसार, प्रत्येक टीम एकल राउंड–रॉबिन प्रारूप में एक बार अन्य टीमों से भिड़ेगी, जिसमें शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। नॉकआउट चरण के सभी मैच भुवनेश्वर में खेले जाएंगे।

कोच सैमी ने माना वेस्टइंडीज टीम को काफी सुधारों की जरुरत

ढाका । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार के बाद माना है कि टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा है और उसे हर क्षेत्र में सुधार की जरुर है। सैमी ने हालांकि कप्तान शाई होप की नेतृत्व क्षमता और बल्लेबाजी में निरंतरता की सराहना की पर कहा कि टीम की गेंदबाजी खराब रही है। सैमी ने कहा, शाई होप की बल्लेबाजी सीरीज का सकारात्मक पक्ष रही। वह हर बार चुनौती का सामना करते हुए टीम को लेकर आगे बढ़ते हैं। वह एक अच्छे लीडर हैं पर जिस प्रकार से गेंदबाजी कमजोर रही उससे टीम को नुकसान हुआ है जिससे ठीक करना जरुरी है। साथ ही कहा कि यही वह क्षेत्र है जहां आपको अपनी योजनाओं को लागू करने का अवसर मिलेगा और वह भी आपके लिए सबसे अनुकूल हालातों में। साथ ही कहा कि पिछले तीन मैचों में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। सैमी ने कहा कि वह हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाना चाहता। साथ ही कहा कि बांग्लादेश को अपने घरेलू स्थितियों का फायदा मिलना उसका अधिकार है। उन्होंने कहा, मैं बांग्लादेशी टीम या अधिकारियों को यह नहीं बता सकता कि उन्हें कैसा विकेट तैयार करना है। मेरा ध्यान इस बात पर है कि मेरी टीम के पास विदेशी धरती पर खेलते हुए आने वाली हर चुनौती का सामना करने का कौशल हो। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। आपको घरेलू मैदान पर जीतने के लिए जो करना है, वो करना चाहिए। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। साथ ही कहा कि टीम में जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा होनी चाहिये। विकल्प नहीं है करके किसी को टीम में बनाये नहीं रखा जा सकता है।

रोहित-विराट ऑस्ट्रेलिया में फिर खेलेंगे या नहीं, भारतीय ओपनर ने दे दिया बड़ा बयान

सिडनी (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनौतीपूर्ण वनडे श्रृंखला समाप्त होने के बाद शनिवार को कहा कि शायद वह और विराट कोहली भविष्य में क्रिकेट को पसंद करने वाले इस देश में नहीं खेल पायेंगे। टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद अब रोहित और कोहली केवल एक अंतरराष्ट्रीय प्रारूप (वनडे) में खेल रहे हैं और हाल के दिनों में उनके करियर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों ने शनिवार को एक बार फिर मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 168 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को 9 विकेट की सांत्वना जीत के साथ श्रृंखला में सूपड़ा साफ होने से बचाया। रोहित को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, 'यहां आना और खेलना हमेशा अच्छा लगता है। 2008 की यादें ताजा हो गईं। मुझे नहीं पता कि हम ऑस्ट्रेलिया वापस आएंगे या नहीं, लेकिन हम अपने क्रिकेट का आनंद लेते हैं, चाहे हम कितनी भी उपलब्धियां हासिल कर लें।'

रोहित ने शानदार नाबाद 121 रन बनाए जबकि कोहली ने भारत की जीत में नाबाद 74 रनों का योगदान दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा, 'हमने पर्थ में नए सिरे से शुरुआत की। मैं चीजों को इसी तरह देखता हूं।' रोहित ने अपने करियर के इस चरण में अनुभव और मार्गदर्शन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'आप ऑस्ट्रेलिया में कठिन पिचों और बेहतरीन गेंदबाजों का सामना करते हैं। यहां खेलना कभी आसान नहीं होता। हम श्रृंखला नहीं जीत सके लेकिन इसमें कई सकारात्मक बातें हैं। यह एक युवा टीम है और बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं टीम में आया था, तो सीनियर खिलाड़ियों ने हमारी बहुत मदद की थी। अब हमारा काम भी यही है। हमें उनका मार्गदर्शन करना होगा, खेल की योजनाएं बनानी होंगी और बुनियादी बातों पर ध्यान देना होगा।' रोहित ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में खेलना उनके लिए हमेशा यादगार रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रशंसकों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मेरी यहां शानदार यादें रही हैं। स्क्त्र (सिडनी क्रिकेट मैदान) से लेकर पर्थ तक मुझे यहां खेलना पसंद है और मैं जो करता हूं, उसे जारी रखने की उम्मीद करता हूं।'

रोहित की बातों का कोहली ने भी समर्थन देते हुए कहा, 'हो सकता है आपने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो, लेकिन खेल आपको हर चरण में कुछ न कुछ सिखाता है। हमने स्थिति को अच्छी तरह समझा है, यही वह चीज है जिसमें हमने (एक जोड़ी के रूप में) हमेशा अच्छा किया है। हम शायद अब सबसे अनुभवी जोड़ी हैं। हम जानते थे कि बड़ी साझेदारियों से हम मैच को प्रतिद्वंद्वी टीम से दूर ले जा सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'यह सब 2013 में (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला) शुरू हुआ था, अगर हम एक बड़ी साझेदारी करते हैं, तो हम जानते हैं कि यह टीम को जीत दिलाने में मददगार होगा।' उन्होंने अटूट

समर्थन के लिए ऑस्ट्रेलिया के अपने प्रशंसकों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'हमें इस देश में आना पसंद है, हमने कुछ अच्छा क्रिकेट खेला है। आप सभी का बड़ी संख्या में आने और हमारा समर्थन करने के लिए धन्यवाद।'

डायरेक्टर एटली ने विज्ञापन की दुनिया में किया डेब्यू

जब बात हो स्केल, इमोशन और स्टाइल को एक साथ जोड़ने की, तो डायरेक्टर एटली का नाम सबसे पहले आता है। वे जिस प्रोजेक्ट को हाथ लगाते हैं, उसे सिनेमैटिक मैजिक में बदल देते हैं और इसका सबूत है हाल ही में चिंग्स के लिए किया गया उनका नया विज्ञापन।गौरतलब है कि 'जवान', 'मर्सल' और 'थेरी' जैसी मेगा हिट फिल्मों के लिए जाने जाने वाले एटली ने अब विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा है, और यहां भी उन्होंने वही ग्रैंड सिनेमाई करिश्मे का प्रदर्शन किया है और उसे लार्जर दैन लाइफ बना दिया है। 8 मिनट का यह चिंग्स विज्ञापन पारंपरिक 30-सेकंड वाले फॉर्मेट को न सिर्फ पूरी तरह तोड़ता है, बल्कि दर्शकों को एक मिनी ब्लॉकबस्टर का अनुभव भी देता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन, ड्रामा, इमोशन और विजुअल ब्रिलियंस का तड़का लगा है। यह सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि आठ शानदार मिनटों में पेश किया गया मास एंटरटेनमेंट का डबल डोज़ है। अपनी कोलैबोरेशन पर बात करते हुए डायरेक्टर एटली कहते हैं, मेरे लिए हमेशा प्यार सीक्रेट इंग्रिडिएंट रहा है और चिंग्स कुछ ऐसा बनाना चाहता था, जिसे इंडिया सिर्फ देखे नहीं, बल्कि प्यार करे तो मैने बिना दो बार सोचे हां कह दिया। हालांकि इसे रणवीर की मैडनेस, बॉबी सर के मैजिक और श्रीलीला की फ्रेशनैस ने और खास बना दिया और हमने इसे बहुत दिल से पकाया। अब इसे ऑडियंस को टेस्ट करना है।
रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की दमदार मौजूदगी के साथ यह फिल्म सिनेमैटिक फ्लेयर का मास्टरक्लास है। हर फ्रेम में स्केल और स्पेक्टेकल नजर आता है, जैसे स्लो-मोशन हीरो एंट्रीज़, ड्रामैटिक लाइटिंग, एनर्जी से भरी कोरियोग्राफी और एटली की फिल्मों की तरह गूंजता बैकग्राउंड स्कोर। एटली सिर्फ डायरेक्ट नहीं करते, वे एलीवेट करते हैं। यही वजह है कि उनके निर्देशन में रणवीर सिंह अपनी पिछली विज्ञापन फिल्मों की अपेक्षा कहीं अधिक दमदार नजर आ रहे हैं।
एटली ने उनकी करिश्माई पर्सनैलिटी, इंटेंसिटी और चार्म को ऐसे कैप्चर किया है कि स्क्रीन पर आग लग जाती है और यह परफॉर्मेंस, स्टाइल और स्टोरीटेलिंग का एक परफेक्ट मिश्रण बन जाता है। हर शॉट ऊर्जा, इमोशन और ग्रैंड विजुअल्स से भरा है, जो एटली की क्राफ्ट का ट्रेडमार्क है। चाहे सिनेमा हो या विज्ञापन, उनकी स्टोरीटेलिंग हमेशा भव्य, इमर्सिव और यादगार रहती है।

शादी की शूटिंग में रीटेक हुआ, मेरी दो बार एंट्री हुई

दर्शकों की दुलारी बालिका वधू यानी ऐक्ट्रेस अविका गौर अब असल जीवन में भी वधू बन गई हैं। हाल ही में अविका ने बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी के साथ सात फेरे लिए। खास बात यह रही कि अविका और मिलिंद ने यह शादी अपने टीवी शो पति, पत्नी और पंगा के सेट पर की, जिसका साक्षी सारी दुनिया बनी। शादी के बाद अविका की यह खास बातचीत

आप अब तक पूरे देश की बालिका वधू थीं, अब सच में मिलिंद की वधू बन चुकी हैं, क्या अलग महसूस हो रहा है?
सच कहूं तो शादी को लेकर हाइप बहुत होता है। मुझे भी लगा था कि कुछ बहुत अलग होगा, पर ऐसा नहीं है। मुझे इतना कुछ बहुत ज्यादा अलग नहीं लग रहा, बस मैच्योरिटी ज्यादा लग रही है। लग रहा है कि अचानक से बड़ी हो गई हूं। इसके अलावा, बदलाव यही है कि अब हम दोनों ज़िंदगी को एक साथ देखेंगे। हमारे परिवार एक हो गए हैं। ऐसी कई बातें मन में आती हैं, जो अच्छी, पॉजिटिव बातें हैं।
आपने टीवी शो पति, पत्नी और पंगा के सेट पर शादी करने का फैसला क्यों किया? इस पर मिलिंद और आपके घरवालों की क्या प्रतिक्रिया थी?
मैं बचपन से टीवी सेट पर रही हूं। मेरी ऑडियंस ने मुझे सालों से इतना प्यार दिया है, तो मुझे लगा कि उनके पास यही एक मौका है, मेरी जिंदगी के सबसे खास पल का हिस्सा बनने का। फिर भी, मैं अकेली यह फैसला नहीं ले सकती थी, पर जब मैंने मिलिंद और हमारे परिवार वालों से इस बारे में बात की तो सब बहुत ज्यादा उत्साहित थे, क्योंकि हम इतिहास बना रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि किसी चैनल के साथ किसी का बचपन से ऐसा कनेक्शन रहा हो, तो सभी ये यह बात समझी और सब बहुत खुश थे।
आपने कुछ शर्तें भी रखी थीं कि शादी में यह चीज़ें आपकी पसंद की होंगी?
बिल्कुल, बहुत सारी चीज़ें हैं। जैसे, हमारी शादी पूरी गुजराती रस्मों-रिवाज के साथ हुई है, जैसा हम चाहते थे। मैं चाहती थी कि लहंगा मेरी पसंद का हो, तो छोटी-छोटी चीजों से लेकर बड़ी चीज़ों तक वैसा ही हुआ, जैसा हम चाहते थे। हमने बहुत सोच समझकर प्लानिंग की थी। हम निश्चित तौर पर चाहते थे कि हमारे क्लोज फैमिली मेंबर्स भी हों तो वे भी थे। ओवरऑल मेकर्स ने ये पॉसिबल किया कि ये सिर्फ एक शो न हो, बल्कि हमारे लिए हमारी ज़िंदगी का सबसे यादगार दिन भी हो, तो सब कुछ हमारी उम्मीदों से बढ़कर रहा।
यह सब कुछ शो के तौर पर शूट हो रहा था, तो रीटेक भी हुए होंगे। कोई फनी या अटपटा रीटेक हुआ?
बिल्कुल, एक रीटेक तो मुझे याद है कि मेरी एंट्री दो बार हुई थी। ये मुझे फनी इसलिए लगती है, क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि एक बार तो मिलिंद रोएगा, मगर वो बेचारा दोनों बार रोया। मुझे बहुत अच्छा भी लगा कि उसने मेरे लिए इतना इमोशन दिखाया।

मिलिंद में ऐसी क्या खूबियां थीं, जिससे लगा कि वही आपके जीवनसाथी हैं?

वह बहुत समझदार, धैर्यवान और मैच्योर है। ये तीनों ही खूबियां मुझमें नहीं है (हंसती हैं)। वह बहुत ही सुलझा हुआ है। कोई भी मुद्दा हो, वह बहुत आसानी से उसे खत्म कर देता है तो हमारे झगड़े नहीं होते। मैं यह चीज मिस भी करती हूं लेकिन यह उसकी सुपर पावर है कि वह हर चीज को आसान बना देता है। वह हर चीज में मुझे कंप्लीट करता है। मुझे मोटिवेट करता है। अगर मेरा मन करता है कि कोई जोक मारे, मेरा मूड ठीक हो जाए, तो ऐसी बचकानी चीजों में भी मेरा साथ देता है। हम एक-दूसरे के साथ एक काफी अच्छा बैलेंस कर पाते हैं। हमें साथ में करीब छह-साढ़े छह साल हो गए हैं और हर दिन लगता है कि यह लड़का ये भी करता है। वह हमेशा मुझे इंप्रेस करने की कोशिश करता है, जो मुझे बहुत अच्छा लगता है।

नफ़रत में संदीपा धर और दर्शन रावल की केमिस्ट्री ने जीता दिल

संदीपा धर एक बार फिर दर्शकों को मोहित करने लौटी हैं अपने नए म्यूज़िक वीडियो 'नफ़रत' के साथ, जिसमें उनके साथ नज़र आ रहे हैं सोलफुल सिंगर दर्शन रावल। अपनी अभिव्यक्तिपूर्ण अदाकारी और ग्रेसफुल डांसिंग के लिए जानी जाने वाली संदीपा एक बार फिर साबित करती हैं कि वह आज के समय की सबसे बहुमुखी परफॉर्मर्स में से एक हैं।पहले ही फ्रेम से संदीपा एक अलौकिक आकर्षण बिखेरती हैं — उनकी खूबसूरती प्यार, दर्द और नाज़ुक भावनाओं के हर पहलू को सहजता से दर्शाती है। उनकी अभिव्यक्तिपूर्ण आंखें और नैचुरल स्क्रीन प्रेज़ेंस हर गीत को जीवन से भर देती हैं, जो दर्शन रावल की मधुर आवाज़ के साथ एक खूबसूरत दृश्य कविता का रूप ले लेती है। गीत के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा- 'नफ़रत' उन गानों में से एक है जो आपको प्यार के हर रंग को महसूस करने का मौका देता है। दर्शन के साथ काम करना शानदार अनुभव था; उनके संगीत में इतनी सहज भावनाएँ होती हैं कि उसमें खुद को पूरी तरह डुबो देना आसान हो जाता है। डांस हमेशा से मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहा है — यह उन भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है। इस गाने में एक डांस सीक्वेंस था जिसमें मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना पड़ा, और मुझे खुशी है कि मेरा परफॉर्मेंस कहानी को और ऊंचाई देता है, 'नफ़रत' में संदीपा की एक्टिंग के साथ-साथ उनकी डांसिंग स्किल्स भी बखूबी झलकती हैं। हर मूवमेंट और जेस्चर में उनकी नफ़ासत और जुनून दिखाई देता है, जो कहानी में लय और गहराई दोनों जोड़ता है। गाने के विज़ुअल्स — मूडी, काव्यात्मक और सिनेमैटिक — उनके प्रदर्शन को और भी प्रभावशाली बना देते हैं, जिससे संदीपा वीडियो का धड़कता हुआ दिल बन जाती हैं। अब जब 'नफ़रत' रिलीज़ हो चुका है, दर्शक संदीपा धर और दर्शन रावल की खूबसूरत केमिस्ट्री को महसूस कर सकते हैं — जो एक साथ गहराई, जुनून और कोमलता से भरी है। खूबसूरती, भावना और कला का यह मेल 'नफ़रत' को सिर्फ एक म्यूज़िक वीडियो नहीं बल्कि एक अनुभव बना देता है, जो दिल में बस जाता है और यह साबित करता है कि संदीपा धर आज की सबसे मनमोहक परफॉर्मर्स में से एक हैं।

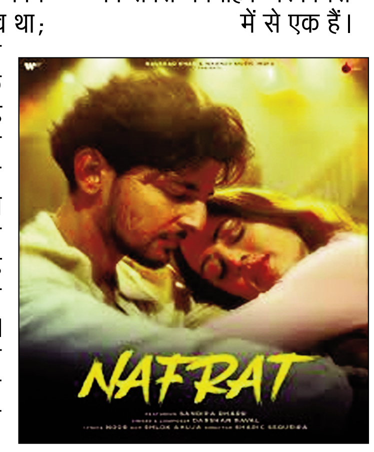

थामा का दीपावली पर रिलीज होना मेरे लिए बहुत स्पेशल है

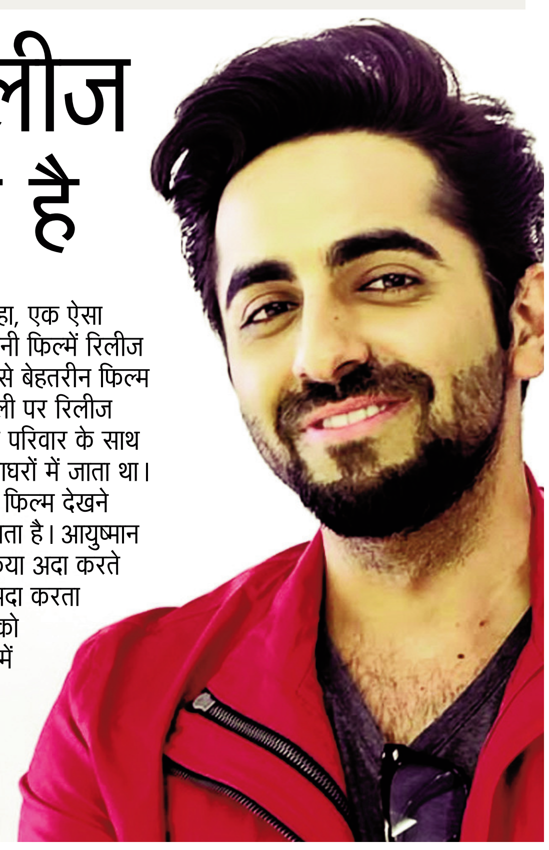

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा रिलीज हो चुकी है। इसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। आयुष्मान ने बताया कि थामा उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है।अभिनेता ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि हर साल वह अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाते थे, मगर इस बार उन्होंने अपनी फिल्म के साथ उस खुशी का अनुभव किया। इस फिल्म ने पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपए की कमाई की। थामा के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए दीपावली की इस बड़ी छुट्टी के दौरान लोगों को थामा और मेरे अभिनय को पसंद करते और पसंद करते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, जब निर्माता दिनेश विजान ने मुझे बताया कि थामा दीपावली पर रिलीज हो रही है, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि इस पल का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि मेरी भी कोई फिल्म बड़े स्टार्स की तरह दीपावली पर रिलीज हो। आयुष्मान खुराना ने आगे कहा, एक ऐसा त्योहार जिस पर बड़े-बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्में रिलीज करते आए हैं, थामा मेरे करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इसे दीपावली पर रिलीज करने का मौका मिला। हर साल मैं अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाता था। इस बार मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने सिनेमाघरों में गया। यह अविश्वसनीय लगता है। आयुष्मान खुराना ने निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझ पर एक ऐसे किरदार को निभाने का भरोसा दिखाया, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। एक बेताल के रूप में मेरे किरदार को दर्शकों द्वारा देखा जाना और सराहा जाना, मेरे लिए वाकई एक अद्भुत अहसास है।

कृष 4 में विलेन का रोल करने पर रजत बेदी ने तोड़ी चुप्पी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं। इस बात को लेकर जब अभिनेता से पूछा गया तो उन्होंने क्या कुछ कहा, चलिए आपको बताते हैं।

अभिनेता ने कृष 4 पर क्या कहा?

हाल ही में स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं।

रजत ने ऋतिक की जमकर तारीफ की

उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान हैं। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती- परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो। अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है। मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले। मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।

लंबे समय से एक्टिंग से थे दूर

अगर वाकई ऋतिक की फिल्म में रजत बेदी की वापसी होती है, तो यह नॉस्टैल्जिया का बड़ा पल होगा। रजत बेदी लंबे समय से फिल्मों से दूर रहे थे, लेकिन आर्यन खान की वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए उन्होंने हाल ही में एक मजबूत कमबैक किया है। इस सीरीज में उनका काम काफी सराहा गया और दिलचस्प बात यह है कि शो में रजत की रियल लाइफ का ही रेफरेंस देखने को मिला जहां वर्षों से उन्हें कोई इंडस्ट्री में काम नहीं देता।

सलमान कभी मेरे बॉयफ्रेंड नहीं रहे

जर्मन-पोलिश मूल की एक्ट्रेस क्लॉडिया सिएस्ला ने बिग बॉस 3 में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वह क्या कूल हैं हम और देसी कट्टे जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। बीते कुछ समय से वह एक्ट्रेस होने के साथ ही न्यूट्रीशियनिस्ट के रूप में भी प्रैक्टिस कर रही हैं। क्लॉडिया ने सलमान खान से रिश्ते पर बेबाक बातचीत की है। क्लॉडिया का नाम एक तरफ सलमान खान से जुड़ा था, तो दूसरी तरफ बिग बॉस के कंटेस्टेंट प्रवेश राणा के साथ भी उनके लिंकअप्स की ख़बरें थीं। इस पर वह हंसते हुए कहती हैं, बिग बॉस 3 में, सिर्फ मैं और प्रवेश सिंगल थे, बाकी सब शादीशुदा थे। हम अच्छे दोस्त थे, लेकिन कुछ लिमिटेड फुटेज देखकर लोगों ने बातों को बढ़ा-चढ़ा दिया। जहां तक सलमान खान से नाम जुड़ने की बात है, हम सिर्फ एक पार्टी में मिले थे। न जाने कैसे अफवाह बन गई। मैं कई साल से इस बात का खंडन कर रही हूं। सलमान अच्छे इंसान और सपोर्टिव फ्रेंड हैं, मगर वो मेरे बॉयफ्रेंड नहीं हैं। मेरे बॉयफ्रेंड हैं अर्जुन गोयल, वो मेरे सोलमेट हैं। हम चाहते हैं जिंदगी साथ बिताएं और शायद आगे किसी रियलिटी शो में साथ नजर भी आएं।

कील-मुंहासों से हैं परेशान, आजमाएं आयुर्वेदिक उपचार

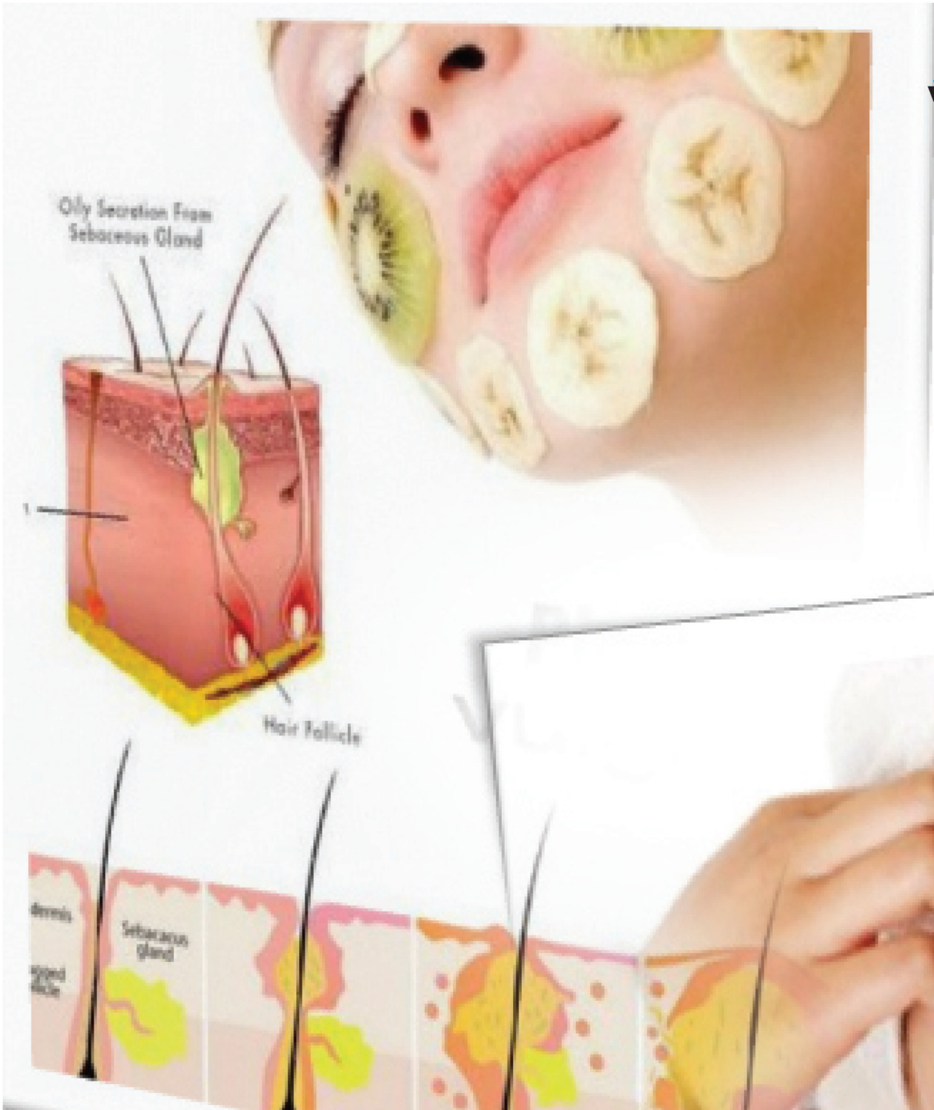

कील-मुंहासे प्रत्येक किशोर या किशोरी को अनिवार्य रूप से होते ही हैं, ऐसा नहीं है। जिनको होते हैं, वे मानसिक रूप से दुःखी-पीड़ित होते हैं और समझ नहीं पाते कि ये कील-मुंहासे क्यों निकल रहे हैं और इनको कैसे ठीक किया जा सकता है।

कील-मुंहासों को आयुर्वेदिक भाषा में 'युवान-पीड़िका' और ऐलोपैथिक भाषा में 'एक्ने' और 'पिम्पल' कहते हैं। किशोर अवस्था की समाप्ति और युवावस्था के प्रारम्भ में चेहरे पर फुंसी के रूप में मुंहासे निकलते हैं और ये पीड़ा पहुंचाते हैं, इसलिए इन्हें 'युवान पीड़िका' कहा गया। शरीर में किसी भी कारण अतिरिक्त रूप से बढ़ी हुई उष्णता मुंहासे पैदा करने में कारण मानी जाती है, इसलिए मुंहासे होने की सम्भावना उनको ज्यादा होती है, जिनके शरीर की तासीर (प्रकृति) गर्म हो। ऐसे बच्चे अगर आहार-विहार भी उष्णता बढ़ाने वाला करते हैं तो उनके शरीर में उष्णता बढ़ती है और कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

कील-मुंहासों के निकलने का समय 13-14 वर्ष की आयु से लेकर 20-22 वर्ष की आयु के मध्य का होता है। इस आयु में उष्णता बढ़ाने वाला आहार-विहार नहीं करना चाहिए। ऐलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मुंहासों का कारण होता है वसा ग्रन्थियों (सिबेसियस ग्लैंड्स) से निकलने वाले स्राव का रुक जाना। यह स्राव त्वचा को स्निग्ध रखने के लिए रोम छिद्रों से निकलता रहता है। यदि यह रुक जाए तो फुंसी के रूप में त्वचा के नीचे इकट्ठा हो जाता है और कठोर हो जाने पर मुंहासा बन जाता है। इसे 'एक्ने वल्गेरिस' कहते हैं। इसमें पस पड़ जाए तो इसे कील यानी पिम्पल कहते हैं। पस निकल जाने पर ही यह ठीक होते हैं। साधारण स्थिति में ये निकलते और ठीक होते रहते हैं पर असाधारण और गम्भीर स्थिति में बहुत दिनों तक बने रहते हैं। चेहरे की त्वचा को कुरूप कर देते हैं। शरीर में एण्ड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो जाने का भी सम्बन्ध इस व्याधि से होता है। आनुवंशिक प्रभाव भी इसमें कारण होता है।

कारण : तेज मसालेदार, तले हुए, उष्ण प्रकृति वाले पदार्थों का अधिक सेवन करने, रात को देर तक जागने, सुबह देर तक सोए रहने, देर से शौच व स्नान करने, शाम को शौच न जाने, निरंतर कब्ज बनी रहने, कामुक विचार करने, ईर्षा व क्रोध करने, स्वभाव में गर्मी व चिड़चिड़ापन रखने आदि कारणों से शरीर में ऊष्णता बढ़ती है और तैलीय वसा के स्राव में रुकावट पैदा होती है, जिससे कील-मुंहासे निकलने लगते हैं।

सावधानी : हलका, सुपाच्य और सादा आहार पथ्य है, अधिक शाक-सब्जी का सेवन करना, अधिक पानी पीना, शीतल व तरावट वाले पदार्थों का सेवन करना पथ्य है। तेज मिर्च-मसालेदार, तले हुए, मांसाहारी पदार्थों तथा मादक द्रव्यों का सेवन करना अपथ्य है।

आयुर्वेदिक उपचार

* गाय के ताजे दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें। सूख जाने पर पानी से धो डालें।

* सोहागा 3 ग्राम, चमेली का शुद्ध तेल 1 चम्मच। दोनों को मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें।

मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।

* शुद्ध टंकण और शक्ति पिष्टी 10-10 ग्राम मिलाकर एक शीशी में भर लें। थोड़ा सा यह पावडर और शहद अच्छी तरह मिलाकर कील-मुंहासों पर लगाएं।

लोध्र, वचा और धनिया, तीनों 50-50 ग्राम खूब बारीक पीसकर शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण थोड़े से दूध में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। आधा घण्टे बाद पानी से धो डालें।

* सफेद सरसों, लोध्र, वचा और सेन्धा नमक 25-25 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें और शीशी में भर लें। एक चम्मच चूर्ण पानी में मिलाकर लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं।

कूठ, प्रियंगु फूल, मजीठ, मसूर, वट वृक्ष की कोंपलें (नरम छोटी पत्तियां), लोध्र, लाल चन्दन, सब 10-10 ग्राम बारीक चूर्ण करके मिला लें। एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ पीसकर लेप बना लें। इसे कील-मुंहासों पर लगाएं।

* साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं। * वरुण (वरना) की छाल 25 ग्राम लेकर एक गिलास पानी में इतनी देर तक उबालें कि पानी आधा गिलास बचे। लाल चन्दन, काली मिर्च और जायफल, तीनों का पिसा हुआ बारीक चूर्ण 10-10 ग्राम लेकर मिला लें और शीशी में भर लें। कुनकुने गर्म पानी से कील-मुंहासों को धोकर, इस चूर्ण को पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और कील-मुंहासों पर लगाएं। लेप सूख जाए तब कुनकुने गर्म पानी से धो डालें।

दुल्हन ऐसे करें गहनों का चयन

शादी का मौसम और तैयारियां जोरों पर है। शादी की तैयारी और खरीदारी उतनी आसान भी नहीं होती। कई तरह के सवाल होते हैं, कि क्या जंचेगा क्या नहीं। यह लेना चाहिए या वह। कद-काठी और रंग के अनुसार खरीदारी हो, तो यह सबसे बेहतर होता है। फिलहाल जानिए दुल्हनों के लिए गहनों का चयन करने के लिए कुछ आसान टिप्स -

1 गहने खरीदने का पहला सरल तरीका यह है, कि आप जो पहनने वाली हैं, उसके अनुसार गहनों का चयन कीजिए और कुछ हल्के-फुल्के गहने अतिरिक्त लेकर रखें जो कई जगह आपके काम आ सकते हैं।

2 दूसरी बात, आपको कुंदन, मोती, स्टोन या मेटल जिस प्रकार के गहने पहनने में रुचि है, वह पहले ही तय कर लें और उसके अनुसार ही गहनों की खरीदारी करें। इससे आप भ्रमित नहीं होंगे और आखिरकार वही लेकर आएंगे जो आपने सोचा था।

3 अगर आपकी लंबाई कम है तो इस तरह के हार और कान के बालों का चयन करें जो लंबे हों। हार के मामले में या तो लंबाई अधि?क हो या फिर हार फिलकुल गले से सटा हुआ होना चाहिए। आजकल दोनों साथ में पहनने का भी फैशन है।

4 हार अगर लंबा ले रही हैं, तो लंबाई सीने से जरा नीचे ही रखें। इसके अलावा कोई व्ही शेप नेकलेस भी आपकी लंबाई को बढ़ाएगा।

5 अगर हाथ में ब्रेसलेट पहनने वाली हैं, तो ध्यान रखें कि आप पर पतले ब्रेसलेट ज्यादा अच्छे लगेंगे, बजाए चौड़ाई वाले ब्रेसलेट के। चूड़ि?यों के मामले में भी ऐसे ही चयन करें।

6 अगर आपकी लंबाई अधि?क है, तो आप किसी भी तरह के हार का चयन कर सकती हैं। कान के बाले भी आप पर दोनों तरह के जंचेंगे। इसके अलावा हाथों में चूड़ी या ब्रेसलेट, आप जो भी पहनें हाथ भरकर पहनें।

7 अगर आपकी लंबाई बहुत ज्यादा या बहुत कम नहीं है, तो आप सामान्य लंबाई वाले हैं। आप पर किसी भी आकार और लंबाई के गहने सूट करेंगे। आप बेफिक्र होकर अपनी पसंद के गहने पहन सकती हैं।

त्वचा को बेदाग बनाएं, यह 10 उपाय

साफ-सुथरी, बेदाग और निखरी त्वचा ही असली खूबसूरती को बयां करती हैं। ऐसी खूबसूरती पाना कौन नहीं चाहता, लेकिन जब कई तरह के जतन करने के बाद त्वचा के दाग धब्बे नहीं जाते तब, सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। यदि आपके साथ भी यही समस्या है, तो अब फिक्र छोड़ दीजिए। क्योंकि हम बता रहे हैं त्वचा के दाग धब्बों से निजात पाने के 10 आसान उपाय - 1 उपचार से पहले एक बात हमेशा ध्यान रखें कि सावधानी और सुरक्षा रखकर आप दाग-धब्बों को उभरने से रोक सकते हैं। इसके लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें। इससे न केवल दाग-धब्बे कम तो होंगे ही, इने होने की संभावना भी कम हो जाएगी।

2 त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान दें। हल्की पाउडर में थोड़ा-सा कच्चा दूध मिलाकर लगाने से त्वचा के दाग धब्बे कम होते हैं। प्रतिदिन इसका इस्तेमाल करने से चेहरे पर चमक भी आती है।

3 त्वचा पर जहां भी दाग-धब्बे हों, वहां पर थोड़ा सा बेकिंग सोडा और शहद मिलाकर लगाएं। कुछ समय रखकर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग धब्बे धीरे-धीरे कम होते जाएंगे।

4 जायफल, त्वचा के दाग धब्बे हटाने और रंग निखारने के लिए एक बेहतरीन उपाय है। इसे दूध में घिसकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बे कम हो जाएंगे और त्वचा का रंग भी साफ होगा।

5 कोको बटर का उपयोग भी चेहरे को बेदाग करने के लिए किया जा सकता है। रोजाना कोको बटर से त्वचा की मसाज करने से दाग-धब्बे तो दूर होंगे ही, स्ट्रेच मार्क्स और अन्य समस्याएं भी ठीक हो जाएंगी।

6 त्वचा के लिए जैतून का तेल भी प्रभावी उपाय है। प्रतिदिन चेहरे पर जैतून के तेल से मसाज कर, 10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा बेदाग तो होगी ही, साथ ही मुलायम और चमकदार भी हो जाएगी।

7 कच्चे दूध का प्रयोग भी आपके चेहरे को बेदाग करने में मदद करता है। प्रतिदिन चेहरे पर कच्चे दूध से मसाज करें या फिर बेसन में कच्चा दूध मिलाकर इस फेस पैक को चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद गुनगुने पानी से धो लें।

8 अगर आपकी त्वचा रूखी न हो तो आप टमाटर और नींबू के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं। आलू का रस भी चेहरे को बेदाग रखने का एक अच्छा उपाय है। इससे त्वचा के दाग धब्बे तो मिटते ही हैं, रंग भी साफ होता है।

9 दाग धब्बों को त्वचा पर ठहरने न देना भी इसका एक उपाय है। इसके लिए आपको नियमित तौर पर त्वचा की सफाई पर ध्यान देना होगा। साथ ही डेली स्क्रब का इस्तेमाल कर आप मृत त्वचा को भी त्वचा पर जमने से रोक सकते हैं।

10 नीम, पुदीना और तुलसी का रस लगाने से भी त्वचा बेदाग होती है। नियमित इस प्रयोग को करने से त्वचा के दाग-धब्बे मिट जाते हैं, और त्वचा कांतिमय नजर आती है। साथ ही आप ताजगी भी महसूस करते हैं।

ठंड में क्यों फटती है एड़ियां, जानिए सरल इलाज

जैसे-जैसे सर्दी का मौसम अपने शबाब पर पहुंचता है, पैरों की खूबसूरती को बनाए रखना मुश्किल होता जाता है। पैरों की चमड़ी का सख्त हो जाना और एड़ियों का फटना जैसी समस्याएं इस मौसम में आम तौर पर उभरकर सामने आती हैं। इससे बचने के लिए कुछ बातों का ख्याल रखना आवश्यक है। जानिए कुछ महत्वपूर्ण बातें-

क्या है एड़ियां फटने की मुख्य वजह एड़ियां फटने की मुख्य वजह शरीर में कैल्शियम और चिकनाई की कमी होती है। एड़ी व तलवों की त्वचा मोटी होती है, इसलिए शरीर के अंदर बनने वाला सीबम यानी कुदरती तेल पैर के तलवों की बाहरी सतह तक नहीं पहुंच पाता। फिर पौष्टिक तत्व व चिकनाई न मिल पानेकी वजह से ही एड़ियां खुरदरी-सी हो जाती हैं और इनमें दरार पड़ने लगती है। एड़िया ज्यादा फटने से दर्द और जलन तो होती ही है, कभी-कभी खून भी निकल आता है।

<u>ठंड में फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के नुस्खे</u>

* डेढ़ चम्मच वैसलीन में एक छोटा चम्मच बोरिक पावडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और इसे फटी एड़ियों पर अच्छी तरह से लगा लें, कुछ ही दिनों में फटी एड़ियां फिर से भरने लगेंगी। * अगर एड़ियां ज्यादा फटी हुई हों तो मैथिलेटिड स्पिरिट में रुई के फाहे को भिगोकर फटी एड़ियों पर रखें। ऐसा दिन में तीन-चार बार करें, इससे एड़ियां ठीक होने लगेंगी। * गुनगुने पानी में थोड़ा शैंपू, एक चम्मच सोड़ा और कुछ बूंदें डेटॉल की डालकर मिला लें। इस पानी में पैरों को 10 मिनट तक भिगोकर रखें। त्वचा फूलने पर मैथिलेटिड स्पिरिट लगाकर एड़ियों को प्यूमिक स्टोन या झांवे से रगड़कर साफ कर लें। इससे एड़ियों कीमृत त्वचा साफ हो जाएगी। फिर साफ तौलिए से पोंछकर गुनगुने जैतून या नारियल के तेल से मालिश करें। * पैरों को साफ व खूबसूरत बनाए रखने के लिए पैडिक्योर को अवश्य चुनें। यह पैरों के नाखून, एड़ी व तलवों की सफाई का शानदार तरीका है। * पैडीक्योर एक आसान विधि है, इसे आप खुद घर पर भी कर सकती हैं अगर आपके पैरों की दशा ज्यादा खराब है तो पैडीक्योर किसी ब्यूटी स्पेशलिस्ट से ही करवाना मुनासिब है।